निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 30 मार्च 2025 रविवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 305 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1814 : नेपोलियन बोनापोर्ट को हराने के बाद ब्रिटेन की सेना पेरिस की ओर चल पड़ी।
1822 : फ्लोरिडा अमेरिकी गणराज्य में शामिल हुआ।
1842 : बेहोशी की दवा के रूप में ईथर का पहली बार इस्तेमाल हुआ।
1919 : महात्मा गांधी ने रॉलेक्ट एक्ट के विरोध की घोषणा की।
1945 : सोवियत संघ ने आस्ट्रिया पर आक्रमण किया।
1950 : मर्रे हिल ने फोटो ट्रांजिस्टर का अविष्कार किया।
1992 : सत्यजित रे को मानद ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

झारखंड में शिक्षा का अधिकार अधिनियम की नियमावली में होगा संशोधन

शिक्षा और साक्षरता मंत्री रामदास सोरेन ने विभाग के अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीइ) की नियमावली में संशोधन किया जायेगा। इसके तहत निजी स्कूलों को मान्यता लेने के लिए नियमावली में तय भूमि की शर्त में बदलाव हो सकता है। इसे लेकर स्कूली शिक्षा और साक्षरता मंत्री रामदास सोरेन ने विभाग के अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। विभागीय मंत्री के निर्देश के अनुरूप शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आवश्यक प्रक्रिया शुरू की है।



जमीन की कमी से स्कूलों को नहीं मिल रही मान्यता

झारखंड में वर्तमान में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत स्कूलों की मान्यता के लिए शहरी क्षेत्र में 75 डिसमिल और ग्रामीण क्षेत्र में एक एकड़ जमीन की आवश्यकता होती है। विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान शिक्षा मंत्री के समक्ष राज्य में बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों का मामला रखा गया। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन को स्कूलों की मान्यता को लेकर आवश्यक शर्त की जानकारी दी गयी।

75 डिसमिल जमीन की रखी गयी थी शर्त

बैठक में कहा गया कि निजी विद्यालयों को मान्यता देने के लिए शहरी क्षेत्र में 75 डिसमिल जमीन की शर्त रखी गयी है, जिसकी पूर्ति शहरी क्षेत्रों में संभव नहीं हो पा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में भी जमीन को लेकर परेशानी हो रही है। ऐसे में शिक्षा मंत्री ने स्कूलों की मान्यता को लेकर आवश्यक जमीन की अहर्ता कम करने को लेकर कैबिनेट के समक्ष प्रस्ताव रखने का निर्देश दिया। राज्य में वर्ष 2011 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ था। फिर वर्ष 2019 में नियमावली में पहला संशोधन हुआ और अब दूसरा संशोधन हो सकता है।

झारखंड में बिना मान्यता के पांच हजार सेअधिक स्कूल

झारखंड में बिना मान्यता के सबसे अधिक 5879 विद्यालय संचालित हैं। इन स्कूलों में 837879 बच्चे नामांकित हैं, जबकि 46421 शिक्षक कार्यरत हैं। देश में बिना मान्यता के सबसे अधिक निजी स्कूल झारखंड में संचालित किये जा रहे हैं। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष देश भर में बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों की संख्या जारी की थी। जिसके बाद झारखंड में स्कूलों की मान्यता को लेकर पत्र जारी किया गया था।

स्कूल संचालक कर रहे शर्त में बदलाव की मांग

झारखंड के निजी स्कूल संचालक काफी दिनों से जमीन की शर्त में बदलाव की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में स्कूल संचालकों का कहना था कि इस शहरी क्षेत्र में 75 डिसमिल जमीन मिलना काफी मुश्किल है। स्कूलों का कहना है कि जमीन नहीं होने के कारण ही मान्यता नहीं मिल पाती है।

अलकतरा घोटाले में पूर्व मंत्री इलियास समेत पांच को तीन साल की सजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/ पटना। सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश की न्यायालय, रांची ने आज बिटुमिन घोटाला मामले में बिहार सरकार के तत्कालीन सड़क निर्माण विभाग के मंत्री मोहम्मद इलियास हुसैन सहित पांच आरोपितों मोहम्मद शहाबुद्दीन बेग, अशोक अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल और विजय कुमार सिन्हा को प्रत्येक पर 32 लाख रुपये के जुर्माने के साथ तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। सीबीआई ने पटना उच्च न्यायालय के दिनांक 20.02.1997 के आदेश पर, हजारीबाग सदर पुलिस स्टेशन में दिनांक 07.10.1996 को शुरू में दर्ज मामले को अपने हाथ में लेते हुए, मोहम्मद इलियास हुसैन और अन्य के खिलाफ बिटुमिन घोटाला मामले में दिनांक 06.05.1997 को तत्काल मामला दर्ज किया था। यह आरोप लगाया गया था कि मुख्य आरोपी मोहम्मद इलियास हुसैन, तत्कालीन सड़क निर्माण विभाग, बिहार सरकार के मंत्री अन्य आरोपी व्यक्तियों के साथ आपराधिक साजिश में शामिल हुए थे और आईपीसी की धारा 120-बी, 407, 409, 420, 468, 471 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (2) सपठित 13 (1) (डी) के तहत अपराध किया था। मामला हल्दिया से आरसीडी हजारीबाग वाया बरौनी के रास्ते सड़क निर्माण के लिए बल्क बिटुमिन के परिवहन से संबंधित था। यह आरोप लगाया गया कि इस उद्देश्य के लिए कोई भी बिटुमेन परिवहन नहीं किया गया। ट्रांसपोर्टर ने कथित तौर पर हल्दिया से बिटुमिन उठाकर कोलकाता में खुले बाजार में बेच दिया और गलत तरीके से परिवहन शुल्क का दावा किया, जबकि बिटुमिन का बिलकुल भी परिवहन नहीं किया गया था। जांच के बाद, सीबीआई ने 31.03.2001 को आरोप पत्र दायर किया, जिसमें यह पता चला कि बिहार सरकार के तत्कालीन सड़क निर्माण विभाग के मंत्री मोहम्मद इलियास हुसैन ने अन्य सह-आरोपियों के साथ आपराधिक साजिश रची और बिहार सरकार द्वारा सड़क निर्माण के लिए खरीदे गए बिटुमिन के 27.6 लाख रुपये के गबन के लिए आईपीसी की धारा 120बी, 407, 409, 420, 468, 471 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(2) सपठित 13(1) (डी) के तहत अपराध किया। इस प्रकार, बिहार सरकार को 27.6 लाख रुपये का गलत नुकसान पहुंचाया गया और इसी के अनुरूप आरोपी व्यक्तियों को गलत लाभ हुआ।

रेलवे के राजस्व में बड़ी वृद्धि, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साझा किए आंकड़े

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने मालभाड़ा और यात्री सेवाओं से राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि पिछले चार वर्षों में मालभाड़ा राजस्व में 54,805 करोड़ और यात्री राजस्व में 20,024 करोड़ की वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में मालभाड़ा से रेलवे को 1.13 लाख करोड़ की आय हुई थी, जो 2023-24 में बढ़कर 1.68 लाख करोड़ हो गई। इस दौरान, विशेष रूप से महामारी के वर्षों के बावजूद, रेलवे ने माल ढुलाई को प्राथमिकता दी, जिससे राजस्व में लगातार इजाफा हुआ। महामारी के दौरान भी रेलवे ने मालभाड़ा सेवाओं को जारी रखा, जिससे राजस्व में स्थिरता बनी रही। रेल मंत्री के अनुसार, 2019-20 में यात्री राजस्व 50,669 करोड़ था, जो 2023-24 में बढ़कर 70,693 करोड़ हो गया। इस अवधि में फ्लेक्सी फेयर, तत्काल और प्रीमियम तत्काल से अर्जित राजस्व यात्री सेवा से कुल प्राप्त राजस्व का लगभग 5.7% रहा। भारतीय रेलवे वर्तमान में लगभग 79,000 कोचों का संचालन कर रहा है, जिसमें 70% कोच गैर-एसी श्रेणी के हैं और 30% कोच एसी श्रेणी के हैं। रेल मंत्री ने बताया कि भारतीय रेलवे यात्री सुविधाओं में सुधार और आधुनिक ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसके अलावा, गैर-एसी कोचों की कुल सीटों का हिस्सा लगभग 82% है, जबकि यात्री राजस्व में इनका योगदान 53% है। वहीं, एसी कोचों का कुल सीटों में हिस्सा 18% है, लेकिन यह कुल यात्री राजस्व का 47% योगदान देते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे को आत्मनिर्भर और आधुनिक बनाने के लिए सरकार बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर, नई ट्रेनों और डिजिटल टिकटिंग सिस्टम में सुधार से यात्रियों को अधिक सुविधाएं मिलेंगी। भारतीय रेलवे ने अपने मालभाड़ा और यात्री राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज कर यह साबित कर दिया है कि यह देश की आर्थिक धुरी के रूप में कार्य कर रहा है। आने वाले वर्षों में रेलवे के विस्तार और आधुनिकीकरण से यह वृद्धि और भी गति पकड़ने की उम्मीद है।



छत्तीसगढ़ के सुकमा में 17 नक्सलियों का इनकाउंटर

■ मरनेवालों में 11 महिलाएं शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और सीआरपीएफ के 500-600 जवानों ने 17 नक्सलियों को मार गिराया। इनमें 11 महिला नक्सली हैं। मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली में हुई। मारे गए नक्सलियों में नक्सल संगठन स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर जगदीश उर्फ बुधरा भी शामिल है। बुधरा पर 25 लाख का इनाम घोषित था। वह दरभा घाटी के झीरम कांड में शामिल था। 2013 में हुई इस वारदात में कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा समेत कई बड़े कांग्रेसी लीडर मारे गए थे। इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर समेत तीन नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने इस साल अब तक 100 नक्सलियों का एनकाउंटर किया है। इसमें 20 मार्च से 29 मार्च के बीच यानी 10 दिन में ही 49 नक्सली मारे गए हैं। डीआइजी कमलोचन कश्यप ने बताया कि 17 नक्सलियों के शवों के साथ इंसास, एसएलआर जैसे ऑटोमेटिक वेपंस भी बरामद किए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में कई बड़े कैडर्स भी हैं, जिनकी पहचान की जा रही है। मुठभेड़ में डीआजी के 3 और सीआरपीएफ का एक जवान भी घायल हुए। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। डीआइजी ने बताया कि ऑपरेशन खत्म हो चुका है। डीआरजी के जवान नक्सलियों के शवों को कंधे पर लादकर करीब 10 किलोमीटर पैदल चलकर जंगल से लौट आए हैं।



रिक्त एवं नवसृजित पदों पर तेजी से होगी बहाली : नीतीश कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित कार्यक्रम में 715 सहायक उर्दू अनुवादकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शना, फिरोज आलम, फातमा नूरी, अनु कुमारी, मासुम आलम, गुलशन फिरदौस, शाहिद रसी एवं राजकुमार आजाद को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित 50 सहायक उर्दू अनुवादकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया, शेष लोगों को जिलों में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने के पश्चात मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज बहुत खुशी की बात है कि 715 सहायक उर्दू अनुवादकों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। इनमें से 50 सहायक उर्दू अनुवादकों को यहां से नियुक्ति-पत्र दिया जा रहा है, शेष युवाओं को आज ही सभी जिलों में नियुक्ति-पत्र वितरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उर्दू अनुवादक, उर्दू निदेशालय के अंतर्गत कार्य करते हैं जो मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अधीन आता है। ये कर्मी जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरों के कार्यालयों में उर्दू लिखने-पढ़ने एवं उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले सहायक उर्दू अनुवादको के मात्र 449 पद थे जो जरूरत के हिसाब से काफी कम थे। वर्ष 2018 में 1,204 नये पद स्वीकृत किये गये।

विधायक ने 59 छात्र-छात्राओं को बांटा साइकिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

टुण्डी (धनबाद)। टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो आज शनिवार को टुण्डी के आधा दर्जन कार्यक्रमों में शामिल हुए। प्राप्त समाचार के अनुसार टुण्डी के कदमाअहरा बजरंगबली मंदिर से किनारे सामूहिक काली पूजा में अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय चुरूरियां में छात्र छात्राओं के बीच करीब 59 साइकिलों का वितरण करते हुए उपस्थित जनसमूहों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार का उद्देश्य है कि सभी बच्चे शिक्षित हो और एक अच्छे मुकाम हासिल करें इसके लिए सरकार बराबर इन बच्चों के बीच साइकिलों का वितरण कर शिक्षित बनने के लिए प्रेरित करती है इसके अलावा भूमि संरक्षण विभाग धनबाद के सौजन्य से पूर्वी टुंडी के कुरकुटांड कुंअर तालाब तथा खेशमी सुगा बांध में सरकारी तालाब का जीर्णोद्धार कार्य के लिए फीता काट कर एवं नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया एवं गेठीबेडा गांव में रोजेदारों के साथ इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। मौके पर उनके निजी सचिव बसंत महतो, मनोज महतो, ऐनुल अंसारी, गिरिलाल किस्कू, आनंद महतो, शत्रुघ्न मंडल, हकीमुद्दीन अंसारी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।



म्यांमार की मदद को आगे आया भारत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। शुक्रवार को आए भयंकर भूकंप ने म्यांमार को पूरी तरह से तबाह कर दिया। 1000 से अधिक लोगों की मौत हो गई, तो 2 हजार से अधिक लोग घायल हो गए। भूकंप से तबाह हो चुके म्यांमार की मदद के लिए भारत ने कदम बढ़ा दिया है। राहत और बचाव कार्य के लिए 80 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम को नेपीता के लिए रवाना कर दिया गया है। इसकी जानकारी विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने ट्वीट कर दी है। भारत ने म्यांमार की मदद के लिए जो अभियान चलाया है, उसका नाम 'ऑपरेशन ब्रह्मा' दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार में सेना के नेतृत्व वाली सरकार के प्रमुख मिन आंग हलाइंग से शनिवार को बात की। पीएम मोदी ने कहा, भारत उनके देश में आए भीषण भूकंप से मची तबाही से निपटने के प्रयासों में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, म्यांमार के सीनियर जनरल महामहिम मिन आंग हलाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में लोगों की मौत होने पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। भारत एक निकट मित्र और एक पड़ोसी के रूप में इस कठिन समय में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। मोदी ने कहा कि भारत 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत प्रभावित क्षेत्रों में आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, तलाश एवं बचाव दल भेज रहा है। इस ऑपरेशन के तहत म्यांमार को 15 टन राहत सामग्री पहले ही पहुंचाई जा चुकी है। एनडीआरएफ के डीजी पीयूष आनंद और एनडीआरएफ सेकेंड बटालियन के कमांडेंट गुरमिंदर सिंह ने बताया- राहत सामग्री भारतीय वायु सेना के सी130जे सैन्य परिवहन विमान के जरिए म्यांमार के यांगून शहर भेजी गयी है।

बिहार मैट्रिक परीक्षा में 82 फीसदी छात्र सफल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने शनिवार को मैट्रिक परीक्षा 2025 का रिजल्ट जारी किया। उनके साथ शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनन्द किशोर भी उपस्थित थे। इस दफा एक साथ तीन विद्यार्थियों ने मैट्रिक परीक्षा में टॉप किया है, जिसमें 2 छात्राएं और एक छात्र शामिल हैं। समस्तीपुर की साक्षी कुमारी, चंपारण की अंशु कुमारी और भोजपुर के रंजन कुमार ने मैट्रिक परीक्षा में फर्स्ट टॉपर बने हैं। तीनों के नंबर 489 रहे और परसेंटेज 97.80% रहा।

टॉप-10 में 123 विद्यार्थी

इस साल 10वीं के एग्जाम में करीब 15.85 लाख छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 12 लाख 79 हजार 294 विद्यार्थी पास हुए हैं। इस बार 10वीं का पासिंग परसेंट 82.11 फीसदी रहा। टॉप 10 में 123 छात्र हैं। टॉप 5 में 25 विद्यार्थी हैं। वहीं टॉप 6 से 10 तक 98 छात्र हैं। मैट्रिक परीक्षा में पहली रैंक लाने वाली साक्षी ने कहा- 'मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मेरी पहली रैंक है। इसके पीछे माता-पिता और भाई बहन का बड़ा योगदान था। टीचर्स ने भी मुझे बहुत मदद की। यह पहला पड़ाव है आगे और अच्छा करना है। भोजपुर जिले के अगिआंव बाजार के रंजन वर्मा ने पूरे बिहार में मैट्रिक परीक्षा में पहला रैंक हासिल किया है। साल 2003 में रंजन के पिता की ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई थी। रंजन अपने एक भाई रंजीत से छोटा है। मां शीला देवी गृहिणी हैं। रंजन ऑनलाइन पढ़ाई करता था। मैट्रिक परीक्षा में बेतिया की अंशु कुमारी ने भी टॉप किया है। अंशु बेतिया जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित गहरी गांव की रहने वाली हैं। वह एक गरीब परिवार से संबंध रखती हैं। दूसरे स्थान पर भी 3 छात्र हैं। इनमें भोजपुर के पुनीत कुमार सिंह, जमुई के सचिन कुमार राम और मुंगेर के प्रियांशु राज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। तीनों को 488 मार्क्स मिले हैं और पासिंग परसेंटेज 97.60 फीसदी रहा। तीसरे स्थान पर 5 विद्यार्थी हैं। इनमें बांका के मोहित कुमार, सूरज कुमार पांडेय, रोहतास की खुशी कुमारी, आजमनगर के प्रियांशु रंजन और जमुई के रोहित कुमार को दूसरी रैंक मिली है। सभी को 487 मार्क्स मिले हैं। इन पासिंग परसेंटेज 97.40 रहा।



FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

छपरा का होटल बना सेक्स रैकेट का अड्डा: होटल में तीसरी बार छापेमारी, हिरासत में 11 लोग

छपरा, एजेंसी। छपरा में बुधवार को भगवान बाजार थाना क्षेत्र के होटल राजपूत में रेड मारकर पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की छापेमारी के दौरान होटल राजपूत से 6 महिलाएं और 5 पुरुष सहित 11 लोगों को हिरासत में लिया था। होटल से सभी को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया था। मौके से कुछ आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए गए थे। पुलिस की कार्रवाई के दौरान होटल संचालक और मुख्य आरोपी अनिल कुमार साह फरार हो गया। पुलिस होटल के स्टाफ को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस फरार संचालक की तलाश में जुटी है।



विवादों से भरा है होटल राजपूत का इतिहास

छपरा के भगवान बाजार स्थित होटल राजपूत का इतिहास विवादों से भरा रहा है। होटल राजपूत में पुलिस ने तीसरी बार छापेमारी की है। 2018 में पहली छापेमारी के समय यह प्रभात रेस्ट हाउस के नाम से चलता था। तब पुलिस ने होटल को सील कर दिया था। हालांकि, छह महीने बाद न्यायालय के आदेश पर होटल का नाम बदलकर होटल राजपूत कर दिया गया और फिर से शुरू हो गया।

2020 में दूसरी छापेमारी में पांच युवक-युवतियों को हिरासत में लिया गया था। होटल पर कार्रवाई करते हुए फिर सील किया गया, लेकिन न्यायालय के आदेश के बाद यह फिर से खुल गया। अब तीसरे बाद 26 मार्च 2025 में छापा मारा गया। इस दौरान 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ग्राहकों के साथ होटल आती थी महिलाएं

पुलिस ने लड़कियों का पता और निजी जानकारी देने से मना किया है। लेकिन सभी महिलाएं और लड़कियां छपरा, बलिया, सारण और पटना की रहने वाली थी। वह अपने ग्राहकों के साथ आती थी और होटल उन्हें कमरा उपलब्ध कराता था। होटल के संपर्क में कई महिलाएं थी। ग्राहक के कॉल पर उन्हें बुलाया जाता था।

स्थायी रूप से होटल सील करने की तैयारी

होटल की बिल्डिंग सरोज सिंह की है। सुनील कुमार साह पिछले पांच साल से एग्रीमेंट के तहत होटल का संचालन कर रहा है। पिछली दो छापेमारी में होटल संचालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल से छूटने के बाद वह फिर से होटल चलाने लगता था। पुलिस अब होटल को स्थायी रूप से सील करने की कार्रवाई में जुटी है। साथ ही संचालक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

पुलिस ने बांड भराकर लड़कियों को छोड़ा

एसडीपीओ राजकिशोर सिंह ने बताया कि बहुत दिनों से सूचना मिल रही थी कि होटल में अवैध काम किया जा रहा है। इसके बाद भगवान बाजार थाना की पुलिस ने टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी में पकड़ी गई लड़कियों और महिलाओं को विक्टिम समझ कर उनके गार्जियन को बुलाकर पीआर बांड भराया गया और छोड़ दिया गया है। इस होटल में दूसरी या तीसरी बार इस तरह की घटना घटित हुई है। इसे लेकर हम लोग एक प्रतिवेदन एसडीएम साहब को दे रहे हैं। ताकि होटल स्थाई रूप से सील हो सके। 2018 और 2020 में भी इस पर कार्रवाई हुआ था, लेकिन होटल सील नहीं हो सका था। इस बार हम लोग स्थाई तौर पर होटल सील करने की कार्रवाई कर रहे हैं। मुख्य अभियुक्त सुनील कुमार शाह की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई चल रही है।

सक्त कार्रवाई, फिर भी नहीं थम रहे अवैध धंधे

छपरा जंक्शन का क्षेत्र होने के चलते यहां गलत धंधा फल फूल रहा है। पुलिस सूचना के आधार पर की गई रेड में अलग-अलग होटलों से देह व्यापार के मामले सामने आते रहे हैं। पुलिस ने कई होटलों पर कार्रवाई की है। लेकिन जेल से छूटने के बाद संचालक होटल का नाम बदलकर फिर अवैध व्यापार शुरू कर देते हैं।

बिहार में शिक्षक गिरफ्तार, 8 साल के छात्र से किया अप्राकृतिक यौनाचार

गया, एजेंसी। बिहार के गया में गुरु की गरिमा को एक शिक्षक ने तार-तार कर दिया है. शिक्षक ने 8 वर्षीय अपने विद्यालय के एक छात्र को स्कूल की छुट्टी के बाद बहला- फुसलाकर अपने कार्यालय में बुलाया. फिर डरा धमकाकर बालक के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया. इस तरह का सनसनीखेज मामला सामने आते ही पुलिस की टीम हरकत में आई. आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है. इस मामले को सुनकर पुलिस भी हैरान रह गई है।

छात्र से अप्राकृतिक यौनाचार: गुरारू थाना क्षेत्र अंतर्गत एक प्राथमिक विद्यालय के छात्र के साथ शिक्षक ने अप्राकृतिक यौनाचार किया. लोकलाज के भय से पहले पीड़ित परिवार के लोगों ने इस मामले को दबाया. किंतु फिर निर्णय लिया कि इस तरह की शर्मसार घटना करने वाले शिक्षक को उसकी सजा मिलनी चाहिए. इसके बाद परिवार के लोग गुरारू थाना को पहुंचे और लिखित शिकायत की. शिकायत मिलने के बाद गुरारू थाने में इसकी प्राथमिकी दर्ज कर ली गई।

हरकत में आई पुलिस, किया गिरफ्तार: वहीं, गुरारू थाना की पुलिस केस दर्ज करने के बाद हरकत में आई और फिर छापेमारी कर शुक्रवार की अहले सुबह को आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है. गुरारू इलाके से ही शिक्षक की गिरफ्तारी हुई. आरोपित शिक्षक की गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है. गिरफ्तार शिक्षक परैया थाना क्षेत्र का रहने वाला है.

संक्षिप्त समाचार

हाईवोल्टेज तार की चपेट में आने से जिंदा जला किसान, मौत

■ बेतिया में खेत की सिंचाई के लिए गए थे, तार को समेटने के दौरान हुआ हादसा

बेतिया, एजेंसी। बेतिया के मझौलिया थाना क्षेत्र के बरवां गांव में एक किसान की हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने 40 वर्षीय किसान की मौत हो गई है। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है। मृतक की पहचान मनोहर भगत के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि घटना तब हुई जब वो अपने गन्ने के खेत में सिंचाई कर रहे थे। वहीं सिंचाई के बाद जब वे तार को समेट रहे थे, तभी 11 हजार वोल्ट के बिजली के तार की चपेट में आ गए। करंट लगने से मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को देखा जा सकता है। जिसमें मनोहर भगत की लाश पूरी तरह से जल चुकी है। हालांकि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वही पुलिस मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष विश्व मोहन चौधरी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तब-तक किसान कि मौत हो चुकी थी। मामले में परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर आगे कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

रिहायशी इलाके से 12 फीट लंबे अजगर का रेस्क्यू

■ वाल्मीकिनगर से वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा



बेतिया , एजेंसी। गर्मी शुरू होने के साथ ही जंगली जानवरों का रिहायशी इलाकों में घुसने का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को वाल्मीकिनगर स्थित जल संसाधन विभाग की ई-टाइप कॉलोनी में एक विशाल अजगर घुस आया, जिससे स्थानीय निवासियों में हड़कंप मच गया। वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए अजगर का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया और उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। बताया जा रहा है कि अजगर तकरीबन 12 फीट लंबा और 60 किलो का था। शुक्रवार को कॉलोनीवासियों ने सड़क पर एक विशाल अजगर को रेंगते देखा। पहले तो लोगों ने उसे जंगल की ओर भगाने की कोशिश की, लेकिन अजगर पलटकर समीप के शिक्षक हरिनारायण प्रसाद के घर में घुस गया। अजगर के घर में घुसते ही स्थानीय लोग डर गए और वहां भारी भीड़ जुट गई। स्थिति को देखते हुए तुरंत वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर वनपाल आशीष कुमार के निर्देशन में वनरक्षी ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम में धर्मेंद्र कुमार, गजेंद्र कुमार, नीरज कुमार और सन्नी खान शामिल थे। मौके पर पहुंचकर टीम ने अजगर को पकड़ने के लिए जुट गए। काफी मशक्कत के बाद अजगर को घर के छत के बीम से सुरक्षित निकाल लिया गया।

रेस्क्यू के बाद जंगल में छोड़ा गया अजगर : वन क्षेत्र पदाधिकारी (रेंजर) श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि गर्मी बढ़ते ही जंगली जानवर भोजन और ठंडी जगह की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर चले आते हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग की टीम ने अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के जटाशंकर जंगल में छोड़ दिया है। वन विभाग ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि अगर वे किसी जंगली जानवर को रिहायशी इलाके में देखें तो घबराने के बजाय तुरंत वन विभाग को सूचना दें।



केंद्र की राजनीति में नहीं रहना चाहते चिराग पासवान 2030 के विधानसभा चुनाव से पहले लौटेंगे बिहार

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आर) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि उनकी केंद्र की राजनीति में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है। उनकी प्राथमिकता बिहार है। वे केंद्रीय राजनीति से वापस बिहार लौटेंगे। चिराग ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वे खुद इस साल होने वाला बिहार विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगे। राज्य का मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह भविष्य पर निर्भर करेगा। हालांकि, चिराग ने कहा कि वह 2030 के विधानसभा चुनाव से पहले बिहार लौट जाएंगे। टाइम्स नाउ समिट में बोलते हुए चिराग पासवान ने कहा कि उनकी राजनीति में बिहार हमेशा से प्राथमकिता में रहा है। उनकी राजनीति नींव बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट पर टिकी हुई है। चिराग ने कहा, मेरे पिता दिवंगत रामविलास पासवान की केंद्र की राजनीति में ज्यादा सक्रियता रही थी। लेकिन मेरी प्राथमिकता बिहार है। मैं ज्यादा समय तक केंद्र में नहीं रहना चाहता। मेरा प्रदेश मुझे बुला रहा है। उन्होंने कहा कि वह 2030 का बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर लगातार उठ रहे सवालों पर बोलते हुए चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष इन बातों को मुद्दा बना रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्षी नेता नीतीश पर व्यक्तिगत आरोप लगाकर उनके स्वास्थ्य को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर आप राजनीति में हैं तो नीतियों पर ध्यान होना चाहिए, न कि किसी के स्वास्थ्य पर व्यक्तिगत टिप्पणी करनी चाहिए। चिराग पासवान ने प्रशांत किशोर को दोस्त और तेजस्वी एवं तेज प्रताप यादव को अपना भाई बताया। तेजस्वी यादव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भले ही मेरे भाई जैसे हैं, लेकिन राजनीतिक मतभेद हैं। यह अभी से नहीं बल्कि मेरी राजनीति की शुरुआत से है।

रोहतास में 25 फीट नीचे नहर में गिरी कार

रोहतास, एजेंसी। बिहार के रोहतास में कार सवार चार लोगों को सीधे मौत से सामना हो गया. दरअसल इंद्रपुरी थाने क्षेत्र के भैंसहा पुल से जा रही एक अनियंत्रित कार तकरीबन 20 से 25 फीट नहर में गिर गई. हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि, कार सवार चार लोग डेहरी से मीठापुर जा रहे थे. तभी कार अनियंत्रित होकर कर 25 फीट नीचे नहर में जा गिरी. इसी दरमियान ग्रामीणों ने देखा तो आस पास के लोगों को बुलाया। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी कार सवार जिसमें एक महिला, दो पुरूष तथा एक नाबालिग को किसी तरह पानी से बाहर निकाला गया.

फिलहाल सबसे बड़ी बात यह रही कि सभी कार सवार लोग बाल-बाल बच गए तथा सुरक्षित हैं। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से नहर में से कार को बाहर निकलवाया और घटना की जांच कर रही है. वहीं इस हादसे के बाद लोगों का गुस्सा स्थानीय विधायक व सांसद पर फूट पड़ा. लोगों ने इस हादसे के लिए स्थानीय काराकाट सांसद राजाराम तथा डेहरी के विधायक फतेह बहादुर को जिम्मेदार ठहराया।

बीपीएससी परीक्षार्थियों को झटका, 70वीं प्रिलिम्स की परीक्षा दोबारा नहीं होगी, पटना हाईकोर्ट का फैसला

पटना, एजेंसी। आज पटना हाईकोर्ट ने 70वीं बीपीएससी सिविल प्रारंभिक परीक्षा की पुनः मांग करने वाले उम्मीदवारों को बड़ा झटका दिया. पटना हाईकोर्ट ने 70वीं बीपीएससी सिविल प्रारंभिक परीक्षा पुनः कराये जाने सम्बन्धी याचिकायों को खारिज करते हुए राज्य सरकार और बीपीएससी को बड़ी राहत दी।

बीपीएससी परीक्षार्थियों को झटका : पप्पू कुमार व अन्य की याचिकाओं पर एक्टिंग चीफ जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने इस सम्बन्ध में दायर जनहित याचिका सहित सभी याचिकायों पर सुनवाई पूरी कर निर्णय सुरक्षित रखा था. जिस पर आज कोर्ट ने ये फैसला दिया. ये उन उम्मीदवारों के लिए काफी बड़ा झटका हैं, जिन्होंने 70वीं बीपीएससी सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा रद्द कर पुनः प्रारंभिक परीक्षा कराये जाने की मांग की थी।

सरकार और बीपीएससी को सुझाव : कोर्ट ने अपने निर्णय में राज्य सरकार व बीपीएससी को परीक्षा संचालित करने के लिए कई सुझाव दिया है. कोर्ट ने उन्हें एक स्थायी समिति गठित करने को कहा है, जो इन परीक्षाओं की प्रक्रिया पर



नजर रखेगा. साथ ही कोर्ट ने ये भी कहा है कि ये परीक्षाएं साफ सुथरे व निष्पक्ष तरीके से हो, ये बहुत सख्ती से सुनिश्चित किया जाये. साथ ही ऐसी व्यवस्था हो, जिसमें आम परीक्षार्थियों को परेशानी नहीं हो. असामाजिक तत्वों को अलग रखा जाये, ताकि वे कोई गड़बड़ी नहीं कर सके।

सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे-गुरु रहमान : वहीं फैसला आने के बाद शिक्षाविद् गुरु रहमान ने कहा कि वे लोग इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगे. दरवाजे अभी खुले हुए हैं. गुरु रहमान का कहना है कि हम लोग किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे।

छात्रों का आंदोलन बना राजनीतिक मुद्दा : बीपीएससी अभ्यार्थियों का मुद्दा राजनीतिक मुद्दा बन गया था. छात्रों क्या, आंदोलन को राजनीतिक दलों का भी समर्थन हासिल था. तेजस्वी याद,व पप्पू यादव और प्रशांत किशोर छात्रों के साथ मजबूती से खड़े थे. यही नहीं खान सर, गुरु रहमान भी छात्रों के साथ नजर आ रहे थे।

बीपीएससी द्वारा रिजल्ट किया गया था प्रकाशित : छात्रों के आंदोलन से निपटने के लिए पुलिस को कई बार बल प्रयोग भी करना पड़ा था. सड़क से लेकर सदन तक इस मुद्दे को लेकर हंगामा हुआ था. हंगामे के दौरान ही बिहार लोक सेवा आयोग ने रिजल्ट भी प्रकाशित कर दिया था।

क्या है पूरा मामला : आपको बता दें कि 13 दिसंबर को जब अपने तय समय पर बीपीएससी की परीक्षा हो रही थी, तो पटना के बापू परीक्षा परिसर में कुछ समस्याएं हुईं. दरअसल अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र मिलने में थोड़ी देरी हुई, इसको लेकर सेंटर पर हंगामा हो गया.

स्मैक बेच खरीदे थे जमीन और मकान, सब होगा जब्त; बिहार के इस शहर में ड्रग्स माफिया पर बड़ी कार्रवाई

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफफ्फरपुर में चर्चित स्मैक माफिया मनोज साह की संपत्ति जब्त होगी। नगर डीएसपी सीमा देवी के निर्देश पर नगर थाने की पुलिस उसकी संपत्ति की जानकारी जुटा रही है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि मनोज साह ने स्मैक के धंधे से अकूत संपत्ति बनाई है। रेड लाइट एरिया के अलावा शहर के कई इलाकों में उसका प्लॉट और घर है। फिलहाल पुलिस इस संबंध में गोपनीय तरीके से जांच कर जानकारी जुटा रही है। इसके बाद उसकी संपति को जब्त करने की कवायद की जाएगी। पुलिस अगर यह कार्रवाई करने में सफल रही तो ड्रग्स माफिया को बड़ी चुनौती मिलेगी। नगर थाने की पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान बीते पांच फरवरी को स्मैक माफिया मनोज साह को गिरफ्तार किया था। उससे



पूछताछ के बाद पुलिस टीम मनोज को साथ में लेकर रवि गुप्ता और अशोक गुप्ता के ठिकाने पर छापेमारी की थी। छापेमारी में अशोक गुप्ता गिरफ्तार हुआ व भारी मात्रा में स्मैक जब्त किया गया था। पुलिस को दोनों से पूछताछ में कई अहम जानकारी मिली जिसके आधार पर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है। मनोज और अशोक को साथ में लेकर पुलिस टीम देर रात में थाने लौट रही थी। इसी दौरान मौका पाकर मनोज गुप्ता ने पुलिस गाड़ी में महिला दारोगा की पिस्टल झपट ली और गाड़ी से कूद गया। उसे रुकने के लिए चेतावनी दी गई तो उसने महिला दारोगा से छीनी गई पिस्टल से फायरिंग कर दी थी। गोली पुलिस की गाड़ी के बोनट पर लगी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें मनोज गुप्ता के पैर में गोली लगी। इसके बाद उसे एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद मनोज गुप्ता को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। मनोज का करीबी रवि गुप्ता फरार चल रहा है। उसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है

फसल की सुरक्षा को लेकर चलाया कांबिंग ऑपरेशन

भागलपुर, एजेंसी। गोपालपुर, इस्माईलपुर प्रखंड के किसानों की फसल की सुरक्षा के लिए नवगछिया पुलिस जिला के पुलिस पदाधिकारी जागरूक हैं। फसल की तैयारी होने के साथ पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह तैयार है। इस्माईलपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्र में एसटीएफ और घुड़सवार दस्ता के माध्यम से छापेमारी की गई और किसानों से दियारा में अपराधियों के द्वारा नुकसान पहुंचाने को लेकर के जानकारी ली गई। इस कांबिंग ऑपरेशन का नेतृत्व इस्माईलपुर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर धीरज कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि एसटीएफ के माध्यम से गंगा पार द्वारा विनोबा बासगड़ा सहित कमला कुंड आदि द्वारा नदी पार करके पहुंचे। जहां पर मक्का, परवल आदि की फसल लगी हुई है। किसानों से होने वाली परेशानी को लेकर भी जानकारी लिया। इस मौके पर इस्माईलपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी और एसटीएफ जवान मौजूद थे।

रंग-संगम राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव, कलाकारों ने गंगा स्नान में दिखाया परिवार का सम्मान



माता-पिता की सेवा से बढ़कर दुनियां में कुछ नहीं

बेगूसराय, एजेंसी। मध्य विद्यालय बीहट के मंच पर आकाश गंगा रंग चौपाल एसोसिएशन की ओर से आयोजित राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव रंग-संगम के पहले दिन आयोजक टीम के कलाकारों ने गणेश कुमार के निर्देशन में नाटक गंगा स्नान की भव्य प्रस्तुति दी। भिखारी ठाकुर की अमर कीर्ति गंगा स्नान नाटक में संगीत ने लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। गंगा स्नान नाटक के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया गया कि माता-पिता की सेवा से बढ़कर दुनियां में कुछ भी नहीं है। वही परिवार सुखी रहता है जो अपने बुजुर्गों का सम्मान करता है, उनका आदर करता है। नाटक के कई दृश्य देखकर दर्शकों की आंखों से आंसू निकल पड़े। मंचन में अनुभवी कलाकारों की प्रतिभा स्पष्ट रूप से झलक रही थी।

उपेक्षित बुजुर्गों और ठग धर्माचार्यों को मुद्दा बनाया : नाटक में भिखारी ठाकुर ने आज के परिवार में उपेक्षित बुजुर्गों और ठग धर्माचार्यों को मुद्दा बनाया है। मां के चरित्र में आंचल कुमारी, मुख्य चरित्र मलेछू की भूमिका में बलिराम बिहारी ने दर्शकों को रंगमंच के अपने अनुभवों से मंत्रमुग्ध किया। मलेछू की भूमिका में युवा रंगकर्मी साक्षी कुमारी ने दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी। मां का इनर वाह्य रूप में अंजली कुमारी, दोस्त एवं चेला राजू कुमार, साधु महात्मा में अंकित राज और कोरस में अंजलि, निधि, नैना, खुशी, अभिलाषा, पल्लवी, प्रियदर्शनी, अनिमेष, निखिल, लाल बिहारी, महेश की भूमिका रही। संगीत पर मुख्य स्वर पर आनंद कुमार एवं अंजली कुमारी, ढ़ोलक पर दिनेश दीवाना, तबला पर संतोष कुमार, नगाड़ा राजीव पासवान और प्रकाश परिकल्पना रवि वर्मा का था।

इन्होंने किया उद्घाटन

नाट्य महोत्सव-सह-राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन पद्मश्री सुधा वर्गीज, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त संजय उपाध्याय, मेयर पिंकी देवी, पूर्व मेयर संजय कुमार, पूर्व एमएलसी भूमिपाल राय, एसबीएसएस कॉलेज के प्रिंसिपल अवधेश कुमार सिंह, डॉ. शशिकांत पांडेय, शिक्षाविद शिवप्रकाश भारद्वाज, लोककवि सचिदानन्द पाठक, बिहार इप्टा के अध्यक्ष अमरनाथ सिंह, एनटीपीसी के डीएस कुमार एवं कला समीक्षक सुमन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

शारदा सिन्हा को श्रद्धांजलि दी गई

इस अवसर पर आकाश गंगा रंग चौपाल द्वारा बरौनी की ओर से आरटी राजन राष्ट्रीय रंग सम्मान 2025 से वरिष्ठ रंगकर्मी संजय उपाध्याय को सम्मानित किया गया। वहीं, शंभू साह स्मृति रंग कीर्ति सम्मान लोक कवि सचिदानन्द पाठक तथा कीर्तन सम्राट बिंदेश्वरी सिंह लोक सम्मान लक्ष्मी प्रसाद यादव को दिया गया। इस अवसर पर स्व. कोकिला शारदा सिन्हा को श्रद्धांजलि भी दी गई।

ये रहे मौजूद

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता अमर ज्योति, स्वागत भाषण गणेश कुमार एवं संचालन डॉ. कुंदन कुमार ने किया। इस अवसर पर बीहट नगर परिषद के उपमुख्य पार्षद ऋषिकेश कुमार, समाजिक कार्यकर्ता निलेश सिंह डिया, संजय कुमार ललन, श्याम नंदन सिंह पन्नालाल, मनीष कुमार एवं अंकित कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

समृद्ध भारत की बुलंद तस्वीर: नया पांबन ब्रिज

'राष्ट्र सेवा' को मंत्र मानकर माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपनी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता, अटूट संकल्प और दूरदर्शी सोच द्वारा भारत की आधारभूत संरचना को एक नए शिखर पर पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री जी की कर्मठता, अदम्य इच्छाशक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना ने हर ऐतिहासिक सपने को साकार किया है। उनके नेतृत्व में, आज भारतीय रेल भी विकास के आसमान में ऊंची उड़ान भर रही है। आए दिन नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रेलवे समृद्ध भारत के सफर में अपनी समुचित भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। तमिलनाडु के विशाल नीले समंदर पर निर्मित नया पांबन ब्रिज भी रेलवे विस्तार और इंजीनियरिंग कौशल की वो तस्वीर है जिसे देखकर हर भारतवासी को गर्व की अनुभूती होगी। यह भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज है, जो समुद्र के ऊपर से गुजरते हुए रामेश्वरम द्वीप को तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। यह पुल केवल दो स्थानों को जोड़ने का माध्यम ही नहीं, बल्कि नई तकनीक, आत्मनिर्भर भारत और तेज गति परिवहन का भी प्रतीक है। नए पांबन ब्रिज की अनूठी लिफ्ट प्रणाली बड़े जहाजों को भी आसानी से गुजरने की अनुमति देती है। मन्नार की खाड़ी पर स्थित यह पुल यातायात को सुगम बनाने के साथ अपने आप में एक ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व भी रखता है। आधुनिक तकनीक से निर्मित यह पुल भारतीय रेलवे के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिससे आने वाले समय में समुद्री मार्गों पर निर्भर पर्यटन और व्यापार को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

परिवहन के नए युग की ओर

भारत का पहला समुद्री पुल पांबन ब्रिज का निर्माण 1911 में शुरू और 1914 में इसे यातायात के लिए खोल दिया गया था। तब यह भारत का एकमात्र समुद्री पुल था जो सन् 2010 में बान्द्रा-वर्ली समुद्रसेतु के खुलने तक भारत का सबसे लम्बा समुद्री सेतु रहा। अपनी सेवा समय के दौरान इस ब्रिज ने कई विकट परिस्थितियां देखी और उनका डटकर सामना किया।

1964 में आए एक चक्रवाती तूफान ने इस पुल को बहुत नुकसान पहुंचाया था बावजूद इसके ये समुद्र की लहरों के बीच अडिग खड़ा रहा और लगभग 106 साल तक देशहित में समर्पित रहा। 21वीं सदी और बदलते भारत की परिवहन आवश्यकताओं ने पुराने पांबन ब्रिज के समक्ष कई तरह की नई चुनौतियाँ रख दी थीं। जिसे देखते हुए आधुनिक ट्रेनों और बड़े समुद्री जहाजों की आवश्यकताओं के अनुरूप एक नई संरचना की जरूरत महसूस की गई। इस जरूरत को पूरा करने के लिए 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इस नए ब्रिज के निर्माण की आधारशिला रखी गई। नवाचार का जूनून और विकास की अभूतपूर्व गति के कारण मात्र 4 साल में समुद्र पर इस अद्भुत निर्माण को पूरा कर लिया गया।

पांबन ब्रिज की विशेषताएँ

2.08 किलोमीटर का ये भव्य संरचना पुराने पांबन ब्रिज से 3 मीटर अधिक ऊँचा बनाया गया है, ताकि छोटे जहाज सुगमता के साथ इसके नीचे से होकर गुजर सकें। इस पूरे ब्रिज को बनाने में 18.3 मीटर के 99 स्पैन का प्रयोग किया गया है साथ ही ब्रिज के मध्य में 72.5 मीटर का एक वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जिसे जरूरत पड़ने पर बड़े जहाजों के लिए 17 मीटर तक ऊपर उठाया जा सकता है। इस ब्रिज में 333 पाइल्स और 101 पाइल कैप्स का इस्तेमाल कर मजबूत आधार के साथ दोहरी रेल लाइनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। जिसपर भारी-भरकम मालगाड़ियों के साथ वंदे भारत जैसी तेज गति से चलने वाली अत्याधुनिक सेमी-हाई स्पीड ट्रेनें भी बड़े ही आसानी से गुजर सकती है। साथ ही इसकी सतह को 58 वर्षों तक सुरक्षित रखने के लिए उत्कृष्ट सुरक्षा प्रणाली अपनाई गई है। इस ब्रिज के निर्माण के दौरान समुद्री तूफानों, तेज़ हवाओं और ज्वार-भाटाओं जैसी परिस्थितियों का भी खास ध्यान रखा गया है। पॉलिसिलोक्सेन पेंट, स्टेनलेस स्टील और फाइबर रिइंफोर्स्ड प्लास्टिक (FRP) के प्रयोग ने समुद्र के खारा पानी के बीच होते हुए भी इसे लंबे समय तक मजबूत और टिकाऊ बनाए रखेगा।



निर्माण की उपलब्धियाँ

यह ब्रिज पुराने पुल की तुलना में अधिक टिकाऊ और अत्याधुनिक तकनीकों से बनाया गया है। इसका सब-स्ट्रक्चर भी तय समय सीमा से पहले ही पूरा कर लिया गया था, जो इसकी मजबूती को सुनिश्चित करता है। सटीक और अद्भुत इंजीनियरिंग के तहत इस पुल के लिए 99 स्पैन को एकल लाइन हेतु निर्मित कर उत्कृष्टता के साथ स्थापित किया गया है। इसकी निर्माण तकनीक और डिज़ाइन इसे केवल दक्षिण भारत में ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण संरचना बनाते हैं।

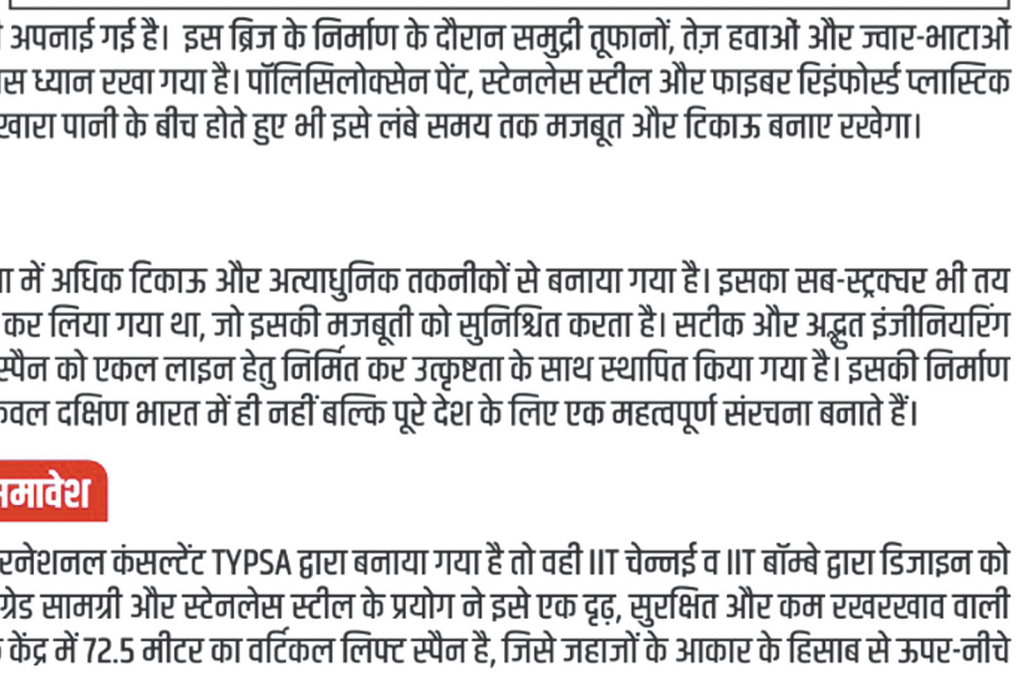
डिजाइन में तकनीकी का समावेश

इस पुल का डिजाइन जहां इंटरनेशनल कंसल्टेंट TYPSA द्वारा बनाया गया है तो वही IIT चेन्नई व IIT बॉम्बे द्वारा डिजाइन को सत्यापित किया गया है। उच्च ग्रेड सामग्री और स्टेनलेस स्टील के प्रयोग ने इसे एक दृढ़, सुरक्षित और कम रखरखाव वाली संरचना बना दिया है। ब्रिज के केंद्र में 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जिसे जहाजों के आकार के हिसाब से ऊपर-नीचे किया जा सकता है।

आस्था और प्रगति का संगम

पांबन ब्रिज का भगवान राम और भगवान शिव के साथ भी सीधा संबंध है। ये ब्रिज जिस द्वीप रामेश्वरम को मुख्य भूमि से जोड़ता है, उसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। यहां स्थित रामेश्वरम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि जब भगवान श्रीराम लंका पर चढ़ाई करने जा रहे थे, तब उन्होंने इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी और भगवान शिव की पूजा की थी। पांबन ब्रिज से होकर गुजरने वाला मार्ग भगवान राम की लंका यात्रा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है, जिससे यह धार्मिक रूप से और भी विशेष हो जाता है। रामायण के अनुसार, भगवान राम और उनकी वानर सेना ने लंका जाने के लिए रामसेतु का निर्माण किया था, जो वर्तमान पांबन ब्रिज के पास स्थित है।

ऐसे में नया पांबन ब्रिज श्रद्धालुओं के लिए रामेश्वरम की यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाएगा। यह पुल आधुनिक तकनीक से निर्मित है, जिससे श्रद्धालु बिना किसी बाधा के भगवान शिव और भगवान राम से जुड़े स्थलों के दर्शन कर सकते हैं।





एक गौरवशाली उपलब्धि

नया पांबन ब्रिज भारत की नवाचार क्षमता, अद्वितीय इंजीनियरिंग कौशल और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान का एक अद्भुत प्रतीक है। साथ ही भारत की तकनीकी प्रगति, आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता का भी जीवंत प्रमाण है। यह ब्रिज समुद्र की लहरों के ऊपर दृढ़ संकल्प की तरह खड़ा है, जो दो स्थानों को पाटने के साथ-साथ भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति और भविष्य की असीम संभावनाओं को भी दर्शाता है।

6 अप्रैल 2025 को राम नवमी के अवसर पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। जिसके बाद यातायात और परिवहन को सुगम बनाते हुए यह ब्रिज पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक संवाद को नया आयाम देगा, जिससे भारत की प्रगति और समृद्धि को और अधिक गति मिलेगी।



Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 29-03-2025 22:14 Page 1

छात्र संघ का चुनाव संपन्न

- चप्पे-चप्पे पर तैनात की गयी थी पुलिस
- 19059 में से 8625 ने किया मतदान
- सोशल मीडिया पर भी रही प्रशासन की नजर



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के लिए वोटिंग शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हो गई। दोपहर दो बजे तक वोटिंग चलीं। सभी कॉलेजों को मिलाकर 42 बूथ बनाए गए थे हैं। दोपहर पटना विश्वविद्यालय के 19059 में से 8625 स्टूडेंट्स ने मतदान किया। दोपहर एक बजे तक 42.62 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें सबसे ज्यादा वोट साइंस कॉलेज में पड़े। यहां 58.73 प्रतिशत मतदान हुआ है। पटना विवि चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर चुनाव हो रहे हैं।

अध्यक्ष पद पर अभाविप से मैथिली मृणालिनी, एनएसयूआई से मनोरंजन राजा, एआईएसए से विश्वजीत, दिशा से ऋतिक रोशन, एआईडीएसओ से लक्ष्मी कुमारी और छात्र राजद से प्रियंका कुमारी चुनाव लड़ रही हैं। चुनाव पदाधिकारी प्रो. डॉ. राजनीश कुमार ने कहा कि चुनाव की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है। बैलेट बॉक्स सभी बूथों पर ससमय भेज दिए गए थे। चुनाव की ट्रेनिंग भी अधिकारियों और कर्मचारियों को दे दी गई हैं। शांतिपूर्ण चुनाव के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को पत्र भेज दिया गया है। सभी बूथों पर ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं।

इधर, चुनाव के दौरान कहीं भी गड़बड़ी न हो, इसके लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती की गई है। पीयू प्रशासन ने पहले ही पटना पुलिस को इसके लिए पत्र लिखा था। मतदान से लेकर मतगणना तक पटना पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है। इधर, मगध महिला कॉलेज में पत्रकार के साथ मारपीट मामले में पांच की गिरफ्तारी हो चुकी है।

छात्र संघ चुनाव की मतगणना पटना आर्ट कॉलेज में होगी। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। शनिवार शाम चार बजे से मतगणना शुरू होगी। कॉलेज के 200 मीटर के दायरे में अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की गई है। पटना पुलिस ने पहले ही स्पष्ट कहा कि कोई भी छात्र उपद्रव करते पाए गए तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कारकाट के थानाध्यक्ष हुए लाइन हाजिर

डिहरी आन सोन। कारकाट थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी का बालू ढुलाई को लेकर एक लेन देन संबंधी बातचीत का वीडियो प्रसारित होने के बाद एसपी रौशन कुमार ने उन्हें लाइन हाजिर कर दिया है।

उनकी जगह पर भागीरथी कुमार को नया थानाध्यक्ष बनाया है। शुक्रवार को ही वीडियो प्रसारित होने के बाद एसपी ने इस कार्रवाई की जानकारी दी। हालांकि इस प्रसारित वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। शनिवार को नए थानाध्यक्ष ने पदभार भी ग्रहण कर लिया।

कारकाट थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी का बालू माफिया से कितने में डील हुई है। इस मामले में कुछ लोगों से बात करते हुए एक वीडियो प्रसारित हो रहा है।

इसके बाद एसपी रौशन कुमार द्वारा थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर उक्त वीडियो की जांच की बात कही है। प्रसारित वीडियो में थानाध्यक्ष बालू वाले ट्रैक्टर को अपने थाना क्षेत्र में चलने देने को लेकर पैसे की लेनदेन की बात कर रहे हैं।

एसपी ने कहा कि मामला संज्ञान में आते ही थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर किया गया है।

साक्षी बनी स्टेट टॉपर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर/शिवाजीनगर। बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा में साक्षी कुमारी, अंशु कुमारी और रंजन वर्मा ने टॉप किया है। इन तीनों स्टूडेंट्स ने 97.8% अंकों के साथ प्रदेश में टॉप किया है।

परीक्षा में 82 फीसदी से ज्यादा छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं। समस्तीपुर की साक्षी कुमारी को बिहार में प्रथम स्थान मिला है। साक्षी कुमारी ने 489 अंक प्राप्त किया है। साक्षी की इस सफलता के बाद उनके घर पर मीडिया कर्मियों की लाइन लग गई।

पत्रकारों ने साक्षी से पूछा कि आप आगे चलकर क्या करना चाहती हैं, तब साक्षी ने कहा कि अभी आगे चलकर 12वें ठीक से पास करना है। उसके बाद ऊंचे से ऊंचे पद को प्राप्त करने की कोशिश करेंगी।

पत्रकार ने कहा कि अभी आपने कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है तो साक्षी ने कहा कि आगे बड़ा से बड़ा पद हासिल करना चाहेंगी। आगे चलकर आईएएस की तैयारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी तो सब यही कह रहे हैं, लेकिन आगे देखा जाएगा।

साक्षी ने कहा कि उन्होंने कहीं कोचिंग नहीं की, जबकि परीक्षा की तैयारी में ऑनलाइन मदद ली। साक्षी ने कहा कि मेरे माता-पिता ने मेरा मार्गदर्शन किया। साक्षी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को दिया है।

साक्षी बेहद सामान्य परिवार से आती हैं। साक्षी के पिता बढ़ई हैं, जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

साक्षी समस्तीपुर के विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत जोगिया गांव की रहने वाली हैं। साक्षी जेपीएनस उच्च विद्यालय नरहन की छात्रा है, उसका नाम टॉपर लिस्ट में सर्वप्रथम आने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है।

शिवाजीनगर से संवाददाता के अनुसार प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय करियन की छात्रा श्रीजा कुमारी ने 426 अंक, सचिन कुमार मिश्रा 419 अंक,अनामिका झा 434 अंक, निधि कुमारी 430 अंक ,सीमा कुमारी 421 अंक, अंकित कुमार 430 अंक, ज्योति कुमारी 406 अंक, रामप्रवेश कुमार 420 अंक, कौशिक रंजन झा 420, सुमन लता 406 अंक,नंदनी कुमारी 400 अंक,प्रिंस कुमार 422 अंक, सुजीत कुमार यादव 405 अंक, करियन गांव निवासी काव्य कुमारी 450 अंक,उत्क्रमित हाई स्कूल जंदाहा के छात्र नवनीत कुमारी 468, उच्च विद्यालय रानी पड़ती के छात्र रिधे कुमार 446 अंक,राहुल कुमार 401 अंक, उत्क्रमित माध्यमिक उच्च विद्यालय शंकरपुर राधा कुमारी 465 अंक, उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय परसा के आलोक कुमार 433 आदित्य राज 474, उच्च माध्यमिक विद्यालय रहियार उत्तर अजित कुमार 413, स्वाति कुमारी 470 अंक, प्लस टू उच्च विद्यालय शिवाजीनगर की छात्रा नमिता कुमारी 461, अंक, खुशबू कुमारी 434 अंक, अंशु कुमारी 458 अंक, भावना कुमारी 425 अंक, श्वेता कुमारी 399 अंक, रितेश कुमार 418 अंक ,हिमांशी कुमारी 420 अंक ,मनीष कुमार 469 अंक सोनू कुमार 443 अंक,अर्चना कुमारी 435 अंक,शुभम्-कुमार 411 अंक ,अंकुश कुमार 427, अंक ,नमिता कुमारी 461 अंक ,मनीष कुमार 469 अंक लाया है।

तनिष्क लूट कांड का अपराधी जम्मू से धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। टाउन थाना क्षेत्र अन्तर्गत शीश महल चौक स्थित तनिष्क आभूषण शोरूम से करीब दस करोड़ रुपये के जेवरात लूटे जाने के मामले में जम्मू से गिरफ्तार सूरज मंडल की पहचान सीसीटीवी फुटेज से हुई थी। सोने की रिंग खरीदने के बहाने ग्राहक बनकर पहले शोरूम में जाने एवं फिर पिस्टल के बल पर लूटपाट करते समय उसका चेहरा फुटेज में कैद हुआ था। पकड़ा गया वांटेड सूरज मंडल मूल रूप से अररिया जिले के पलासी थाना क्षेत्र के महेन्द्रपुर गांव का निवासी है।

वह विगत 22 मार्च को अररिया में पुलिस मुठभेड में मारे गए कुख्यात चुनमुन झा का करीबी साथी बताया जाता है। दोनों का पंचायत एक ही है। पकड़े गए वांटेड की भोजपुर पुलिस के अलावा अररिया पुलिस को भी आर्म्स एक्ट एवं लूट के एक अन्य मामले में सरगर्मी से तलाश थी।

फिलहाल आरा एवं पूर्णिया के तनिष्क लूटकांड को लेकर पटना एसटीएफ एवं जिला पुलिस उससे पूछताछ कर क्लू पाने की कोशिश में है। ट्रांजिट रिमांड पर उसे जम्मू से आरा लाया जा रहा है।

वारदात के बाद पुलिस को जो सीसीटीवी फुटेज हाथ लगा था, उसमें एक फुटेज में पकड़ा गया वांटेड सूरज मंडल ग्राहक बनकर खरीदारी के बहाने कुर्सी पर बैठे एवं दूसरे फुटेज में पिस्टल ताने नजर आ रहा है।

दस मार्च को घटना की सुबह 10.21 बजे पहले दो अपराधी ग्राहक के रूप में सोने की रिंग देखने के लिए आए थे एवं फर्स्ट फ्लोर के काउंटर पर जाकर सोने की रिंग दिखाने की बात कही थी।

इसके बाद अन्य साथी प्रवेश किए थे। फुटेज में साफ रूप से दाढ़ी बढाए नजर आ रहा है। फुटेज में महिला सेल्समैन उसे अंगूठी दिखाते नजर आ रही है।

वारदात के बाद पुलिस से बचने के लिए वह भागकर जम्मू चला गया था। मुठभेड़ में मारा गया चुनमुन झा भी रेकी करने से लेकर लूट कांड में शामिल था। अभी तक इस कांड में पुलिस रिसीवर एवं लाइन समेत पांच को गिरफ्तार कर चुकी है।

भाड़े के विवाद में पिता-पुत्र को मारी गोली

मुजफ्फरपुर। अपराधियों ने किराया के विवाद में पिता और पुत्र को गोली मार दी। ग्रामीणों ने अपराधियों की बाइक को पकड़ लिया। लेकिन आरोपी किसी तरह वहां से फरार हो गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन कर रही है। घटना मुशहरी थाना क्षेत्र की है।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि मुशहरी थाना क्षेत्र के रहने वाले उपेंद्र सहनी (52) पेशे से नाविक है। उनका बड़ा बेटा पंकज (25) भी इस काम में पिता को हाथ बंटाता है। शुक्रवार की शाम पंकज दो अपराधियों को बाइक के साथ घाट पार करवाया, जिसके बाद पंकज अपना किराया मांगा। अपराधी पैसा देने से मना किया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसी बीच पंकज के पिता भी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद दोनों अपराधियों ने हथियार निकाल कर पंकज और उसके पिता उपेंद्र को गोली मार दी। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। अपराधी मौके का फायदा उठा कर फरार हो गया।

किसानों ने खुद के खर्चे से बनाया पुल

नगर प्रशासन बुलडोजर लेकर पहुंचा तोड़ने, किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले में किसानों और स्थानीय निवासियों ने अपनी जरूरतों को देखते हुए खुद के खर्चे पर एक पुल का निर्माण कर डाला। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड-4 में कारी कोशी नदी पर इस पुल को बनाने के लिए ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा किया और अपने संसाधनों से इसे पूरा किया। लेकिन जब निगम प्रशासन पुल को तोड़ने पहुंचा, तो किसानों ने विरोध करते हुए बुलडोजर के आगे लेटकर अपनी मजबूती का प्रदर्शन किया।



जानकारी के मुताबिक, रहमतनगर वार्ड-4 से होकर बहने वाली कारी कोशी नदी ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। नदी के एक ओर बसे किसान अपनी 200 बीघा कृषि भूमि तक पहुंचने के लिए हर रोज जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर थे।

क्षेत्र के किसान बिरेन महलदार, मंटू कुमार, अनिल महलदार, बिजली देवी, उपेन्द्र महलदार और पारो देवी का कहना है कि वे इस समस्या से लंबे समय से जूझ रहे थे। उन्होंने कई बार सांसद, विधायक और अधिकारियों से पुल निर्माण की मांग की, लेकिन हर बार केवल झूठे आश्वासन ही मिले।

चुनाव के समय वोट मांगने वाले नेता पुल बनाने का वादा कर जाते, लेकिन चुनाव खत्म होते ही कोई वापस नहीं आता। इसलिए आखिरकार 100 से अधिक किसानों ने चंदा इकट्ठा कर खुद पुल बनाने का निर्णय लिया।

किसानों ने अपनी जरूरत के मुताबिक 50 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक की आर्थिक सहायता दी। इसके बाद पुल निर्माण का काम शुरू हुआ और 80% काम पूरा हो गया, जबकि 20% बचा हुआ था। इसी बीच किसी ने प्रशासन को गलत सूचना दे दी कि यह अवैध निर्माण है।

इसके बाद नगर निगम प्रशासन जेसीबी लेकर पुल तोड़ने पहुंच गया। जब किसानों को इस बात की भनक लगी, तो वे तुरंत वहां पहुंचे और बुलडोजर के आगे लेट गए। आक्रोशित किसानों के भारी विरोध को देखकर निगम प्रशासन को पीछे हटना पड़ा।

स्थानीय समाजसेवी राजीव राय ने कहा कि यह पुल किसानों के लिए जीवनरेखा जैसा है। बारिश के दिनों में खेतों तक पहुंचना असंभव हो जाता है और हर साल पानी में डूबकर कई लोगों की जान जा चुकी है। किसानों को इस परेशानी से बचाने के लिए ही पुल बनाया गया था।

उन्होंने कहा कि यह पुल लोगों के पैदल चलने के लिए बनाया गया है। इससे किसानों को नदी पार करने में मदद मिलेगी और जान जोखिम में डालने की जरूरत नहीं होगी।

नगर आयुक्त कुमार मंगलम ने कहा कि उन्होंने अमीन को पुल की माप-जोख कर रिपोर्ट देने के लिए कहा है। अगर यह निजी जमीन पर बना हुआ है, तो किसानों को इसके कागजात प्रस्तुत करने होंगे। वहीं, नगर निगम के सिटी मैनेजर पवन कुमार ने बताया कि हम वरीय अधिकारियों के आदेश पर पुल तोड़ने आए थे, लेकिन भारी विरोध को देखते हुए फिलहाल पीछे हटना पड़ा है।

फिलहाल, किसानों के विरोध के बाद प्रशासन ने पुल तोड़ने की योजना पर रोक लगा दी है। लेकिन आगे क्या होगा, यह नगर निगम की जांच रिपोर्ट और प्रशासनिक आदेश पर निर्भर करेगा।

वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्रशासन हमारा पुल तोड़ता है, तो हम इसे फिर से बनाएंगे। जब सरकार हमारी नहीं सुन रही, तो हम अपने दम पर अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे।

प्रशासन के नाक के नीचे मिली शराब की सैकड़ों खाली बोतलें

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवगछिया। बिहार में जहां एक ओर शराबबंदी को लेकर सरकार लगातार अपनी पीठ थपथपा रही है, वहीं दूसरी ओर नवगछिया में प्रशासन के नाक के नीचे सैकड़ों शराब की खाली बोतलें बरामद होने से शराबबंदी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नवगछिया अनुमंडल कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास करीब 200 खाली शराब की बोतलें मिलीं, जिनमें कई नेपाली ब्रांड की शराब भी शामिल थी। यह बोतलें अनुमंडल कोर्ट परिसर से महज 50 मीटर दूर पाई गईं, जो प्रशासनिक और पुलिस प्रतिष्ठानों के करीब थी। जब जागरण संवाददाता ने इन बोतलों की पड़ताल की तो पाया कि इसमें विभिन्न ब्रांड्स की शराब की बोतलें थीं, जो शराबबंदी के कानून के बावजूद यहां तक पहुंची थीं। सूचना मिलने पर नवगछिया एसडीपीओ ओम प्रकाश कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नवगछिया थाना को शराब की खाली बोतलें इकट्ठा करने का आदेश दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्लास्टिक की तीन बोरियों में ये खाली बोतलें जमा कीं।

नवगछिया थाना अध्यक्ष रविशंकर सिंह ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि खाली बोतलें वरीय अधिकारियों के निर्देश पर थाना लाकर गिनती की जाएंगी, उसके बाद इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा और बोतलों का विनष्टिकरण भी किया जाएगा। यह मामला इस समय सुर्खियों में है, खासकर तब जब राज्य में 2016 से शराबबंदी कानून लागू है। शराब पीने से मौतों की घटनाएं और जहरीली शराब के कारण होने वाली मौतों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा शराब की तस्करी और शराबियों की तलाश के लिए ड्रोन की मदद ली जा रही है, बावजूद इसके शराब की खाली बोतलें प्रशासनिक क्षेत्र में कैसे पहुंचीं, यह बड़ा सवाल बन गया है।

नवगछिया अनुमंडल में मिली खाली शराब की बोतलों को लेकर इस्माइलपुर जिला परिषद सदस्य विपिन मंडल ने प्रशासन पर सवाल उठाए हैं उन्होंने जागरण संवाददाता से बात करते हुए कहा कि अगर प्रशासन और कोर्ट परिसर के नाक के नीचे ऐसे शराब की खाली बोतल मिल रही है तो फिर प्रशासन से लोगों की कैसी उम्मीद अब यह शराब कौन पी रहा है इसको लेकर कई तरह की बातें उठ रही है इलाके में तरह-तरह की बातें होना शुरू हो गई।

जमशेदपुर के व्यापारी का नालंदा में अपहरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम देते हुए अपराधियों ने झारखंड के सरायकेला के एक व्यापारी का अपहरण कर लिया। फिर उसके परिवार से 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई की वजह से मात्र दो घंटे के भीतर व्यापारी को सकुशल छुड़ा लिया गया और दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस पूरे घटनाक्रम ने इलाके में हड़कंप मचा दिया, लेकिन पुलिस की तेज कार्रवाई से अपराधियों के मंसूबे नाकाम हो गए। पुलिस ने अपराधियों के पास से हथियार, मोबाइल और मोटरसाइकिल बरामद की है और मामले की जांच जारी है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे नालंदा जिले के बिंद थाना के सरकारी नंबर पर झारखंड के सरायकेला थाना के एक पुलिस अधिकारी का फोन आया। उन्होंने बताया कि सरायकेला के एक व्यापारी को अगवा कर लिया गया है और अपराधी फिरौती के तौर पर 50 लाख रुपये मांग रहे हैं। फोन की लोकेशन नालंदा और पटना के सीमावर्ती इलाके में ट्रेस हुई, जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई।

बिंद थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर छतर विगहा इलाके के पास गेहूं के खेत में छापामारी की गई। जब पुलिस वहां पहुंची तो देखा कि दो अपराधी एक व्यक्ति को जबरदस्ती पकड़कर खड़े थे। पास में ही एक बुलेट मोटरसाइकिल खड़ी थी। पुलिस को देखकर अपराधियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन जवानों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें दबोच लिया। अपहृत व्यक्ति ने अपना नाम दीपक कुमार कन्हैया बताया और कहा कि वह सरायकेला का एक व्यापारी है।

बीडीसी की बैठक में छाया रहा नल-जल का मुद्दा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड मनरेगा सभा भवन में पंचायत समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख डॉ गोविंद कुमार ने की। सदन में उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में नल जल की समस्या को रखते हुए कहा कि नल जल समस्या के कारण इस गर्मी में लोगों को पीने का पानी के लिए दर दर भटकना पर रहा है। अनदेखी करने वाले पदाधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध जिलाधिकारी को पत्र लिखने को कहा गया।



जाखड़ धर्मपुर के पंचायत समिति सदस्य शंभू बैठा सहित कई सदस्यों ने पंचायत में चल रहे पीएम आवास योजना सर्वे में मनमानी करने एवं गरीब लोगों का नाम नहीं जोड़ने का आरोप लगाया।

उन्होंने वंचित सभी लाभुकों का नाम जोड़ने का बात बतलाया। पंचायत में लगे सोलर लाइट खराब रहने बिजली की समस्या, कृषि एवं पीएचसी अस्पताल में दवा वितरण समस्या को रखा।

मौके पर उप प्रमुख पूनम कुमारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह , अंचलाधिकारी वीणा भारती, सीडीपीओ प्रियंका, पीओ रजनीश कुमार, प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बिनोद कुमार, पीएचसी के डॉ सुभाष कुमार ,पंचायत समिति सदस्य सरोज कुमार,शंभू बैठा, बैद्यनाथ मुखिया, अवधेश कुमार शर्मा, मुखिया राम चंद्र सिंह, संजीव कुमार पासवान, सुनैना देवी, विभा कुमारी, नटवर राय, सीता राम यादव, जितेंद्र कुमार झा, गीता कुमारी रेखा देवी, मोहन झा मदनेश्वर झा आदि मौजूद थे।

बक्सर में 28 लोग गिरफ्तार

बक्सर। एसपी के नेतृत्व बक्सर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसके तहत गुरुवार को जिला पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों से विभिन्न मामलों में 28 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा कोर्ट से जारी 64 वारंट का निष्पादन करते हुए पुलिस ने अन्य जिम्मेदारियां पूरी की हैं।

रेस्टूरेंट में अंधाधुंध फायरिंग से अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। बिहार के बक्सर में शुक्रवार की देर रात कुछ बाइक सवार बदमाशों ने एनएच -922 पर स्थित बीएफसी रेस्टोरेंट में अंधाधुंध फायरिंग कर दी। घटना के दौरान फायरिंग की आवाज सुनते ही रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों के बीच अफरातफरी मच गई और लोग इधर उधर भागने लगे। उधर फायरिंग करने के बाद युवक शहर की ओर भाग निकले। इस दौरान फायरिंग के कारण एनएच पर अफरातफरी मचने से कुछ देर के लिए वाहनों का परिचालन भी बाधित रहा।

इस सम्बंध में जानकारी देते औद्योगिक थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर पुलिस जांच में जुट गई। घटनास्थल से कोई खोखा नहीं मिला है। रेस्टोरेंट में या आसपास कोई कैमरा नहीं लगे होने के कारण कोई अपराधियों का कोई फुटेज नहीं मिल पाया है।

ट्रक चालकों ने बताई वारदात की कहानी



रेस्टोरेंट के आसपास मौजूद ट्रक चालकों से पूछताछ में उन्होंने बताया कि एक ही बाइक पर सवार तीन युवकों ने फायरिंग की है।

घटना को अंजाम देने के बाद तीनों शहर की ओर भाग निकले। थानाध्यक्ष ने कहा कि अभी तक इस मामले में रेस्टोरेंट संचालक या किसी अन्य के द्वारा कोई आवेदन नहीं मिला है।

आवेदन मिलने पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। उधर गोलीबारी की घटना के बाद आसपास के लोग आतंकित हैं।

10 अरब 65 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से हुआ पारित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। आरा नगर निगम में वर्ष 2025 -26 में अनुमानित राशि 10 अरब 65 करोड़, 58 लाख, 20 हजार की बजट पास किया गया। इस वर्ष नगर निगम को तीन लाख पांच हजार रुपए का लाभ होने का अनुमान लगाया गया है। शनिवार को नगर निगम के सभागार में महापौर इंदु देवी की अध्यक्षता में सभी वार्ड पार्षद के समक्ष बोर्ड में पारित किया गया।

उप महापौर पूनम देवी, नगर आयुक्त अंजू कुमारी, उप नगर आयुक्त कोमल कुमारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे। आरा नगर निगम क्षेत्र में आंतरिक राजस्व केन्द्र, राज्य सरकार से प्राप्त होने वाली राशि का व्यय निगम से समय-समय पर प्राप्त स्वीकृति के आलोक में उन्हीं योजनाओं पर व्यय करने का प्रस्ताव सम्मिलित किया गया है। जिसके लिए राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, राज्य योजना आयोग से राशि प्राप्त होती है। आरा नगर निगम में शहरी गरीबों को एक स्थान पर जगह चयन कर उनके लिए पक्का मकान बनाते हुए कम लागत पर उन्हें व्याय कराने का लक्ष्य इस बजट में प्रविधान किया गया है।

शहरी क्षेत्र से निकलने वाले कूड़ा कचड़ा के निष्पादन करने के लिए एमआरएफ सेंटर, कम्पोस्ट पिट, लैंडफिल साइट रख-रखाव, ट्रम्बेल मशीन आदि क्रय करने एवं ठोस कचड़ा के निष्पादन के लिए आधुनिक तकनीक ईस्तेमाल करने का इस बजट में सम्मिलित किया गया है ताकि यत्र-तत्र कचड़ा बिखरा नहीं रहे।

बकाया करों की प्रभावी वसूली के लिए कड़े कदम उठाये जाने का प्रस्ताव इस बजट में किया गया है। चल-अचल सम्मितियों की जब्ती, बिक्री तथा बैंक ते फिज करने का प्रावधान किया गया है। कुल बकाया का कम से कम 90 प्रतिशत राशि की वसूली सुनिश्चित करने लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष में रखा गया है।



शहर में जाम हटाने के लिए डिवाइडर बनेगा जाम की समस्या के निराकरण के लिए सड़क चौड़ीकरण के अधूरे कार्य को राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के सहयोग से पूर्ण कराते हुए चौड़े पथों में जिला प्रशासन के सहयोग से डिवाईडर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।महिलाओं को वाहन चलाने का किया जाएगा प्रशिक्षण निगम क्षेत्र के गरीब वंचित महिलाओं को नगर निगम के स्तर से वाहन चलाने का प्रशिक्षण देने तथा नगर निगम के सफाई वाहनों के चालक के रूप में उनसे कार्य लेने का लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष में किया गया है। उन महिलाओं को आर्थिक उन्नति की जा सके एवं महिलाओं के सशक्तिकरण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

सभी वार्डों में लाइट लगेगी नगर निगम क्षेत्र में प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक सामुदायिक भवन के निर्माण इस वित्तीय वर्ष में कराने का लक्ष्य रखा गया है।

कैमूर ने औरंगाबाद को हराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बीसीए की ओर से आयोजित अंडर-23 वनडे ट्राफी टूर्नामेंट में शनिवार को कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। कैमूर बनाम औरंगाबाद मैच में कैमूर ने 137 रनों से जीत दर्ज की। कैमूर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवर में 10 विकेट पर 259 रन बनाया। बल्लेबाजी में अजयवीर धर्म वीर सिंह 62 गेंद में 7 चौका लगाकर 54 रन बनाया, ओम प्रकश बिन्द 59 गेंद में 5 चौका लगाकर 47 रन और कप्तान शशांक संजय उपाध्याय 40 गेंद में 6 चौका 1 छक्का लगाकर 46 रन बनाया।

औरंगाबाद की गेन्दबाजी में अंकुश उमेश अग्रवाल 10 ओवर 63 रन 4 विकेट, प्रभात संजय सिंह 10 ओवर 1 मेडन 42 रन 3 विकेट तथा रंजीत शिव कुमार को 2 विकेट एवं नंदन सूरजपात कुमार को 1 विकेट मिला। औरंगाबाद ने 30.5 ओवर में 10 विकेट पर 122 रन बनाया।

बल्लेबाजी में आयुष संजय राज ने 68 गेंद में 3 चौका 1 छक्का लगाकर 52 रन बनाया और अंकुश उमेश अग्रवाल ने 23 गेंद में 2 चौका लगाकर 17 रन बनाया। कैमूर की गेन्दबाजी में निशांत कुमार सिंह 7 ओवर 33 रन 4 विकेट तथा धनेश अरविन्द चौहान और अजयवीर धर्म वीर सिंह को 2-2 विकेट और चिंटू राधेश्याम गुप्ता को 1 विकेट मिला। सिवान बनाम वेस्ट चंपारण मैच में सिवान 73 रनों से जीत दर्ज की।

सिवान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 357 रन बनाया। बल्लेबाजी में फहीम मिराजुद्दीन अनवर ने नाबाद 169 गेंद में 10 चौका तीन छक्का लगाकर 164 रन बनाया, हैदर ने 47 गेंद में 2 चौका एक छक्का लगाकर 50 रन बनाया और नवनीत कुमार सिंह ने 27 गेंद में 2 चौका 2 छक्का लगाकर 41 रन बनाया।

पश्चिमी चम्पारण की गेन्दबाजी में दीपक कुमार यादव को 2 विकेट एवं कप्तान आयुष कुमार हिमांशु, संजय तिवारी, दिनेश कुमार शाह और विश्वजीत शैलेश शुक्ला को एक-एक विकेट मिला। पश्चिमी चंपारण ने 35.2 ओवर में 9 विकेट पर 284 रन बनाया।

संक्षिप्त समाचार

कलयुगी बेटे की घटिया करतूत, पहले पिता पर डाला पेट्रोल और फिर...

जुलाना, एजेंसी। जुलाना क्षेत्र के लजवाना खुर्द गांव में रिश्तों को तार-तार करने वाला मामला सामने आया है। एक नशेड़ी बेटे ने अपने पिता पर रात के समय पेट्रोल डालकर हत्या करने का प्रयास किया। जिसमें पिता गंभीर रूप से झुलस गया। गंभीर अवस्था में वृद्ध को हिसार के अस्पताल में दाखिल करवाया गया है जहां पर उसका ईलाज चल रहा है।बताया जा रहा है कि बाप-बेटे में जमीन के ठेके के रूपयों को लेकर झगड़ा हुआ था। गुस्से में आकर बेटे ने पिता पर पेट्रोल डालकर हत्या करने का प्रयास किया। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पानीपत में जहरीली शराब पीने से 2 मजदूरों की मौत, दिल्ली के रहने वाले थे दोनों

पानीपत, एजेंसी। पानीपत जिले के इसराना उपमंडल के गांव बिजावा से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां जहरीली शराब पीने से दो मजदूरों की मौत हो गई। राजकुमार नाम के मजदूर की बीती रात करीब 12 बजे एनसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हुई थी। जबकि बंटी नाम के मजदूर को रोहतक रेफर किया लेकिन परिवार के लोग मेरठ ले गए जहां बंटी की भी उपचार के दौरान आज मौत हो गई। मजदूर दिल्ली के रहने वाले है। ठेकेदार के अंडर बिजावा गांव में काम कर रहे थे। फिलहाल पुलिस जहरीली शराब बेचने वाले का पता लगाने में जुटी हुई है।

बहादुरगढ़ थाने में तैनात सिपाही की संदिग्ध हालत में मौत, जांच में जुटी पुलिस, परिवार में कोहराम

बहादुरगढ़, एजेंसी। थाने में तैनात हेड कॉन्स्टेबल की शुक्रवार को स्याना कस्बे में उसके आवास पर संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। प्रथमदृष्ट्रया मामला हृदय घात का लग रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बहादुरगढ़ थाने में अंकुर राणा उम्र करीब 38 वर्ष हेड कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत थे। वह वर्तमान में स्याना कस्बे में अपने बीबी बच्चों के साथ किराए के मकान में रहते थे। शुक्रवार की शाम जब वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो पुलिस कर्मियों ने उनसे फोन पर संपर्क करना चाहा, लेकिन काफी देर तक भी फोन रिसिव नहीं हुआ। इसके बाद किसी अनहोनी से ग्रसित पुलिस ने वहां संपर्क किया तो मकान अंदर से बंद मिला। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा किसी तरीके से मकान के अंदर प्रवेश किया तो वह अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े थे। पुलिस ने उनको आनन-फानन में एक चिकित्सक के यहां भर्ती कराया, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया।इसके बाद स्याना पुलिस भी मौके पर पहुंची गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए स्वजन को सूचना दे दी है। वहीं इस दुखद घटना की जानकारी मिलने के बाद स्वजन में हाहाकार मच गया है।

ठंडी हवाएं चलने के कारण तापमान में गिरावट, आनेवाले दिनों में फिर से बदलेगा मौसम

हिसार, एजेंसी। प्रदेश में चल रही ठंडी हवाओं के कारण तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। दिन के समय ठंडी हवाओं के कारण अधिकतम तापमान में शुक्रवार को 8 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। रोहतक का अधिकतम तापमान सबसे अधिक 37 डिग्री सेल्सियस रहा। अब आने वाले दिनों में भी पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से तापमान में बदलाव हो सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान में तेजी से बदलाव होने से काफी ज्यादा गर्मी हो गई थी। हिसार का तापमान 39 डिग्री को भी पार कर गया था। मगर हिमाचल प्रदेश की तरफ से मौसम बदलने के साथ चली ठंडी हवाओं ने तापमान को एक दिन में आठ डिग्री से ज्यादा गिरा दिया। अब आने वाले दिनों में फिर से मौसम में बदलाव होगा।मौसम विज्ञानियों की मानें तो 29 और 30 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होगा। इसका आंशिक प्रभाव देखने को मिलेगा। इससे वातावरण में नमी बढ़ेगी और बादल छाने की संभावना बनी हुई है। हवा में परिवर्तन के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट हो सकती है।

नशे के जाल से मुक्त होंगे हरियाणा के युवा, खुलने जा रहे 46 नशा मुक्ति केंद्र,



चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में युवाओं को नशा की लत से बाहर निकालने के लिए 46 और नशा मुक्ति केंद्र खोले जाएंगे। इनमें से 12 नशामुक्ति केंद्र जिला अस्पतालों और 34 नशामुक्ति केंद्र उपमंडल स्तर पर खोले जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बृहस्पतिवार को प्रश्नकाल में बताया कि वह खुद नशामुक्ति केंद्रों की निगरानी करेंगी, ताकि आवश्यकता के अनुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में निजी, सरकारी और अर्ध-सरकारी केंद्रों को मिलाकर 130 नशा मुक्ति केंद्र संचालित हैं।

जिन जिला अस्पतालों में नशा मुक्ति केंद्र प्रस्तावित हैं, उनमें भिवानी, चरखी दादरी, फरीदाबाद, झज्जर, जींद, पलवल, पानीपत, नूंह, रेवाड़ी, रोहतक, सोनीपत और यमुनानगर शामिल हैं। इसी तरह अंबाला कैंट, नारायणगढ़, लोहारु, बवानी खेड़ा, तोशाम, सिवानी, टोहाना, रतिया, बल्लभगढ़, पटौदी, सोहना, हांसी, आदमपुर, नारनौंद, बरवाला, नीलोखेड़ी, असंध, इंद्री, समालखा, शाहबाद, गोहाना, कलायत, गुहला, नरवाना, सफीदों, जगाधरी, महम, डबवाली, ऐलनाबाद, कालका, बहादुरगढ़, बेरी, कोसली, महेंद्रगढ़ में नशामुक्ति केंद्र खोले जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि विभाग में कुल 20 नियमित और पांच संविदा मनोचिकित्सक हैं। मनोचिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए 38 चिकित्सा अधिकारियों ने मनोचिकित्सा विभाग पीजीआइएमइआर चंडीगढ़ से छह महीने का ऑनलाइन नशा मुक्ति प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है।

नशा मुक्ति सेवाओं को मजबूत करने के लिए इन चिकित्सा अधिकारियों की सेवाएं ली जाएंगी। छह महीने के ऑनलाइन नशामुक्ति प्रशिक्षण की कड़ी में 50 चिकित्सा अधिकारियों का दूसरा बैच दिसंबर से शुरू हो चुका है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग का जल्द पता लगाने के लिए अस्पतालों में मूत्र ड्रग डिटेक्शन किट उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। यह किट मूत्र के नमूनों में विभिन्न प्रकार की दवाओं जैसे ओपियोइड्स, कोकेन, कैनबिस, बैंजोडायजेपेन्स, एंफेटामाइन्स, बार्बिटुरेट्स के सेवन का तेजी से पता लगाती हैं।इन किटों के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग का पता लगाने से डाक्टर को नशे के आदी व्यक्ति को उचित और प्रारंभिक उपचार प्रदान करने में मदद मिलती है। एड्स नियंत्रण सोसायटी राज्य में 18 ओपियोइड प्रतिस्थापन थेरेपी (ओएसटी) केंद्र चलाती है। इन केंद्रों में नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

फैक्ट्री में भीषण आग, एक्सपेंशन बिल्डिंग की छत गिरी; 4-5 कर्मचारियों को आई चोटें-एक लापता

रेवाड़ी, एजेंसी। दिल्ली जयपुर हाईवे स्थित धारूहेड़ा में हीरो फैक्ट्री में शुक्रवार की देर रात अचानक आग लग गई। आग के कारण एक्सपेंशन बिल्डिंग की छत गिर गई, जिसका मालवा गिरने की वजह से चार-पांच कर्मचारियों को मामूली चोट आई हैं। सूचना के बाद दमकल की तीन गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

दरअसल, धारूहेड़ा के मालपुरा में हीरो फैक्ट्री का प्लांट बना हुआ है। उसे प्लांट की स्थापना वर्ष 1985 में हुई थी। इसी संयंत्र में वर्ष 2006 में एक्सपेंशन बिल्डिंग बनाई गई थी। इसमें अस्थाई इंटीरियर का काम किया हुआ है।

शुक्रवार की रात करीब 11:00 इसी एक्सपेंशन बिल्डिंग में अज्ञात कारणों से आग लग गई। उस वक्त वहां पर 10 से 12 कर्मचारी मौजूद थे। आपकी वजह से छठ का एक हिस्सा नीचे गिर गया, जिसमें कुछ मजदूर दब गए। हालांकि कुछ देर बाद ही अन्य कर्मचारियों ने उन्हें बाहर निकाल लिया। एक कर्मचारी अभी लापता बताया गया है। सूचना के बाद दमकल की दो गाड़ियां रेवाड़ी और एक धारूहेड़ा से फैक्ट्री में पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पाया गया। सूचना के बाद सेक्टर 6 और धारूहेड़ा थाना से पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया। पुलिस की टीम में पूरे मामले की जांच में जुटी है।

वहीं पर दूसरी ओर गुरुग्राम जिले के बसई चौक के पास शनिवार सुबह को मौजूद झुग्गियों में आग लग गई। तेज हवा के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में ही भयंकर रूप ले लिया और आसपास की सौ से ज्यादा झुग्गियां जल गईं।

आग लगने के बाद यहां रहने वाले स्थानीय लोग बाहर आ गए, इससे कोई जान-माल को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

हरियाणा के इस जिले को मिलेगी नई पुलिस लाइन की सौगात, पुलिस कर्मियों को मिलेगी ये खास सुविधा

हांसी, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में हांसी से बीजेपी विधायक विनोद भयाणा ने पुलिस लाइन के निर्माण को लेकर सवाल खड़ा किया था, तो उसके जवाब में संबंधित विभाग के मंत्री कृष्ण बेदी ने जानकारी देते हुए कहा कि हांसी में जल्द ही पुलिस लाइन का निर्माण होगा। बीजेपी विधायक विनोद भयाणा ने सवाल किया कि हांसी पुलिस जिला में उप पुलिस अधीक्षकों के 8 पद स्वीकृत हैं, लेकिन यहां केवल 3 ही उप-पुलिस अधीक्षक तैनात है। इसके जवाब में मंत्री बेदी ने बताया कि इन खाली पदों पर उप- पुलिस अधीक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। कृष्ण बेदी ने बताया कि पुलिस लाइन में राजपत्रित अधिकारियों के लिए 5 तथा अन्य अधिकारियों के लिए 341 आवासीय मकान बनेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस लाइन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद पुलिस अधीक्षक, उप- पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी हांसी में ही बैठेंगे।पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों को हांसी में ही रहने की सुविधा मिलेगी। जिन कर्मचारियों के घर काफी दूर है, आवासीय मकान बनने का सबसे बड़ा फायदा उन्हीं को मिलेगा।मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस लाइन का निर्माण 55 एकड़ 6 कनाल भूमि पर किया जाएगा। यह जमीन हरियाणा पुलिस विभाग को ट्रांसफर हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा पुलिस लाइन के निर्माण को लेकर तैयार किए गए मास्टर प्लान को राज्य सरकार द्वारा मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

पानी बर्बाद करने वालों पर अब लगेगा भारी जुर्माना

गोहाना, एजेंसी। गर्मी के मौसम में पेयजल की किल्लत को रोकने के लिए गोहाना जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सख्ती बढ़ाएगा। इसके लिए एक अप्रैल से क्षेत्र में जल संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अगर कोई व्यक्ति पेयजल को व्यर्थ बहाता हुआ पाया गया तो उस पर बिना नोटिस के पांच हजार रुपये जुर्माना ठोका जाएगा। जुर्माना न चुकाने पर केस दर्ज कराया जाएगा।

गोहाना में उपभोगताओं की तरफ पानी का बिल एक करोड़ से भी ज्यादा का बकाया है। इसको लेकर भी अभियान चला कर लोगों ले बिल भरने के लिए अपील की जाएगी। बिल नहीं भरने से उनके कनेक्शन काटे जाएंगे। इसके इलावा अवैध कनेक्शन करने व करवाने वालों के खिलाफ भी विशेष



अभियान चलाया जाएगा। तीन-तीन कर्मचारियों की टीम को गोहाना जॉन के लिए बांटा गया है।

गोहाना जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की गोहाना की बिलिंग ब्रांच के इंचार्ज सुभाष भट्टी ने कहा कि इस बार भयंकर गर्मी पड़ सकती है। गर्मी के दिनों में पेयजल की किल्लत हो जाती है। विभाग इसका मुख्य कारण पेयजल की बर्बादी और अवैध कनेक्शनों को मानता है। विभाग द्वारा पेयजल की बर्बादी को रोकने के लिए एक अप्रैल से विशेष अभियान छेड़ा जाएगा। विभाग के कर्मचारी शहर और गांवों में जाकर लोगों को जल संरक्षण के लिए जागरूक करेंगे।

बिलिंग ब्रांच के इंचार्ज ने आगे बताया कि लोगों को समझाया जाएगा कि पेयजल की जरूरत पूरी होने पर नल को बंद जरूर करें। पेयजल को नालियों में व्यर्थ न बहाएं। इसके साथ में कर्मचारी पेयजल व सीवर कनेक्शनों की वैधता को लेकर भी जांच करेंगे। अवैध कनेक्शन मिलने पर लोगों को नोटिस देकर उसे नियमित करवाने की चेतावनी दी जाएगी। नोटिस देने के बावजूद कनेक्शन नियमित न करवाने पर कार्रवाई होगी। कर्मचारियों को अभियान चलाने के निर्देश दिए। अब कर्मचारी एक अप्रैल से फील्ड में उतरेंगे।

साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश, आरोपियों में बैंक अधिकारी भी शामिल,7 बदमाश काबू



अंबाला, एजेंसी। हरियाणा के अंबाला जिले में पुलिस ने एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात ठगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से छह आरोपी गुरुग्राम के रहने वाले हैं, जबकि एक बिहार से है। हैरानी की बात तो ये है कि इस गिरोह में एक बैंक अधिकारी भी शामिल था। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 13.74 लाख रुपये नकद, नोट गिनने की मशीन, 25,ञ्जरू कार्ड, 7 मोबाइल फोन और 6 चेकबुक बरामद की हैं।

यह गिरोह ऑनलाइन ट्रेडिंग और भारी मुनाफे का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था. आरोपी पहले निवेश का लालच देते और जब कोई व्यक्ति उनके झांसे में आ जाता, तो उससे ओटीपी साझा करने को कहते। इसी तरीके से आरोपियों ने अंबाला के एक व्यक्ति से 26 लाख रुपये की ठगी की थी।पुलिस जांच में पता चला है कि इस गिरोह के खिलाफ विभिन्न राज्यों में 27 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस अधिकारी के बयान के मुताबिक इस गिरोह को लंबे समय से ट्रैक किया जा रहा था।गिरफ्तार किए गए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने उनका रिमांड हासिल कर लिया है। अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि इन्होंने और कितने लोगों को शिकार बनाया है। पुलिस इस गिरोह के नेटवर्क को तोड़ने के लिए आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

फरीदाबाद में बीकॉम के छात्र का कत्ल, नहीं थम रहे पिता के आंसू, बिलखते हुए बोले- मेरे लाडले ने क्या बिगाड़ा था

बल्लभगढ़, एजेंसी। फरीदाबाद जनपद के बल्लभगढ़ में अग्रवाल कॉलेज के बाहर छात्रों के दो गुटों के बीच हुए विवाद में बीकॉम प्रथम वर्ष के छात्र रितेश सारस्वत की हत्या कर दी गई। हत्या चाकू मार कर की गई। वहीं, हत्या का आरोप कॉलेज के ही बीकॉम फाइनल वर्ष के छात्र हिमांशु वशिष्ठ व उसके साथियों पर लगा है।

उधर, घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हत्या की वजह अभी सामने नहीं आ आई है। आरोपियों की तलाश में क्राइम ब्रांच और थाना की पांच टीमें गठित की गई हैं।

मूलरूप से गढ़ी गांव अलीगढ़ उत्तर प्रदेश के रहने वाले मृतक के पिता संतोष सारस्वत ने बताया कि वह 25 वर्ष से यहां गर्ग कॉलोनी में अपना मकान बना परिवार के साथ रह रहे हैं। उनका बड़ा बेटा रितेश सारस्वत अग्रवाल कॉलेज बीकॉम प्रथम वर्ष में पढ़ता था।

बताया गया कि छोटा बेटा शुभम अभी 12वीं कक्षा में पढ़ रहा है। दो अन्य बेटियां हैं। वह स्वयं सेक्टर-11 जी मोर्टस फैक्ट्री में नौकरी करते हैं। उनका बेटा रितेश सारस्वत बृहस्पतिवार दोपहर 12 बजे के बाद कॉलेज से बाहर निकला था।

संतोष सारस्वत को मोबाइल पर सूचना मिली कि कुम्हारवाड़ा की तरफ जाने वाली गली के पास फतेहपुर बिल्लौच के रहने वाले हिमांशु वशिष्ठ और उसके साथियों ने बेटे पर चाकू से हमला कर लहूलुहान कर दिया है। जब वह मौके पर पहुंचे तो पता चला कि सहपाठी देव और हर्षित उसे अस्पताल ले गए हैं। मौके पर खून फैला हुआ था। पुलिस भी मौके पर



पहुंच गई थी, पर अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पिता के अनुसार, झगड़ा होने का क्या कारण है, इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। झगड़े के बारे में कभी रितेश ने भी उन्हें कुछ नहीं बताया। कॉलेज प्रबंधन ने भी किसी तरह की जानकारी होने से इनकार किया। उधर, थाना शहर पुलिस ने पिता संतोष सारस्वत की शिकायत पर छानबीन शुरू कर दी है। यह पता चला है कि मुख्य आरोपी हिमांशु वशिष्ठ के साथ कुछ और लोग भी थे। इनमें अन्य छात्र भी हो सकते हैं।

एसीपी महेश श्योराण का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं और हिमांशु के फतेहपुर बिल्लौच गांव सहित अन्य संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई, पर वह नहीं मिला। पुलिस ने आरोपी हिमांशु के बारे में कॉलेज प्रबंधन से भी पूरी जानकारी जुटा ली है और उसके पिछले रिकॉर्ड के बारे में जानकारी जुटा रही है।

वहीं, गांव में भी उसकी पृष्ठभूमि के बारे पता कराया गया, पर हिमांशु का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। मृतक के परिजनों ने अभी तक किसी भी तरह की रंजिश की कोई जानकारी नहीं बताई है। हत्या के कारण क्या है यह आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

उधर, शाम को बादशाह खान अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। शव जब गर्ग कॉलोनी पहुंचा तो वहां पूरा माहौल शोक में डूब गया।

मां के साथ लिव-इन में रहने वाले ने नाबालिग से किया दुष्कर्म, जांच में निकली प्रेग्नेंट, पुलिस ने दर्ज किया केस

हिसार, एजेंसी। जिले की गांव निवासी एक किशोरी ने अपनी मां के साथ लिव-इन में रहने वाले व्यक्ति पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता को मासिक धर्म न आने पर डॉक्टर के पास ले गए तो उसके गर्भवती होने का पता लगा। मामले में पीड़िता ने पुलिस को शिकायत दी है।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे दो बहन और एक भाई है। वह स्कूल में पढ़ती है। उसके पापा और उसकी मम्मी का आपस में मनमुटाव की वजह से कोर्ट में केस चल रहा है। जिस वजह से उसकी मम्मी एक अन्य व्यक्ति के साथ लिव-इन में रहती है।

एक दिन उसकी मम्मी घर से बाहर काम पर गई हुई थी। उसके बहन-भाई घर पर नही थे। उस दौरान आरोपित ने उसके साथ गलत काम किया और धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। उसने डर के कारण यह बात किसी को नही बताई।

इसके बाद फरवरी माह में आरोपित ने दोबारा उसके साथ गलत काम कर धमकी दी। इसके बाद उसे मासिक धर्म न आने पर उसकी मम्मी डॉक्टर के पास लेकर गई। वहां डॉक्टर ने बताया कि वह गर्भवती है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है।

वहीं एक दूसरे मामले में रोहतक शहर में एक दस वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के मामले में शुक्रवार को बच्ची का पीजीआई में नियमानुसार गर्भपात करवाया गया है। बच्ची की वीरवार की शाम को तबीयत बिगड़ी तो स्वजन उसे पीजीआई ले गए। यहां अल्ट्रासाउंड करवाने के बाद पता चला कि बच्ची गर्भवती है। इसके बाद बच्ची को गायनी वार्ड में शिफ्ट किया।

वहीं डॉक्टरों की मानें तो बच्ची को पहले सर्जरी वार्ड में ले जाया गया। इसके बाद बच्ची को गायनी वार्ड में ले जाया गया। उस समय तक बच्ची को ब्लीडिंग शुरू हो चुकी थी। वहां पहुंचने के कुछ देर बाद ही बच्ची का गर्भपात हो गया। अभी ये पुष्टि नहीं हो पाई की बच्ची कितने महीने की गर्भवती थी। डॉक्टरों ने भ्रूण को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामले में स्वजन के बयान के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा में विधायकों की हो गई मौज, कार और फ्लैट खरीदने के लिए ले सकेंगे 1 करोड़ का लोन

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में विधायक अब फ्लैट या कार खरीदने के लिए सरकार से एक करोड़ रुपये तक का सस्ता लोन ले सकेंगे। मकान की मरम्मत के लिए भी 10 लाख रुपये का ऋण मिलेगा। इसके अलावा आश्रितों को चिकित्सा खर्च की सुविधा भी मिलेगी। विधायक और पूर्व विधायक की मौत के बाद भी आश्रित पति-पत्नी को सरकारी खर्च पर स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी।

विधानसभा में बजट सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा ने विधानसभा (सदस्य सुविधाएं) संशोधन विधेयक और विधानसभा (सदस्य चिकित्सा सुविधा) संशोधन विधेयक सदन पटल पर रखे, जिन्हें सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

बढ़ती हुई महंगाई के नाम पर विधायकों को मकान व कार लोन की राशि में 20



लाख रुपये का इजाफा किया है। इतना ही नहीं, इस राशि को मर्ज करके एक करोड़ किया है और यह विधायकों की मर्जी पर छोड़ा है कि वे एक करोड़ का ऋण केवल मकान के लिए भी ले सकते हैं या फिर गाड़ी और मकान दोनों के लिए अलग-अलग भी। अहम बात यह है कि पूर्व में इन विधेयकों को लेकर कोई चर्चा नहीं थी। ये दोनों ही विधायक अचानक से लाए गए हैं। अभी तक विधायकों को मकान के लिए 60 लाख रुपये और गाड़ी के लिए 20 लाख रुपये का लोन मिलता था। विधायकों को चार प्रतिशत ब्याज दर पर लोन सुविधा विधानसभा की ओर से दी जाती है।

सरकार ने अब मकान और गाड़ी के लोन को आपस में मर्ज करके इसकी लिमिट एक करोड़ रुपये कर दी है। अब यह विधायक की मर्जी है कि वह एक करोड़ रुपये का लोन मकान के लिए ले या फिर इसके पार्ट में दोनों सुविधाओं (मकान व कार) के लिए लें। फैमिली पेंशन के लाभार्थियों को मेडिकल सुविधा नहीं मिलती थी। कानून में संशोधन के बाद अब फैमली पेंशन लेने वालों को चिकित्सा सुविधा भी मिल सकेगी।

विधानसभा में शुक्रवार को अंतिम दिन हरियाणा विनियोग (संख्या दो) विधेयक तथा हरियाणा (बंदी आदान प्रदान) निर्सन विधेयक समेत छह विधेयक पास किए गए। विनियोग विधेयक में प्रदेश सरकार को राज्य की संचित निधि में से कुल 2 लाख 58 हजार 339 करोड़ रुपये के भुगतान और विनियोग का अधिकार दिया गया है।बंदी आदान प्रदान निरसन विधेयक में प्रविधान किया गया था कि जब बंटवारा हुआ था, उस समय भारत व पाकिस्तान से बंदियों के आदान प्रदान के लिए कानून बनाया गया था, जिसकी अब कोई जरूरत नहीं है।

संपादकीय

न्यायाधीश की टिप्पणी असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करने की अपेक्षा की जाती है। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का एक नाबालिग के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले में आया फैसला उसी का ताजा उदाहरण है। अदालत ने इस संबंध में फैसला दिया कि संबंधित लड़की के साथ जो किया गया, उसे बलात्कार नहीं कहा जा सकता। उचित ही, स्वत:-संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इस फैसले पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस फैसले पर खेद प्रकट करते हुए इसमें संवेदनशीलता की कमी रेखांकित की है और न्यायाधीश की टिप्पणियों को असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण वाला बताया है। यह बात किसी को गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया ! यह ठीक है कि कई बार अदालतों के सामने कुछ मामलों में कानून के बारीक बिंदुओं की व्याख्या करने में अड़चन आ जाती है, मगर यह ऐसा कोई मामला नहीं था, जिसमें कोई दिक्कत पेश आई होगी। फिर, अगर कहीं कोई संशय था, तो सुनवाई के बाद चार महीने तक फैसले को सुरक्षित रखा गया था, उस बीच उस पर विचार-विमर्श किया जा सकता था। महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील रहा है। इसका बड़ा उदाहरण पिछले वर्ष देखा गया, जब तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ने कुछ शब्दों को महिला सम्मान के विरुद्ध मानते हुए उनकी जगह सम्मानजनक शब्द सुझाए थे। कुछ अशोभन कहे जाने वाले शब्द, जो प्राय- महिलाओं से जुड़े मामलों में लंबे समय से अदालतों में प्रयुक्त होते आ रहे थे, उन्हें बदल दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे शब्दों की सूची बना कर देश की सभी अदालतों में प्रसारित किया था। इसके बावजूद अगर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश ने महिला अस्मिता से जुड़े अहम पक्षों को सरसरी ढंग से देखने का प्रयास किया, तो उस पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

(ललित गर्ग)

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है।

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फ़ैसले पर गंभीर नाराजगी दर्शायी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फ़ैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं



कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया।

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का 'पीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है।' महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए।

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है।

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है। जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो ! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत के पड़ोस में क्या बड़ा खेल रहे अमेरिका और चीन

(अभिनय आकाश)

बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने देश में कट्टरपंथियों के उभार पर निशाना साधते हुए कहा है जिन लोगों ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान सामूहिक हत्याओं में पाकिस्तानी सेना का सहयोग किया था, वो अब ऊंची आवाज़ में बोल रहे हैं।

इधर बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद युनूस चीन पहुंचे और उधर अमेरिका के टॉप जनरल बांग्लादेश पहुंच चुके हैं। अमेरिकी सेना के टॉप सैन्य अधिकारी ने बांग्लादेश पहुंचने के साथ ही वहां के सेना प्रमुख के साथ मुलाकात की और जरूरी बैठक का हिस्सा भी बने। अमेरिका ने क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बांग्लादेश की सेना के साथ इस बैठक को रखा था। इस बैठक की सामने आई डिटेल्स का यूं तो मौजूदा अटकलों से कोई लेना देना नहीं है। लेकिन खबरें अब और ज्यादा तेज हो गई हैं। तनाव के बीच और अंतरिम बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के चीन दौरे के बीच अमेरिका के किसी टॉप अधिकारी का बांग्लादेश पहुंचना अपने आप में बहुत बड़ा और खास है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ने के चलते युनूस सरकार का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सत्ता संभालने के बाद सात महीनों में मो. युनूस के खिलाफ माहौल बनने लगा है, और अब यह अटकलें जोरों पर हैं कि सेना जल्द ही उन्हें सत्ता से बेदखल कर सकती है। हाल ही में बांग्लादेश सेना के शीर्ष अधिकारियों की एक बैठक के बाद इस बात को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

सेना ने बुलाई आपात बैठक

दरअसल, सेना के भीतर इस बात को लेकर नाराजगी है कि यूनुस सरकार की नीतियों और उसके नेताओं के बयानों ने सैन्य प्रतिष्ठान की छवि को नुकसान पहुंचाया है। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने कहा कि अब सेना को सरकार की नाकामी का बोझ अपने ऊपर नहीं लेना चाहिए। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि सेना को अपनी साख बचाने के लिए सत्ता को हाथ में लेना जरूरी है। बांग्लादेश में अविश्वास के माहौल में कानून और व्यवस्था की ज़िम्मेदारी संभाल रही सेना की चुनौतियाँ बढ़ गई हैं। ऐसे में सेनाध्यक्ष वकार उज जमां ने एक आपात बैठक बुलाई। सेनाध्यक्ष की बुलाई बैठक में शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें 5 लेफ्टिनेंट जनरल, 8 मेजर जनरल (जीओसी), स्वतंत्र ब्रिगेड के कमांडिंग अधिकारी और सेना मुख्यालय के अधिकारी शामिल थे।

सेना और बीएनपी ने खोला कट्टरपंथियों के खिलाफ मोर्चा: बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने देश में कट्टरपंथियों के उभार पर निशाना साधते हुए कहा है जिन लोगों ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान सामूहिक हत्याओं में पाकिस्तानी सेना का सहयोग किया था, वो अब ऊंची आवाज़ में बोल रहे हैं। कुछ लोग, कुछ दल, कुछ समूह ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि जैसे 1971 कभी हुआ ही नहीं। वकार



ने कहा है कि बांग्लादेश में आतंकी हमले का खतरा है। जनरल जमान ने कमांडरों की बैठक में कट्टरपंथियों के खिलाफ एक्शन का आदेश भी दे दिया है। उन्होंने इसके साथ ही कहा है कि देश की सुरक्षा के लिए मुझे सड़कों पर सेना उतारनी होगी। इसका सीधा मतलब ये है कि मोहम्मद यूनुस के तख्तापलट के दौरान जो कट्टरपंथी सड़कों पर दंगे करने उतरेंगे उन्हें रोकने के लिए पहले से ही सेना तैनात होगी।

युनूस ने अफवाह बताया

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने मंगलवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए सरकार के तख्तापलट की खबरों को अफवाह बताया। उन्होंने कहा कि देश में अस्थिरता फैलाने और लोगों को गुमराह करने के लिए झूठी जानकारी फैलाई जा रही है। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, यूनुस ने दावा किया कि सोशल मीडिया पर दूसरे देशों की घटनाओं को वांग्लादेश की घटनाओं के रूप में पेश कर सनसनी फैलाई जा रही है। उन्होंने इन गतिविधियों के लिए अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। आप सभी जानते हैं कि इसके पीछे कौन है और क्यों हमारी एकता ही इन भगोड़ी ताकतों के लिए परेशानी का कारण वन रही है। वे इस एकता को तोड़ना चाहते हैं। उन्होंने आगाह किया कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, ऐसी अफवाहें और भी तेज होंगी।

सेना का कहना है कि यूनुस सरकार हर मोर्चे पर फेल है। देश में अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा बढ़ रही है। इसके अलावा बांग्लादेश की रीढ़ कहे जाने वाले गारमेंट सेक्टर की हालत खस्ता होती जा रही है। 150 से ज्यादा फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं और विदेशी निवेश 71 प्रतिशत तक गिर गया है। अमेरिका, भारत और रूस से रिश्ते खराब हो रहे हैं।

अंगदान बढ़ाने को मध्यप्रदेश का रास्ता अपनाएं

भारत में प्रतिवर्ष पांच लाख से ज्यादा लोग वक्त पर अंग न मिलने से मौत का शिकार हो जाते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इनमें से दो लाख के आसपास लोगों की मौत लिवर नहीं मिलने की वजह से होती है। इन मरने वालो में अधिकतर वे लोग होते हैं जो पैसा देकर अंग नहीं खरीद सकते। पैसे वाले तो मन मांगा मोल देकर अंग खरीद लेते हैं। इसी कारण मानव अंगों के अवैध कारोबार को बढ़ावा मिलता है। भारत में प्रतिवर्ष दस लाख व्यक्तियों में अंगदान करने वालों की संख्या 0.16 है। विकसित देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड और जर्मनी में यह संख्या 10 से 30 के मध्य है। हमारे देश में इस संख्या के कम होने के कारण हैं- सही जानकारी का अभाव, धार्मिक मान्यता, सांस्कृतिक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह। कई देशों में अंगदान ऐच्छिक न होकर अनिवार्य है।

(अशोक मधुप)

एक मृत व्यक्ति के अंगदान से नौ लोगों को नया जीवन मिल सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में 1,04999 पुरुष, महिला और बच्चे आज भी इस इंतज़ार में हैं कि कोई अंगदान करेगा और वे अपना जीवन जी सकेंगे।

मध्य प्रदेश सरकार ने अंगदान करने वालों को सम्मानित करने के साथ उनके परिवार को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने जा रही है। इसमें अंगदान करने वाले के परिवार को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज मिलेगा। जागरूकता बढ़ाने के लिए 18 लाख रुपये की डॉक्यूमेंट्री बनाई जा रही है। राज्य का स्टेट आर्गन एवं टिश्यू ट्रांसप्लांट पोर्टल भी तैयार हो रहा है। मध्य प्रदेश चिकित्सा विभाग के संचालक डॉ. एके श्रीवास्तव ने बताया कि शीघ्र ही इस संबंध में शासन स्तर पर निर्णय हो जाएगा। निश्चय ही यह निर्णय भारत की महर्षि दधीचि की देहदान की परम्परा को आगे बढ़ाएगा। मध्य प्रदेश सरकार का यह निर्णय लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करेगा। वैसे जो कार्य मध्य प्रदेश सरकार करने जा रही है, उसे प्रत्येक प्रदेश को लागू करना चाहिए। अच्छा हो कि ये केंद्र की ओर से लागू हो। इस कार्य के लिए जागरूकता अभियान भी चलाने की जरूरत है। इसके लिए लोगों को प्रेरित करने के साथ प्रोत्साहित भी करना होगा।

भारत में प्रतिवर्ष पांच लाख से ज्यादा लोग वक्त पर अंग न मिलने से मौत का शिकार हो जाते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इनमें से दो लाख के आसपास लोगों की मौत लिवर नहीं मिलने की वजह से होती है। इन मरने वालो में अधिकतर वे लोग होते हैं जो पैसा देकर अंग नहीं खरीद सकते। पैसे वाले तो मन मांगा मोल देकर अंग खरीद लेते हैं। इसी कारण मानव अंगों के अवैध कारोबार को बढ़ावा मिलता है। भारत में प्रतिवर्ष दस लाख व्यक्तियों में अंगदान करने वालों की संख्या 0.16 है। विकसित देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड और जर्मनी में यह संख्या 10 से 30 के मध्य है। हमारे देश में इस संख्या के कम होने के कारण हैं- सही जानकारी का अभाव, धार्मिक मान्यता, सांस्कृतिक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह। कई देशों में अंगदान ऐच्छिक न होकर अनिवार्य है। भारत में ऐसा कर पाना संभव नहीं है, लेकिन जागरूकता पैदाकर इस संख्या को बढ़ाया जा सकता है।

लोगों में अंधविश्वास है कि यदि मृत व्यक्ति की आंखों को दान दिया जाता है तो उसे मरने के उपरांत स्वर्ग नहीं मिलता या अगले जन्म में वह आंख या उस अंग के बिना पैदा होगा, जबकि अंगों को शरीर से निकालने से परंपरागत अंत्येष्टि क्रिया या दफन क्रियाओं में कोई बाधा नहीं आती। इससे शरीर के



रंग-रूप में भी कोई परिवर्तन नहीं होता।अपने अंगों को मृत प्राय- रोगियों को बहुमूल्य उपहार के रूप में दान देकर अपनी मृत्यु को जीवन समान सार्थक बनाया जा सकता है।

एक मृत व्यक्ति के अंगदान से नौ लोगों को नया जीवन मिल सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में 1,04999 पुरुष, महिला और बच्चे आज भी इस इंतज़ार में हैं कि कोई अंगदान करेगा और वे अपना जीवन जी सकेंगे। राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में अकेले किडनी के जरूरतमंद व्यक्ति ही 88551 है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग डेढ़ लाख मौतें सड़क हादसों से होती हैं। वर्ष 2022 में ही 168491 मौत हुईं। इसका मतलब औसतन हर रोज सड़कों पर 1000 से ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं और 400 से ज्यादा लोग दम तोड़ देते हैं।

इनमें सबसे पहले मस्तिष्क पूरी तरह से कार्य करना बंद कर देता है, ऐसा शरीर अंगदान के लिए उपयुक्त होता है। फिर भी बमुश्किल दो-तीन प्रतिशत भाग्यशाली लोगों को नए अंग मिलते हैं। हृदय, फेफड़े, लिवर, किडनी, आंत, पैंक्रियाज ऐसे अंग हैं, जो मृत व्यक्ति के परिजनों द्वारा दान किए जा सकते हैं। आंख का कॉर्निया, हड्?डी, त्वचा, नस, मांसपेशियां, टेंडन, लिगामेंट, कार्टिलेज, हृदय वाल्व भी मृत्यु के बाद किसी अन्य व्यक्ति के काम आ सकते हैं। जीवित व्यक्ति एक पूरी किडनी व लिवर का कुछ हिस्सा दान में दे सकता है। शेष एक किडनी से दानदाता का जीवन व्यतीत हो सकता है। लिवर समय के साथ बढ़ जाता है और पुन- अपनी पुरानी अवस्था में लौट आता है इसलिए दाता को किसी प्रकार की कोई दिक्क़त नहीं होती है।

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीन एवं महान संस्कृति है। दान, धर्म एवं उच्च संस्कार प्राचीन काल से ही हमारे समाज में वरिष्ठ स्थान रखते रहे हैं। महर्षि दधीचि ने दान की पराकाष्ठा का उदाहरण समाज के समक्ष रखा। वह भारतीय संस्कृति के प्रथम अंगदानी कहे जाते हैं। देवता और दानव में युद्ध चल रहा था ! दानव देवताओं पर भारी पड़ रहे थे। देवताओं को समझ नहीं आ रहा था कि युद्ध में कैसे विजय पाई जाए। इसके लिए वे ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने सुझाव दिया कि महर्षि दधीचि की अस्थियों से बने अस्त्र से दानवों को पराजित किया जा सकता है। देवता महर्षि दधीचि के पास गए। याचना की। महर्षि दधीचि द्वारा दी गई अस्थियों से बने वज्र से राक्षास ब्रजासुर का बद्ध हुआ। दानव पराजित हुए। आर्यव्रत की हजारों साल पुरानी देहदान और अंगदान की इस परंपरा में आज भी लोगों की रुचि नहीं है। मुझे याद है कि लगभग 40 साल पहले उत्तर प्रदेश के बिजनौर के स्टेडियम में खेल प्रतियोगिता के दौरान भाला लगने से एक कर्मचारी घायल हो गया था। उसे खून की जरूरत थी। कहे जाने पर भी उसके परिवारजनों ने खून नहीं दिया था। उसकी मदद के लिए स्टेडियम के खिलाड़ी आगे आये। उनके रक्त देने से कर्मचारी की जान बची। अच्छा यह है कि अब रक्तदान के प्रति तो लोगों में जागरूकता बढ़ी है, किंतु अंगदान के प्रति अभी चेतना नही है। अंगदान के प्रेरित करने वाले चिकित्सकों की भी कमी है। यदि बड़े और सरकारी अस्पताल के चिकित्सक मृतक के परिजनों को अंगदान के लिए प्रेरित करने लगे तो बड़ा काम हो सकता है।

हालांकि हेल्थ प्रोफेशनल आमतौर पर अंगदान के विषय पर मृतक के परिजनों से बात करने में अटपटा महसूस करते हैं। नई दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ समीरन नंदी ने डीडब्लू को बताया, डॉक्टर मृतक के अंगों को दान देने के बारे में पूछने से कतराते हैं, कोई इस बारे में प्रोत्साहन भी नहीं है और बदले की कार्रवाई का डर भी रहता है। एक बात ओर अंगदान करने के इच्छुक लोग बढ़ भी जाएं तो सभी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण से जुड़ी तमाम प्रक्रियाओं के लिए जरूरी साजो सामान या उपकरण मौजूद नहीं हैं।

शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में उल्लासपूर्वक मनाएं त्योहार : उपायुक्त

- जिले में विधि व्यवस्था सुदृढ़, बरती जा रही एहतियायतः पुलिस अधीक्षक
- शांति, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखना सभी की जिम्मेवारी
- त्योहारों के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क
- अफवाहों एवं असामाजिक तत्वों पर प्रशासन का विशेष ध्यान
- सोशल व डिजिटल मीडिया पर रखी जा रही पैनी नजर
- सीसीटीवी व ड्रोन की निगरानी में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के जुलूस मार्ग
- फ्लैग मार्च कर सामाजिक सौहार्द का दिया जाएगा संदेश
- दंडाधिकारी एवं पुलिस बलों की रहेगी मुस्तैदी
- भड़काऊ गाने नहीं बजाने एवं साउंड को नियंत्रण में रखने की अपील
- त्योहारों को लेकर सभी प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण
- उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की हुई बैठक

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामूवासियों की सामूहिक भागीदारी से त्योहार में शांति व्यवस्था कायम रहेगी। विधि व्यवस्था संधारण में प्रशासन को मदद मिलेगी। जिले में अमन-चैन, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाये रखने में शांति समिति, प्रबुद्धजन, समाजसेवी एवं गणमान्य व्यक्तियों की अहम भूमिका है। शांति और भाईचारा जिले की पहचान है। रामनवमी, ईद-उल फितर एवं सरहुल पर्व के मद्देनजर जिले में सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने की आवश्यकता है। पर्व-त्योहार खुशियां मनाने और एक-दूसरे से प्रेम बांटने का अवसर प्रदान करता है। त्योहार में सभी लोग खुशियों का माहौल बनाएं रखें। संयमित और अनुशासित तरीके से शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में उल्लासपूर्वक त्योहार मनाएं। त्योहार के मद्देनजर प्रशासनिक आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और तत्परता के साथ कार्य कर रही है। सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। दंडाधिकारी एवं पुलिस बलों की तैनाती कर दी गयी है। ड्रोन, सीसीटीवी, डिजिटल मीडिया के साथ-साथ सादे लिबास में भी प्रशासन निगरानी कर रही है। किसी भी तरह का उपद्रव व अफवाह फैलाने वाले असमाजिक व अराजक तत्वों के विरूद्ध सख्त-से-सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह बातें पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने कही। वे आज रामनवमी, ईद-उल फितर एवं सरहुल के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक स्थानीय पं. दीनदयाल उपाध्याय समृति नगर भवन में आयोजित की गई।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से सभी से सामाजिक समरसता, भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि दूसरे जिले एवं राज्यों की घटित घटनाओं एवं पूर्व की घटनाओं से कोई सरोकार नहीं रखें। दुर्भावना से भी बाहरी चीजों पर अमल नहीं करें। उपायुक्त ने समिति के सदस्यों के अनुरोध पर उन्हें आश्वस्त किया की जुलूस मार्ग वाले क्षेत्रों में ही बिजली बाधित करने की कोशिश की जाएगी। हालांकि उन्होंने पूर्व की घटनाओं के दृष्टिगत यह भी कहा कि आमलोगों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है। उपायुक्त ने त्योहार के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पंचायत समिति एवं रोजगार सेवकों को भी टैग करते हुए निरीक्षण करने का निदेश पदाधिकारियों को दिया।

बैठक में आमलोगों की सुरक्षा, जुलूस मार्गों की सुरक्षा, ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी, अफवाहों की रोकथाम, सुगम यातायात व्यवस्था, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक, बिजली व्यवस्था, स्वास्थ्य, सफाई, पेयजलापूर्ति, सोशल मीडिया के सद्उपयोग आदि आवश्यक सुविधाओं को लेकर चर्चा की। वहीं भड़काउ या अश्लील गानों के प्रसारण की रोकथाम पर बल दिया। रामनवमी तथा मोहर्रम इंतजामिया कमेटी, मुहर्रम अखाड़ा समिति, सरहुल समिति के सदस्यों, मीडिया कर्मियों आदि ने भी प्रशासन को कई सुझाव दिए। वहीं प्रशासनिक टीम को पूर्ण सहयोग देने, असमाजिक व अराजक तत्वों को चिन्हित करते हुए स्थानीय प्रशासन को सूचित करने का भरोसा दिया। प्रशासन ने भी लोगों के सुझाव पर अमल करते हुए बेहतर समन्वय के साथ सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

विधि व्यवस्था सुदृढ़ः पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने कहा कि पूरे जिले में विधि व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन की संयुक्त प्रयास से विशेष एहतियायत एवं निगरानी बरती जा रही है। प्रशासनिक टीम अलर्ट मोड में है, ताकि शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सभी त्योहार संपन्न कराया जा सके। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों, प्रबुद्धजनों एवं पूरे जिलेवासियों से शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि त्योहार के मद्देनजर धैर्य का परिचय दें और एक-दूसरे के साथ त्योहार की खुशियां बांटें। उन्होंने जुलूस निर्धारित मार्ग पर ही निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि जुलूस मार्ग एवं अन्य चिन्हित स्थानों पर सीसीटीवी से भी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि त्योहार के मद्देनजर सभी जगहों से फ्लैग मार्च निकाली जाएगी। उपद्रवी एवं असमाजिक तत्वों पर प्रशासन की टीम पूरी सख्ती बरतेगी। उन्होंने कहा कि त्योहार के मद्देनजर जिला बल के अतिरिक्त सीआरपीएफ जवान की भी तैनाती की जा रही है। वहीं होमगार्ड के जवान भी लगाये गयें हैं। पुलिस अधीक्षक ने रामनवमी एवं सरहुल समिति के सदस्यों से त्योहार समाप्ति के उपरांत झंडा को सम्मान तरीके से उतरवाने की भी अपील की।

डिजिटल व इंटरनेट मीडिया पर पैनी नजर

उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि त्योहार के मद्देनजर वाट्सएप, फेशबुक, इंस्ट्ग्राम, एक्स, युट्यूब, वेबसाइट, पोर्टल जैसे डिजिटल और इंटरनेट मीडिया पर प्रशासन की पैनी नजर है। डिजिटल और इंटरनेट मीडिया की सूक्ष्मता से कई स्तरों पर निगरानी रखी जा रही है। किसी शरारती या असामजिक तत्वों द्वारा अफवाह फैलाने की कोशिष करने की स्थिति में संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने सोशल मीडिया के एडमिन से सोशल मीडिया का सावधानी पूर्वक प्रयोग करने एवं इसके दुरूपयोग से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी तरह के अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। भ्रामक और अपुष्ट खबरों का सत्यान प्रशासन से जरूर कराएं, ताकि जिले में सामाजिक सौहार्द का वातावरण बना रहे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने मीडिया एवं सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स के प्रतिनिधियों से भी अपील किया कि कोई भी सूचनाएं आती है, तो उसका सत्यापन करें। इसके उपरांत प्रसारण एवं फारवर्ड योग्य सूचनाएं ही प्रसारित करें।

एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड की रहेगी व्यवस्था

त्योहार के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग की ओर से एंबुलेंस की तैनाती की जाएगी। साथ ही एंबुलेंस को थानों से टैग किया जाएगा। चालक का नाम व नंबर नजदीकी थाना में रहेगी, ताकि समस्या होने पर संबंधित को तत्काल संबंधित अस्पताल तक पहुंचाया जा सके। एंबुलेंस चालकों से भी अपील किया गया है कि वे अपनी एंबुलेंस पर ही रहें। एंबुलेंस छोड़कर यत्र-तंत्र नहीं रहें। उपायुक्त ने स्वास्थ्य केन्द्रों को खोलने का निदेश दिया है, ताकि प्राथमिक उपचार कराया जा सके। उन्होंने कहा कि कुछ निजी अस्पतालों को भी चिन्हित किया जा रहा है। उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जुलूस वाले क्षेत्रों में फायर ब्रिगेड की वाहन व टीम भी रहेगी।

नियंत्रण कक्ष से होगी निगरानी

उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि त्योहार के मद्देनजर नियंत्रण कक्ष बनाया जा रहा है। इसके नोडल पदाधिकारी अपर समाहर्ता होंगे।

घर के छत एवं सड़क पर नहीं रखें बिल्डिंग मैटेरियल

उपायुक्त ने शांति समिति की बैठक में कहा कि किसी भी व्यक्ति के छत पर या जुलूस मार्ग पर किसी तरह की बिल्डिंग मैटेरियल नहीं रहनी चाहिए। इसे संबंधित व्यक्ति खुद हटवाना सुनिश्चित करें, नहीं तो प्रशासन की ओर से इसे हटवाने की कार्रवाई की जाएगी।

चलंत शौचालय, पेयजल व जेनरेटर की होगी व्यवस्था

रामनवमी, ईद व सरहुल को लेकर मेदिनीनगर नगर निगम ने भी तैयारी की है। नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने बताया कि ईद को लेकर ईदगाह एवं मस्जिद के समीप पानी टैंकर से जलापूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। वहीं रामनवमी की जुलूस को लेकर पेयजल एवं चलंत शौचालय की व्यवस्था की गई है, जो शहर के विभिन्न स्थानों पर रहेगी। शहर की सफाई व्यवस्था एवं स्ट्रीट लाइट, लाइट को सुदृढ़ किया गया है। सड़क के किनारे से बिल्डिंग मैटेरियल एवं कचरा का निस्तारण की व्यवस्था की गई है। साथ ही नालियों की साफ-सफाई निरंतर जारी है। ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया जा रहा है। रामनवमी जुलूस के दिन शहर में विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। इसे लेकर नगर निगम की ओर से अलग-अलग स्थानों पर जेनरेटर की व्यवस्था की गई है।

प्लास्टिक का नहीं करें प्रयोग, यूजलेस चीजों को डस्टबिन में डालें

नगर आयुक्त ने सभी भंड़ारा समिति, समाजसेवी से अपील किया है कि वे भंडारा या खाद्य पदार्थ के वितरण से संबंधित जहां भी स्टॉल लगाएं। पर्याप्त मात्रा में डस्टबिन रखें। नगर निगम की ओर से पर्याप्त मात्रा में डस्टबिन की व्यवस्था की जा रही है, ताकि समाज में स्वच्छ शहर का संदेश जाए। उन्होंने आम लोग एवं समिति के सदस्यों से अपील किया है कि यूजलेस सामग्री यथा पत्तल, ग्लास, दोना आदि यत्र-तत्र न फेंककर डस्टबिन में डालना सुनिश्चित करें। उन्होंने प्लास्टिक का उपयोग वर्जित किया है। उन्होंने इन सबों का प्रयोग नहीं करने संबंधित जागरूकता बैनर अपने स्टॉल पर लगाते हुए लोगों को जागरुक करने एवं यूजलेस सामग्री को डस्टबिन में डलवाने की अपील की है। बैठक में उपायुक्त शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, नगर आयुक्त जावेद हुसैन, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, मेदिनीनगर जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्य, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्तियों, रामनवमी तथा मुहर्रम इंतजामिया कमेटी, मुहर्रम अखाड़ा समिति एवं सरहुल समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों ने भाग लिया।

आदिवासी महिला सामूहिकता 2025 : पारंपरिक ज्ञान और सशक्तिकरण का उत्सव

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आदिवासी महिला सामूहिकता, तोरपा ग्रामीण विकास समिति फॉर वीमेन (ळप्ब्ल्ह) की एक पहल है, जिसे स्थानीय रूप से महिला विकास केंद्र तोरपा के रूप में जाना जाता है। यह परिवर्तनकारी कार्यक्रम आदिवासी महिला नेताओं, विशेषज्ञों और सामाजिक परिवर्तनकताओं को एक मंच पर लाएगा ताकि वे आदिवासी संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान और जमीनी सशक्तिकरण का जश्न मना सकें।

यह दिनभर चलने वाला कार्यक्रम मुख्य भाषणों, पैनल चचाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विशेषज्ञ वाताओं से भरा होगा, जो महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, आजीविका और आदिवासी विरासत के संरक्षण पर केंद्रित होगा। हमारा उद्देश्य आदिवासी समुदाय के छिपे हुए ज्ञान को सामने लाना और भूली-बिसरी परंपराओं और कहानियों को पुनर्जीवित करना है। इस आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में कल्पना मुर्मू सोरेन, विधायक, गांडेय, झारखंड द्वारा दिया जाने वाला मुख्य भाषण शामिल है, जिसमें वे सामुदायिक विकास में आदिवासी महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालेंगी। आजीविका के अवसरों, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा पर केंद्रित पैनल चचाएँ भी आयोजित की जाएंगी। अनुराधा कंदला, जो कोरापुट, ओडिशा की एक वस्त्र विशेषज्ञ हैं, पारंपरिक वस्त्रों पर एक सत्र का नेतृत्व करेंगी, जबकि डॉ. वासवी किरो पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर एक विशेषज्ञ वार्ता देंगी। इस आयोजन में आदिवासी समुदाय की आजीविका परंपराओं की प्रदर्शनी भी होगी, जिसमें जंगली खाद्य पौधे, बीज, फूल, फल, पारंपरिक व्यंजन और अन्य वस्तुएं प्रदर्शित की जाएंगी। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा बांस से बने हस्तशिल्प और लाख की चूड़ियों के निर्माण का लाइव प्रदर्शन भी किया जाएगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बेलकिडुरा गाँव, रानिया ब्लॉक के स्वयं सहायता समूह द्वारा आदिवासी नृत्य और स्थानीय युवाओं द्वारा महान बिरसा मुंडा पर आधारित एक नाटकीय प्रस्तुति भी शामिल होगी।

हादसे के बाद ट्रक में लोड कोयला दिनभर सुलगता रहा

गुमला/पालकोट/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पालकोट थाना क्षेत्र में गुमला-सिमडेगा नेशनल हाईवे -23 पर मंगरमुहा मोड़ के समीप बुधवार देर शाम दो ट्रकों के बीच भीषण टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई। इस घटना कोयला लदे ट्रक के चालक कुबेर गोस्वामी की जल कर मौत हो गई थी। हादसे के बाद रात 8.40 बजे दमकल की टीम मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद ट्रकों में लगी आग को बुझा दिया। हालांकि, ट्रक में लोड कोयला दिनभर सुलगता रहा और उससे धुआं उठता रहा। गुरुवार को पालकोट पुलिस ने ट्रक के जले हुए केबिन से ड्राइवर के शव अवशेष निकालकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया। वहीं एफएसएल रांची की टीम ने भी घटना स्थल से ड्राइवर के अस्थि अवशेष एकत्रित कर जांच के लिए रांची भेजा। इस दर्दनाक हादसे के बाद चालक के परिवार पर गम का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे की खबर सुनकर परिजन गुमला पहुंचे थे। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के अंबा से कोयला लोड कर उक्त जमशेदपुर के लिए निकला था। बुधवार रात करीब 8 बजे पालकोट की ओर से आ रही खाली ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई। कोयला लदे ट्रेलर का चालक कुबेर गोस्वामी केबिन में फंस गया और बाहर नहीं निकल सका, जिससे वह आग में जलकर मौत के शिकार हो गया।

संक्षिप्त समाचार

जेई एवं एईएस से निबटने के लिए की गई तैयारियों को लेकर राज्यस्तरीय टीम ने किया निरीक्षण

सीवान/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जेई और एईएस से प्रभावित बिहार के पांच जिलों मुजफ्फरपुर, सीवान, गोपालगंज, पूर्वी चंपारण और पश्चिम चंपारण में सीवान भी शामिल है जहां हाल के वर्षों में सबसे अधिक प्रभावित रहे हैं.जेई एवं एईएस से निबटने के लिए की गई तैयारियों की चार सदस्यीय राज्यस्तरीय वरीय चिकित्सा पदाधिकारियों के नेतृत्व में विशेषज्ञ दल ने शनिवार को सदर अस्पताल का निरीक्षण किया.जांच टीम ने सदर अस्पताल के जेई एवं एईएस वार्ड का निरीक्षण किया.निरीक्षण के दौरान जेई एवं एईएस के इलाज में महत्वपूर्ण 80 बिंदुओं पर एक-एक कर जांच किया.जांच टीम के सदस्यों ने इलाज में काम आने वाले 16 तरह के उपकरणों एवं 44 तरह की दवाओं को उपलब्धता की एक एक कर जांच किया.जांच टीम के सदस्यों ने उपलब्ध दवाओं एवं उपकरणों पर संतोष जताया.उन्होंने बताया को जेई और एईएस की इलाज की सुविधाओं में जो कमी पाई गई है उसे सिविल सर्जन द्वारा शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया है.टीम के सदस्यों ने सदर अस्पताल में उपलब्ध एंबुलेंस सेवाओं की भी जांच किया.जांच के दौरान एंबुलेंस में उपलब्ध लाइफ स्पोर्ट सिस्टम एवं दवाओं की उपलब्धता की जांच किया.एंबुलेंस के ईएमटी से पूछा कि जेई और एईएस से संक्रमित बच्चों को रेफर की स्थिति में उच्च संस्थान ले जाने के संबंध में संबंधित संस्थान द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है कि नहीं.जांच टीम के सदस्यों ने सदर अस्पताल में टेलीफोन सुविधा सहित मे आई हेल्प यू काउंटर खोलने का दिया निर्देश दिया.साथ ही अस्पताल परिसर में जेई और एईएस बीमारी की जागरूकता से संबंधित पोस्टर लगाने का निर्देश दिया.टीम के सदस्यों ने विशेष परिस्थिति में बच्चों को रेफर किए जाने की अतिथि में एंबुलेंस चालकों का मोबाइल नंबर अस्पताल परिसर में प्रदर्शित करने का निर्देश दिया.जांच टीम में स्वास्थ्य सेवाएं की अपर निदेशक डॉ संस्कृति सिन्हा बरियार,राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ विजेता सिंह,पदस्थापन की प्रतिक्षा में सचिवालय में तैनात शिशु रोग विशेषज्ञ पदाधिकारी डॉ समीर कुमार एवं डॉ मिथुन कुमार शामिल थे.जांच के दौरान सिविल सर्जन डॉ श्रीनिवास प्रसाद,जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ ओम प्रकाश लाल,सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ अनिल कुमार सिंह, आईडीएसपी के मेडिकल ऑफिसर डॉ विकास कुमार एवं डीपीएम विशाल कुमार सिंह सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे.

हुसैनगंज प्रखंड के सभी प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में वार्षिक मूल्यांकन की प्रगति पत्र का वितरण

हुसैनगंज/सिवान/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार सरकार शिक्षा विभाग के निदेशानुसार शनिवार को कक्षा 1 से 8 तक में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की वार्षिक मूल्यांकन का रीजल्ट प्रखंड के सभी विद्यालयों में प्रकाशित किया गया. रीजल्ट प्रकाशन के दौरान सभी बच्चों के अभिभावकों को विद्यालय में आमंत्रित किया गया था. विद्यालय के प्रांगण में सभी बच्चों और अभिभावकों के समझ रीजल्ट विद्यालय के प्रधानाध्यापक और वर्ग शिक्षकों ने प्रगति पत्र का वितरण किया. इस संदर्भ में प्रखंड के उमवि कुतुबछपरा उर्दू में अपने बच्चों की प्रगति पत्र प्राप्त करने के लिए अभिभावक के रूप में महिलाओं की संख्या अधिक रही. इस अवसर पर प्रधानाध्यापक मो हसमुद्दीन ने वर्ग 1 से 8 तक के टॉप 5 बच्चों को अभिभावकों के साथ प्रगति पत्र वितरण किया. वहीं वर्ग 7 के वर्ग शिक्षक अभिनन्दन कुमार ने अपने वर्ग के छात्र व छात्राओं के साथ फोटो सूट करते हुए उन्हें अच्छे मार्क्स मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामनायें की. इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं ने वर्ग 8 के छात्र व छात्राओं को प्रगति पत्र वितरण करते हुए उन्हें उच्च माध्यमिक विद्यालय में नामांकन कराने के लिए शुभकामनाएँ दी तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामनायें की. इस अवसर पर सभी बच्चें और उनके अभिभावक बहुत खुश नजर आये.

रामनवमी उत्सव को जनरल युगल किशोर ने दिया है नया मुकाम : नवदीप सिंह ऋषि

खुला मंच ने रामनवमी कमिटी को किया सम्मानित



मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप सामाजिक संस्था ने रामनवमी उत्सव के अवसर पर शनिवार को श्री महावीर नवयुवक दल जेनरल के कमेटी को सम्मानित किया। जेनरल अध्यक्ष युगल किशोर के आवास पर खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप के पदाधिकारी व सदस्यों ने रामनवमी कमेटी के सभी सदस्यों को सम्मानित किया। खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप के रामनवमी उत्सव प्रभारी अमित सिन्हा व सह प्रभारी हिमांशु शेखर के नेतृत्व में जेनरल अध्यक्ष युगल किशोर को खुला मंच ने मोमेंटो प्रदान कर, शॉल ओढ़ाकर व पगड़ी पोशी कर सम्मानित किया। इसके साथ ही रामनवमी कमेटी के सभी सदस्यों को माल्यार्पण व पगडीपोशी कर सम्मानित किया गया। खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप के अध्यक्ष नवदीप सिंह ऋषि ने कहा कि डालटनगंज के रामनवमी उत्सव को युगल किशोर ने एक नया मुकाम दिया है। मंच के कोषाध्यक्ष राहुल मिश्रा ने कहा कि मंच के द्वारा रामनवमी कमेटी को आश्वस्त किया गया कि मंच के सभी पदाधिकारी व सदस्य पूरे रामनवमी उत्सव में वोलेंटियर के रुप में मौजूद रहेंगे। मंच के सह कोषाध्यक्ष रितेश कुमार टिंकू ने कहा कि डालटनगंज का रामनवमी उत्सव अपने विविधता के लिए प्रसिद्ध है। इस वर्ष युगल किशोर के जेनरल अध्यक्ष पुनः बनने से रामनवमी उत्सव में एक नया उत्साह का संचार हुआ है। सम्मान समारोह के दौरान नवीन तिवारी, अरविंद अग्रवाल, टिवंकल गुप्ता, विजय प्रसाद, बबलू चावला, मनीष ओझा, अनिमेष सिंह, नीरज राज, मन्नत सिंह बग्गा, पद्माकर वर्मा, सुमीत पाण्डेय(झबलु), शशि कांत आरडी, नीतिन आलोक व संजीव सिंह सहित कई सदस्य मौजूद थे।

जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन-सह-सीएचओ सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

दीप प्रज्जवलित कर उपायुक्त ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ



ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने में स्वास्थ्य साहिया एवं सिएचओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का उपायुक्त ने की सराहना, मंच पर आमंत्रित कर किया सम्मानित

खूँटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर भवन खूँटी के सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति खूँटी द्वारा जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन-सह-सीएचओ सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सिविल सर्जन द्वारा स्वागत भाषण देते हुए उपायुक्त समेत उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। वहीं दीदियों द्वारा भी पारंपरिक रूप से स्वागत करते हुए स्वागत गान गया गया। उपायुक्त ने अपने संबोधन में स्वास्थ्य सेवाओं में सहियाओं एवं सीएचओ की भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने में आपकी अहम भूमिका होती है। आप स्वस्थ विभाग की रीड़ की हड्डी के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने सभी स्वास्थ्य साहिया एवं सिएचओ को आगे भी और समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी और सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने हर सप्ताह आयोजित होने वाले श्लरठऊ डे के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने में स्वास्थ्य साहिया एवं सिएचओ की भूमिका पर भी बल दिया, जिससे किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ मिल सके। उपायुक्त ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन का यह प्रयास है कि ग्राम स्तर तक लोग स्वास्थ्य विभागके योजनाओं का लाभ ले सके, कई बार जागरूकता की कमी के कारण लोग सरकारी योजनाओं का लाभ नही ले पाते है, इसलिए आप अपने अपने क्षेत्र में लोगों को जागरूक भी करें। इस अवसर पर स्वास्थ्य सहियाओं, सीएचओ एवं जैस के अध्यक्ष को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु उपायुक्त द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यों की प्रशंसा करते हुए सभी को प्रमाणपत्र, सील्ड एवं पुरुस्कार भेंट किया गया। वहीं सम्मेलन के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं जैसे अनीमिया मुक्त भारत, सिकल सेल समेत अन्य के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी देते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिविल सर्जन डॉ एन मांझी, आईईसी नोडल डॉ लाल मांझी, राज्य प्रशिक्षण समन्वयक डॉ मनीर अहमद समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

लूटपाट की योजना बनाते हथियार के साथ चार गिरफ्तार

बगहा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पुलिस ने लूट की योजना को लेकर एकत्र हो रहे अपराधियों के गिरोह का पुलिस ने उद्भेदन किया है। नगर थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक नंबरा रोड से लूट को लेकर एकत्र हो रहे तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के निशानदेही पर पुलिस ने इस गिरोह के दो अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। ये सभी अपराधी बाल्मीकिनगर एवं पटखौली थाना क्षेत्र के लुट एवं चोरी के मामले में संलिप्त है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने बाइक, अवैध आर्म्स कारतूस, मोबाइल, बरामद किया । एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी नगर थाना क्षेत्र के एक नंबरा रोड में अपराधी घटना को अंजाम देने के लिए एकत्र हो रहे हैं। मिली सूचना के आलोक में एसडीपीओ कुमार देवेंद्र के नेतृत्व में गठित एसआईटी के टीम के द्वारा छापेमारी की गई। जिसमें तीन अपराधी संजय यादव,अनिल कुमार ,गोलू कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ में दो अन्य अपराधी के नाम की भी खुलासा हुआ है। इस प्रकार पुलिस ने लूट के गिरोह का उद्वेदन किया है। एसपी ने बताया कि इन अपराधियों पर बाल्मीकि नगर थाना में एक,पटखौली में दो एवं बगहा थाने में एक मामला दर्ज है। एसपी ने बताया कि बाल्मीकि नगर में सीमेंट व्यवसाई से हुई 1.88 लाख लूट मामले में भी यह अपराधी शामिल थे। पूछताछ में अपराधियों ने इन कांडों में अपनी संलिप्त भी स्वीकार की है। एवं उनसे पूछताछ में कई अन्य अपराधियों की भी पहचान हुई है। जिनकी शीघ्र की गिरफ्तारी की जाएगी।एसपी ने बताया कि अभियान में शामिल एसडीपीओ कुमार देवेंद्र, पुलिस इंस्पेक्टर सह नगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, एसआई दिलीप सिंह, एसआई अनीश कुमार,एसआई मोहित कुमार,एसआई उत्तम कुमार,एसआई उत्पल कांत,एएसआई इक्केद्दार अहमद,एएसआई शिवकुमार एवं थाना रिजर्व गार्ड को रिवॉर्ड भी दिया जाएगा।

मशरक में भीषण आग, चार घर राख, लाखों की संपत्ति खाक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



छपरा (सारण)। मशरक के सोनौली पंचायत के वार्ड संख्या 13, सिकटी खजाहा टोला पचरूखवा गांव में आग लगने से दलित समुदाय के चार परिवारों का घर जलकर राख हो गया। इस अग्निकांड में नगदी समेत लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। बताया गया है कि आग से लक्ष्मण राम, बहारण राम, द्वारिका राम और गणेश राम के घर पूरी तरह जल गए। पीड़ित परिवारों ने बताया कि आग कैसे लगी, इसका पता नहीं चल सका। घटना के समय सभी लोग सो रहे थे, तभी अचानक आग की लपटें उठने लगीं। जब तक लोग कुछ समझ पाते और आग पर काबू पाया जाता, तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। लक्ष्मण राम ने बताया कि उनकी बेटी की शादी के लिए रखा गया सारा सामान और 56 हजार रुपये नकद भी आग की चपेट में आ गए। अन्य पीड़ितों के घरों में रखा अनाज, कपड़े, बिस्तर, चौकी समेत तमाम सामान जलकर नष्ट हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। वहीं प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू व सोनौली पंचायत के मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिया।

देश में बैंकों की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई

● उनका कहना है कि बैंकों के पास डिपॉजिट कम होती जा रही है ● यह स्थिति देश के बैंकिंग बिजनस मॉडल के लिए खतरा बन जाएगी



नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की अगले कुछ दिनों में मीटिंग होने वाली है। माना जा रहा है कि इसमें रेपो रेट में फिर कटौती हो सकती है। इस बीच एशिया के सबसे अमीर बैंकर उदय कोटक ने बैंकों के सामने आ रही एक बड़ी समस्या के बारे में बताया है। उन्होंने कहा है कि बैंकों के पास जमा राशि कम होती जा रही है। इससे बैंकों को नुकसान हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी है कि कम लागत वाली रिटेल जमा की वृद्धि धीमी होने से, बैंक महंगे बल्क डिपॉजिट का सहारा ले रहे हैं और नेगेटिव मार्जिन पर उधार दे रहे हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर उदय कोटक ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अगर डिपॉजिट की कमी जारी रहती है, तो यह बैंकिंग बिजनस मॉडल के लिए खतरा बन जाएगी। इसका मतलब है कि अगर बैंकों के पास जमा करने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं होंगे, तो उनका काम करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़े बैंक अभी 8 प्रतिशत ब्याज दर पर थोक जमा स्वीकार कर रहे हैं, जिससे मामूली जमा लागत 9 प्रतिशत से अधिक हो जाती है। इसका मतलब है कि बैंकों को थोक जमा पर 8 प्रतिशत ब्याज देना पड़ रहा है, जिससे उनकी लागत बढ़ रही है।

क्या है समस्या

उन्होंने बताया कि बल्क डिपॉजिट पर 8 प्रतिशत के अलावा और भी खर्चे हैं। जैसे कि सीआरआर (कैश रिजर्व रेशियो)। सीआरआर का मतलब है कि बैंकों को अपनी जमा राशि का कुछ हिस्सा रिजर्व बैंक के पास रखना होता है, जिस पर उन्हें कोई ब्याज नहीं मिलता। इसके अलावा, एसएलआर (स्टैचुटरी लिक्विडिटी रेशियो), डिपॉजिट इंश्योरेंस और प्रायोरिटी सेक्टर के लक्ष्य भी हैं। एसएलआर का मतलब है कि बैंकों को अपनी जमा राशि का कुछ हिस्सा सरकारी बॉन्ड में निवेश करना होता है। डिपॉजिट इंश्योरेंस का मतलब है कि अगर बैंक डूब जाता है, तो जमाकर्ताओं को उनकी जमा राशि का कुछ हिस्सा वापस मिल जाएगा। प्रायोरिटी सेक्टर के लक्ष्य का मतलब है कि बैंकों को अपनी लोन का कुछ हिस्सा कुछ खास सेक्टरों को देना होता है। इनमें कृषि और छोटे बिजनस शामिल हैं। कोटक ने कहा कि इन खर्चों के बावजूद बैंक 8.5 प्रतिशत की फ्लोटिंग रेट पर होम लोन दे रहे हैं, जबकि उनकी उधार लागत 9 प्रतिशत है। इससे उन्हें 0.5 प्रतिशत का नुकसान हो रहा है। इसका मतलब है कि बैंक होम लोन पर जितना ब्याज ले रहे हैं, उससे ज्यादा उन्हें उधार लेने पर देना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे बैंकिंग सिस्टम में रिटेल डिपॉजिट धीरे-धीरे बढ़ रही है और रेपो रेट के और गिरने की उम्मीद है। रेपो रेट वह दर है जिस पर रिजर्व बैंक बैंकों को उधार देता है। इससे लागत और उधार दरों को मैनेज करने की चुनौती बनी रहेगी। यानी बैंकों के लिए अपनी लागत को कम रखना और उधार दरों को बढ़ाना मुश्किल होगा। ज्यादातर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अप्रैल में पॉलिसी रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती हो सकती है। इससे पहले फरवरी में इसे घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया गया था। कोटक 1 अगस्त 2002 से 1 सितंबर 2023 तक कोटक महिंद्रा बैंक के एमडी एंड सीइओ रहे। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 16.2 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 129वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 2.28 अरब डॉलर की तेजी आई है।

पूंजी बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी

रुपये की जोरदार वापसी, डॉलर के मुकाबले 6 साल की सबसे बड़ी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों की वापसी के बाद रुपये ने गिरावट को पीछे छोड़ते हुए जोरदार वापसी की है।मार्च में भारतीय रुपये में डॉलर की तुलना में छह साल की सबसे बड़ी मासिक तेजी देखने को मिली।इस दौरान यह 2.17 फीसदी बढ़कर 85.50 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले नवंबर, 2018 में रुपये में पांच फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी रही थी। भारतीय मुद्रा शुक्रवार को 24 पैसे बढ़त में बंद हुई।

आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में रुपया दो फीसदी से अधिक टूट गया है।2 अप्रैल, 2024 को यह डॉलर की तुलना में 83.42 पर था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया, पूंजी बाजार में विदेशी निवेशकों की मार्च में वापसी हुई है। इससे घरेलू मुद्रा में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पिछले छह लगातार कारोबारी सत्रों में विदेशी निवेशकों ने 32,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय



बाजार में भारतीय मुद्रा 85.64 के स्तर पर खुली। दिन के कारोबार के दौरान इसने 85.40 का उच्चतम स्तर और 85.70 का निम्नतम स्तर छुआ।

इस महीने सिर्फ 3,973 करोड़ रुपये की निकासी

मार्च के पहले और दूसरे सप्ताह तक शेयर बाजार में भारी बिकवाली करने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अब निकासी बंद कर दी है। इस वजह से इस महीने में घरेलू बाजार से सिर्फ 3,973 करोड़ रुपये निकाले गए हैं। इससे पहले जनवरी में 78,027 करोड़ व फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे। इस तरह, चालू कैलेंडर वर्ष में जनवरी से अब तक 1.16 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई है।

सोना नए शिखर पर, एक साल में 35 प्रतिशत महंगा

विदेशी बाजारों में बहुमूल्य धातुओं में तेजी के बीच घरेलू बाजार में सोना पहली बार 92,000 के पार पहुंच गया ।लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रखते हुएसोना शुक्रवार को दिल्ली सराफा बाजार में 1,100 रुपये महंगा होकर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के नएशिखर पर पहुंच गया ।चांदी 1,300 रुपये महंगी होकर 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंच गई। चांदी की कीमत 19 मार्च, 2025 को 1,03,500 रुपये प्रति किलोग्राम के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। सोना चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 23,730 रुपये या 35 फीसदी महंगा हुआ है ।एक अप्रैल, 2024 को यह 68,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप के वाहन आयात शुल्क और यूरोपीय संघ-कनाडा के खिलाफ टैरिफ को लेकर चेतावनी ने सुरक्षित निवेश की मांग को तेज कर दिया। वैश्विक स्तर पर तनाव और केंद्रीय बैंक की मजबूत खरीद के कारण इस महीने सोने की कीमतों में करीब 8.2 फीसदी की वृद्धि हुई है।

सिंधिया बोले: दूरसंचार तकनीक बनाने में टॉप 5 देशों में भारत

बीएसएनएल देश में लगाएगा एक लाख स्वदेशी 4जी टावर



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया के शीर्ष-5 देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास अपनी दूरसंचार तकनीक है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, भारत से पहले यह तकनीक सिर्फ चीन, फिनलैंड, स्वीडन और दक्षिण कोरिया के पास है। हमारा लक्ष्य भारत के वैश्विक 6जी मानकों में कम-से-कम 10 फीसदी योगदान देना है।

सिंधिया ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा, दुनियाभर में दूरसंचार कंपनियों का विलय हो रहा है। लेकिन, हमारे यहां चार कंपनियां हैं। 2014 में देश में 90 करोड़ मोबाइल ग्राहक थे। आज यह संख्या 1.2 अरब से ज्यादा हैं। तब 25 करोड़ लोग इंटरनेट से जुड़े थे और अब 97 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं। 2014 में 6 करोड़ लोगों के पास ब्रॉडबैंड इंटरनेट था, जिनकी संख्या आज 94 करोड़ पहुंच गई है। यह अमेरिका की कुल आबादी से ज्यादा है। मंत्री ने कहा, भारत संचार निगम लि. (बीएसएनएल) देशभर में ऐसे एक लाख स्वदेशी 4जी मोबाइल टावर लगा रही है, जिन्हें 5जी में बदला जाएगा। यह काम जून तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। यह आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत किया जा रहा है।

सिंधिया ने बताया, सरकार की ओर से डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डीटीडी) सैटेलाइट मैसेजिंग सेवाएं शुरू की गई हैं। इस तकनीक में स्मार्टफोन से तब भी मैसेज भेजे जा सकते हैं, जब वह नेटवर्क से कनेक्ट न हो। तब कनेक्टिविटी सीधे सैटेलाइट से मिलने लगती है, न कि मोबाइल टावर से। हमारे पास 100 5जी टेस्ट बेड, 6जी टेस्ट बेड और भारत 6जी अलायंस है, जो अमेरिका, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ सहयोग कर रहा है।

स्टारलिंक के अलावा कई कंपनियां लाइन में

दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, भारत में उपग्रह संचार सेवाएं शुरू करने के लिए न सिर्फ एलन मस्क की स्टारलिंक ने आवेदन किया, बल्कि कई अन्य कंपनियों ने भी रुचि दिखाईहै।उपग्रह सेवाएं मौजूदा संचार नेटवर्क की पूरक होंगी।ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों को कवर करने में मदद करेंगी। सिंधिया ने कहा, हमने उपग्रह संचार सेवाओं के लिए पहले ही दो कंपनियों को लाइसेंस दे दिए हैं। एक रिलायंस को और दूसरा भारती एयरटेल को।

44 अरब में खरीदा और 33 अरब में बेच दिया...

मस्क ने एक्स को अपनी ही एआई कंपनी को बेच दिया



नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स यानी ट्विटर को अपनी ही एआई कंपनी एक्सएआई को बेच दिया है। यह डील पूरे 33 अरब डॉलर में हुई है। यह डील शेयरों में हुई है। मस्क ने कुछ साल पहले ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था और इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया था। इसके बाद उन्होंने एक्स को प्राइवेट कंपनी बना दिया था। दोनों ही कंपनियां प्राइवेट हैं। इसलिए उन्हें अपनी कमाई के बारे में सबको बताने की कोई जरूरत नहीं है। मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। मस्क ने लिखा कि इस कदम से एक्सएआई की एआई तकनीक और एक्स के बड़े नेटवर्क को मिलाकर बहुत फायदा होगा। इस डील में एक्सएआई की वैल्यू 80 बिलियन डॉलर और एक्स की वैल्यू 33 बिलियन डॉलर आंकी गई है। मस्क दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं। वह टेस्ला और स्पेक्स के सीइओ हैं और साथ ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार भी हैं। उन्होंने 2022 में ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था। फिर उन्होंने कंपनी के कई कर्मचारियों को निकाल दिया। साथ ही, हेट स्पीच, गलत जानकारी और यूजर वेरिफिकेशन से जुड़े नियमों में भी बदलाव किए। इसके बाद ट्विटर का नाम बदलकर एक्स कर दिया गया। मस्क ने एक्सएआई को 2023 में शुरू किया था।

क्या होगा फायदा

मस्क ने एक्स पर लिखा, एक्सएआई और एक्स का भविष्य एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। आज, हम डेटा, मॉडल, कंप्यूटिंग पावर, डिस्ट्रीब्यूशन और टैलेंट को मिलाने का कदम उठा रहे हैं। इस मेल से एक्सएआई की एआई क्षमता और एक्स के बड़े नेटवर्क को मिलाकर बहुत फायदा होगा।

ट्रंप के टैरिफ से पहले अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी गूगल को भारी राहत! घट गया जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी गूगल पर लगाए गए जुर्माने को घटा दिया। कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया ने गूगल पर प्ले स्टोर पॉलिसी के जरिए अपनी दबदबे वाली स्थिति का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। एनसीएलएटी ने सीसीआई के फैसले को सही तो माना, लेकिन जुर्माने की रकम 936.44 करोड़ रुपये से घटाकर 216 करोड़ रुपये कर दी। एनसीएलएटी ने शुक्रवार को प्रतिस्पर्धा आयोग सीसीआई के इस निष्कर्ष को बरकरार रखा कि कंपनी की ऐप स्टोर नीति डेवलपरों के लिहाज से अनुचित और प्रतिबंधात्मक है। हालांकि एनसीएलएटी ने सीसीआई की तरफ से गूगल पर लगाए गए 936.44 करोड़ रुपये के जुर्माने में भारी कटौती कर 216 करोड़ रुपये कर दिया। एनसीएलएटी ने 104 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि गूगल ने बाजार में अपनी प्रमुख स्थिति का दुरुपयोग किया है और कानून की धारा का उल्लंघन किया है।



हालांकि इसने यह भी कहा कि विभिन्न मापदंडों के आधार पर मोबाइल ऐप्स से 15 से 30 प्रतिशत सेवा शुल्क वसूलने में गूगल ने कोई उल्लंघन नहीं किया था। ट्रिब्यूनल के प्रमुख न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा कि कुछ धाराओं में गूगल का उल्लंघन साबित नहीं हुआ, लेकिन उल्लंघन के सबूत पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

दूसरे ऐप से भेदभाव

अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह भी कहा है कि गूगल भारत में यूपीआई के जरिये भुगतान की सुविधा देने वाले दूसरे ऐप के साथ कोई भेदभाव नहीं करेगा। हालांकि इसने सीसीआई के उस निर्देश को दरकिनार कर दिया जिसमें गूगल को अपने प्लेटफॉर्म पर एकत्र किए जाने वाले डेटा, ऐसे डेटा के उपयोग और डेटा को साझा किए जाने पर एक स्पष्ट और पारदर्शी नीति निर्धारित करने को कहा गया था।

जुर्माना घटाया

एनसीएलएटी ने कहा कि चूंकि गूगल ने पहले ही वर्तमान अपील में जुर्माने का 10 प्रतिशत जमा कर दिया है, लिहाजा उसे जुर्माने की शेष राशि आज से 30 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। इससे पहले 25 अक्टूबर, 2022 को प्रतिस्पर्धा आयोग ने गूगल पर अपने प्ले स्टोर से जुड़ी नीतियों के संबंध में अपनी प्रमुख बाजार स्थिति का दुरुपयोग करने के लिए 936.44 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इस फैसले को अल्फाबेट इंक और गूगल ने एनसीएलएटी के समक्ष चुनौती दी थी। एनसीएलएटी ने अपने फैसले में सीसीआई के उस निर्देश को बरकरार रखा है कि गूगल ऐप डेवलपरों को ऐप से खरीदारी या ऐप को खरीदने के लिए किसी भी तीसरे पक्ष की बिलिंग/ भुगतान प्रसंस्करण सेवाओं का उपयोग करने की अनुमति देगा। इसके अलावा गूगल ऐप डेवलपरों पर कोई एंटी-स्टीयरिंग प्रावधान नहीं लगाएगा और उन्हें अपने ऐप एवं पेशकशों को बढ़ावा देने के लिए उपयोगकर्ताओं के साथ संवाद करने से नहीं रोकेगा।

सिर्फ 1 लाख से शुरू किया काम

अब महीने में 1 लाख का टर्नओवर



नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई के 69 वर्षीय विद्याधरन नारायणन शहरी किसान हैं। उन्होंने सिर्फ एक लाख रुपये की पूंजी से अपना काम शुरू किया था। इसके लिए विद्याधरन ने ऑर्गेनिक माइक्रोग्रीन्स उगाने की यूनिट लगाई।

300 वर्ग फीट के सेटअप से यह शुरुआत हुई। अब इससे लगभग 1 लाख रुपये का मासिक टर्नओवर है। कम खर्च के कारण उन्हें 60,000 से ज्यादा का मुनाफा होता है। 2014 में सामाजिक क्षेत्र में लगभग तीन दशक बिताने के बाद विद्याधरन ने माइक्रोग्रीन्स की खेती शुरू की।

कम निवेश में टिकाऊ और ऑर्गेनिक खेती करने के लिए उन्होंने माइक्रोग्रीन्स को चुना। माइक्रोग्रीन्स बहुत छोटे पौधे होते हैं जिन्हें उगने के सात से नौ दिनों के भीतर काट लिया जाता हैं। ये अपने पोषक तत्वों और स्वाद के लिए जाने जाते हैं। आइए, यहां विद्याधरन नारायणन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

2014 में शुरू की माइक्रोग्रीन्स की खेती- विद्याधरन नारायणन ने 2014 में माइक्रोग्रीन्स की खेती शुरू की। उन्होंने यह काम सामाजिक क्षेत्र में 30 साल बिताने के बाद शुरू किया। वह कम लागत में टिकाऊ और ऑर्गेनिक खेती करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने माइक्रोग्रीन्स उगाने का फैसला किया। माइक्रोग्रीन्स छोटे पौधे होते हैं। इन्हें उगने के 7 से 9 दिन बाद काट लिया जाता है। ये बहुत पौष्टिक होते हैं। इनमें अच्छा स्वाद होता है।

25 वर्ग फीट की जगह से शुरुआत-

विद्याधरन ने अपने घर में 25 वर्ग फीट की जगह से शुरुआत की। उन्होंने सरसों, मेथी और ब्रोकली जैसी आम किस्मों के साथ प्रयोग किया। विद्याधरन नारायणन ने अपनी फसल पास के होटलों में बेची। 2017 तक उन्होंने अपने घर के अंदर 100 वर्ग फीट जगह में खेती शुरू कर दी। बाद में उन्होंने 1 लाख रुपये से कम में 300 वर्ग फीट का ग्रीन नेट शेड बनाया।

- **3,000 रुपये किलो तक कीमत-** विद्याधरन वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल करके माइक्रोग्रीन्स उगाते हैं। वह मूली, चुकंदर, पत्ता गोभी, फूलगोभी और ग्रीन टी की चार किस्मों सहित कई प्रकार के माइक्रोग्रीन्स पैदा करते हैं। हर हफ्ते लगभग 15 किलो (महीने में 60 किलो) फसल काटते हैं। इनकी कीमत 1,200 रुपये से 3,000 रुपये प्रति किलो तक होती है। यह कीमत माइक्रोग्रीन्स की किस्म पर निर्भर करती है। उनके ग्राहक मुख्य रूप से स्थानीय होटल और रेस्तरां हैं। वे इन ऑर्गेनिक माइक्रोग्रीन्स को सलाद, सैंडविच और अन्य व्यंजनों में इस्तेमाल करते हैं।
- **कम लागत में अच्छा मुनाफा-** विद्याधरन की सफलता दिखाती है कि माइक्रोग्रीन्स की खेती एक लाभदायक शहरी कृषि व्यवसाय हो सकता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जो कम जगह और कम निवेश में टिकाऊ और ऑर्गेनिक खेती करना चाहते हैं। माइक्रोग्रीन्स की खेती कम लागत में अच्छा मुनाफा देने वाला व्यवसाय है। उन्होंने 1 लाख रुपये से कम में 300 वर्ग फीट का सेटअप बनाया है। इससे उन्हें 60,000 रुपये से ज्यादा का मुनाफा होता है।

भंडारण सीमा का उल्लंघन करने वाली चीनी मिलों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नहीं मिलेगा योजनाओं का फायदा



नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार मासिक भंडारण सीमा से जुड़े आदेशों का उल्लंघन करने वाली चीनी मिलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने जमाखोरी रोकने और मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए सफेद/रिफाइंड चीनी के लिए मासिक भंडारण सीमा निर्धारित की है। अप्रैल के लिए यह 23.5 लाख टन है।

मंत्रालय ने शुक्रवार को मिलों को जारी निर्देश में कहा, कुछ समूह और व्यक्तिगत चीनी मिलें पूर्व में दी गई चेतावनियों के बावजूद बार-बार भंडारण नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। इस कारण नए और सख्त निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जो एक अप्रैल, 2025 से प्रभावी होंगे। नए निर्देशों के तहत, चीनी सत्र में कई बार उल्लंघन करने पर मिलों को अतिरिक्त चीनी जारी करने और सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया जाएगा। डीएफपीडी और डीएसवीओ की योजना का भी लाभ नहीं मिलेगा।

कार्रवाई = भविष्य में चीनी आवंटन पर लग सकता है प्रतिबंध- नियमों के पहली बार उल्लंघन करने पर बेची गई अतिरिक्त चीनी का 100 फीसदी अगले माह जारी होने वाली खेप से दंड स्वरूप काट लिया जाएगा। दूसरी बार उल्लंघन करने पर 115 फीसदी, तीसरे बार में 130 फीसदी और चौथी बार में 150 फीसदी की कटौती की जाएगी। बिना सूचना के कुल भंडार के 90 फीसदी से कम चीनी भेजने वाली मिलों को भविष्य में आवंटन पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। एथेनॉल खरीद आवंटन में भी कटौती की जा सकती है।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 29-03-2025 21:56 Page 1

त्योहारों को ले एक्टिव मोड में आयी पुलिस

अत्याधुनिक हथियारों से लैस पुलिस ने किया मॉक ड्रील



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। त्योहारों का सीजन आ रहा है। ईद, सरहुल और रामनवमी पर राजधानी रांची में कई आयोजन किए जाते हैं। ऐसे में रांची पुलिस प्रशासन का दायित्व बढ़ जाता है। त्योहारों के बीच किसी भी प्रकार की अनहोनी न घटे, इसके लिए रांची पुलिस तैयार है।

झारखंड की राजधानी रांची में ईद, सरहुल और रामनवमी भव्य रूप से मनाई जाती है। काफी तादाद में लोग रांची के सड़कों में अपने परिवारजनों के साथ निकलते हैं। ऐसे में असामाजिक तत्वों के द्वारा कोई अप्रिय घटना को अंजाम न दिया जाए, इसके लिए रांची पुलिस तैयारियों में जुट चुकी है।

रांची पुलिस लाइन में सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसके तहत पुलिस कर्मियों को ट्रेनिंग दी गई। कैसे असामाजिक तत्वों से निपटें। बता दें कि सरहुल और रामनवमी के अवसर पर शोभायात्रा निकाली जाती है। इस दौरान उपद्रवियों के द्वारा माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा सकती है। इसके लिए रांची पुलिस तैयार है। अत्याधुनिक हथियारों से लैश पुलिसकर्मियों ने मॉक ड्रिल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मॉक ड्रिल के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए रांची एसपी राजकुमार मेहता ने कहा, रांची की जनता शांति पूर्वक त्योहारों को माना पाए। इसके लिए पुलिस तत्पर है। साथ ही साथ उपद्रवियों को संदेश है कि अगर त्योहारों के दौरान रांची के माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया जाएगा तो उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। रांची पुलिस असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए तैयार है।

बता दें कि ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर स्पेशल ब्रांच ने अलर्ट जारी किया है। स्पेशल ब्रांच के अलर्ट में बताया गया है कि त्योहारों के दौरान असामाजिक तत्व नशीले पदार्थों का इस्तेमाल कर माहौल बिगाड़ने का कार्य कर सकते हैं।

1.55 लाख रुपये प्रति किमी प्रत्येक माह मुलाजिमों को भुगतान करते हैं गौ तस्कर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद के जीटी रोड़ पर होने वाले गोस्तकरी के अवैध कारोबार में पैसों का जबरदस्त खेल खेला जाता है। धनबाद जिला के तोपचांची से लेकर मैथन के बांगाल बार्डर तक 70 किलो मीटर की दूरी है और इसके लिए तस्कर 1.55 लाख रुपये प्रति किमी प्रत्येक माह का भुगतान करते हैं।

यानी हर दिन एक किलोमीटर पर 5100 रुपये का खर्च। कुल मिलाकर गोस्तकरी के लिए प्रत्येक माह 1.08 करोड़ रुपये इस रूट से जुड़े उन व्यक्तियों को दिया जाता है जो इस धंधे के लिए रूकावट बन सकते हैं।

जीटी रोड़ पर भुगतान दो तरीकों से होता है। पहला माहवार या फिर दैनिक। महावार भुगतान में बड़े मुलाजिम हैं, जबकि दैनिक भुगतान पाने वालों में वे लोग जो सड़क पर तैनात रहते हैं। यह भुगतान इलाके के क्षेत्रफल पर निर्भर है।

इसमें हरिहरपुर थाना का मधूपुर बाजार से चलकरी मोड़ तक 2.5 लाख रुपये, तोपचांची के चलकरी मोड़ से दयाबाद पहाड़ पुल तक तील

औसतन प्रत्येक दिन निकलती हैं 15 गाड़ियां

लाख, राजगंज के महतोटांड पुल से खरनी मोड़ ओवरब्रीज तक 2.5 लाख, बरवाअड्डा के खरनी ओवरब्रीज से भीतिया कांड्रा तक तीन लाख, गोविंदपुर के कांड्रा से बरवा पूर्व तक चार लाख, नरिसा के बरवापूर्व से लेकर मुग्मा एरिया आफिस तक पांच लाख, गलफरबाड़ी ओपी के मुग्मा एरिया आफिस के बाद से लेकर महुलबना बस्ती तक 2.5 लाख, और मैथन ओपी के महुलबना बस्ती से बंगाल बार्डर तक पांच लाख रुपये का खर्च आता है।

जबकि निरसा क्षेत्र के बड़े मुलाजिमों पर 6.5 लाख का खर्च है। इसके अलावा पशु क्रूरता न हो के नाम पर वाहनों को रोकने वालों को एक माह के लिए 22 लाख से अधिक का भुगतान किया जाता है।

साथ ही इन सब के उपर वालों को मैनेज करने के लिए 40 लाख रुपये दिए जाते हैं। इतना ही नहीं अन्य खर्चों में वैसे लोग जो जीटी रोड़ पर तैनात रहते हैं उन्हें प्रत्येक वाहन के लिए 300 रुपये निर्धारित किया गया है। कुछ अन्य लोग भी हैं जिन्हें माहवार राशि निर्धारित की गई है।

गोस्तकरी के लिए वैसे गाड़ियों की कोई संख्या निर्धारित नहीं है। कंटेनर, डाला ट्रक, पिकअप समेत अन्य वाहनों का उपयोग तस्करी के लिए किया जाता है। मवेशियों की संख्या के आधार पर वाहनों की संख्या तय की जाती है। एक अनुमान के मुताबिक औसतन 15 गाड़ियां मवेशियों को लेकर प्रत्येक दिन यहां से गुजरती हैं।

शुक्रवार की अहले सुबह धनबाद और गिरिडीह सीमा पर एक गोवंश लदे कंटेनर ट्रक को पकड़ा गया है। कंटेनर में मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर भर गया था।

कंटेनर पर डाक पार्सल लिखा हुआ है। मामले को लेकर गिरिडीह जिला के निमियाघाट थाना पुलिस ने प्राथमिकी की है। हालांकि इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बढ़ते अपराध की घटना को ले लोगों में रोष

टायर जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

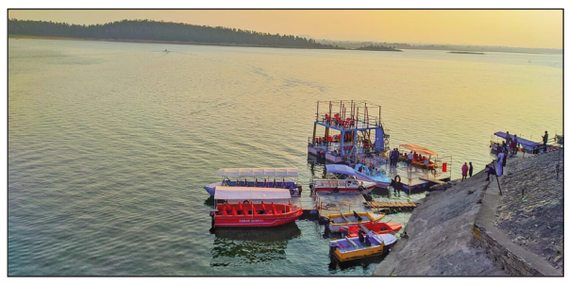
रांची। राजधानी रांची में लगातार अपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। पहले कांके में अनिल महतो की हत्या गोली मारकर की गई। उसके ठीक एक दिन बाद देर शाम को रांची के रवि स्टील के पास जूता दुकानदार की गला रेतकर हत्या की गई। आक्रोशित लोगों के द्वारा टायर जलाकर रोड जाम किया गया।

अपराधी दे रहे लगातार घटना को अंजाम

झारखंड की राजधानी में 24 घंटे के अंदर दो व्यक्ति की हत्या कर दी गई, जिससे शहर में लोगों के बीच दहशत है। दरअसल, कांके बाजार में दिनदहाड़े भाजपा नेता अनिल महतो की हत्या कर दी गई, जिसके विरोध में बीते दिन रांची बंद बुलाया गया था।

बता दें कि वहीं गुरुवार देर शाम राजधानी रांची के रवि स्टील के पास एक व्यवसायी भूपन साहू को अपराधियों ने अपना निशाना बनाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भूपन साहू की हत्या गला रेतकर किया गया है। भूपन आजसू पार्टी से भी जुड़े थे। भीड़भाड़ इलाका में हत्या कई सवाल खड़े कर रही है। व्यवसायी के हत्या से लोग आक्रोशित हैं। शुक्रवार को हत्या के विरोध में गुस्साए लोगों ने सड़क पर बांस-बल्ली लगाकर रास्ता जाम कर दिया और बीच सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों की भीड़ ने पंडरा से लेकर रातू तक सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करा दिया। आक्रोशित लोग घटना में शामिल अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

तिलैया डैम की होगी वैश्विक ब्रांडिंग



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के कोडरमा में स्थित तिलैया डैम का 34.87 करोड़ रुपये से पर्यटकीय विकास होगा। इस राशि से इस पर्यटन स्थल की वैश्विक ब्रांडिंग भी की जाएगी।

भारत सरकार ने देश में ऐतिहासिक पर्यटन केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करने तथा वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग व मार्केटिंग करने के उद्देश्य से ह्यपूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआइ) - वैश्विक पैमाने पर ऐतिहासिक पर्यटक केंद्रों का विकासह्न योजना के तहत इसकी स्वीकृति प्रदान की है।

इसकी स्वीकृति मिलने के बाद राज्य सरकार भी प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने में जुट गई है। भारत सरकार ने इस योजना के तहत 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रुपये की कुल 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें झारखंड का तिलैया डैम का पर्यटकीय विकास भी है।

इस योजना की मुख्य विशेषताओं में जिम्मेदार पर्यटन संबंधी कार्यप्रणालियों को अपनाते हुए शुरू से लेकर अंत तक पर्यटकों के अनुभवों बेहतर बनाना, चुनौती मोड में चयन किए गए प्रस्तावों के लिए वित्तपोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराना, पर्यटक मूल्य श्रृंखला के सभी बिंदुओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना तथा डिजाइन एवं विकास, टिकाऊ संचालन एवं रखरखाव के लिए विशेषज्ञता का उपयोग करना आदि सम्मिलित हैं।

कोडरमा जिला स्थित तिलैया डैम बांध दामोदर घाटी निगम द्वारा बराकर नदी पर बनाया गया पहला बांध और जलविद्युत स्टेशन है। कोडरमा में ही झुमरी तिलैया है, जिसके नाम से यह डैम बना है। झुमरी तिलैया रेडियो के रेडियो सीलोन तथा विविध भारती कार्यक्रम के कारण लोकप्रिय रहा है। इन दोनों कार्यक्रमों में गानों के सर्वाधिक अनुरोध झुमरी तिलैया से आते थे।

कई फिल्मों में भी झुमरी तिलैया पर गाने भी बने। केंद्र व राज्य सरकार झुमरी तिलैया की लोकप्रियता को पर्यटन के माध्यम से भुनाना चाहती है। जहां एक तरफ हेमंत सरकार अपने राज्य में पर्यटन पर जोर दे रही है। वहीं, दूसरी तरफ ओडिशा सरकार भी अपने यहां पर्यटकों को लुभाने के लिए तमाम प्रयास कर रही है। बुधवार को संबलपुर मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति की 54वीं बैठक डेब्रीगढ़ के ओरिएंटेशन हाल में आयोजित की गयी।

यह डेब्रीगढ़ में आयोजित पहली बैठक है, जो संबलपुर रेल मंडल द्वारा संबलपुर और हीराकुद क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास के रूप में है।

इस बैठक की अध्यक्षता संबलपुर के अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद सिंह ने की। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में सदस्यों का स्वागत किया और कहा कि समिति सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों को मंडल द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

अपर मंडल प्रबंधक सिंह ने संबलपुर मंडल में पूरी हो चुकी विभिन्न परियोजनाओं और चल रहे विकास कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में संबलपुर मंडल के शाखा अधिकारियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक गरिमा तिवारी और डीआरयूसीसी संयोजक ने बैठक का समन्वय किया।

तेजस एक्सप्रेस में लगेगा अतिरिक्त कोच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की होने वाली भीड़ को देखते हुए ईस्ट कोस्ट रेलवे ने चक्रधरपुर रेल मंडल के टाटानगर और चक्रधरपुर से गुजरने वाली तेजस राजधानी एक्सप्रेस में 01 अप्रैल से लेकर 01 मई तक एक अतिरिक्त एसी कोच लगा कर चलाने की घोषणा कर दी है।

राजधानी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी कोच लगने से यात्रियों को कंफर्म सीट मिल सकेगी। इससे यात्रियों को यात्रा करने में सुगमता होगी।

05 से 26 अप्रैल तक ट्रेन नंबर 20817 भुवनेश्वर-नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस (वाया चक्रधरपुर) एक अतिरिक्त एसी टू टीयर कोच लग कर चलेगी।

06 से 27 अप्रैल तक ट्रेन नंबर 20818 नई दिल्ली-भुवनेश्वर तेजस राजधानी एक्सप्रेस (वाया चक्रधरपुर) एक अतिरिक्त एसी टू टीयर कोच लग कर चलेगी।

01 से 29 अप्रैल तक ट्रेन नंबर 22823 भुवनेश्वर-नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस (वाया टाटानगर) एक अतिरिक्त एसी टू टीयर कोच लग कर चलेगी।

02 अप्रैल से लेकर 01 मई तक ट्रेन नंबर 22824 नई दिल्ली-भुवनेश्वर तेजस राजधानी एक्सप्रेस (वाया टाटानगर) एक अतिरिक्त एसी टू टीयर कोच लग कर चलेगी।

वहीं, दूसरी ओर आद्रा रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के मद्देनजर दक्षिण पूर्व रेलवे ने 01 से 06 अप्रैल तक 6 ट्रेनों का परिचालन रद कर दिया है, जबकि एक ट्रेन को शॉट टर्मिनेशन और शॉट ओरिजिनेशन कर चलाने की घोषणा कर दिया है।

रेलवे ने 02 अप्रैल को टाटानगर से रवाना होने वाली ट्रेन नंबर 18601 टाटा हटिया एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग चांडिल, पुरूलिया, कोटशिला स्टेशन की जगह परिवर्तित मार्ग चांडिल, गुंडबिहार, मुरी होते हुए हटिया तक चलेगी।

द नज इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव फेलोशिप ने पकड़ी रफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार और द नज इंस्टिट्यूट के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई द नज इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव फेलोशिप राज्य के प्रमुख विभागों में तेजी से कार्य कर रही है। फेलोशिप का उद्देश्य नीति सुधार, परियोजना प्रबंधन और तकनीकी नवाचार के जरिए शासन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाना है।

वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार ने जानकारी दी कि यह फेलोशिप झारखंड सरकार की प्रशासनिक क्षमता को और अधिक सशक्त बनाएगी। शासन को कुशल, प्रभावी और नवीन दृष्टिकोण देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें विश्वास है कि इन फेलोज का योगदान नीतिगत सुधारों और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक होगा।

उन्होंने कहा कि आईएएफ के तहत नियुक्त ये सभी फेलो 20+ वर्षों का निजी क्षेत्र का अनुभव रखते हैं। उनका उद्देश्य अपने विशेषज्ञता का उपयोग कर सरकारी तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाना है, जिससे राज्य के समावेशी और सतत विकास को बल मिल सके। फेलोशिप के शुरूआती दो महीनों में फेलोज ने विभागीय टीमों

योजनाओं को लगे पंख

के साथ मिलकर प्रक्रियाओं का विश्लेषण, डेटा समीक्षा और सुधार एजेंडों की पहचान की है। आने वाले महीनों में ये फेलोज विभिन्न परियोजनाओं का प्रगति को बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। बता दें कि द नज इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव फेलोशिप तीन फरवरी 2025 को रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में झारखंड सरकार के वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार (आईएएस) की उपस्थिति में लॉन्च की गई थी। इस फेलोशिप का प्रमुख उद्देश्यनीति निर्माण को मजबूत करना, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में तेजी लाना, विभागीय कार्यप्रणाली में नवाचार और तकनीक का उपयोग बढ़ाना और शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

द नज इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव फेलोशिप एक 18 महीने का नेतृत्व-उन्मुख कार्यक्रम है, जिसा उद्देश्य शासन और नीति-निर्माण में नवाचार को बढ़ावा देना है। इसके तहत फेलो राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर विभिन्न विकास परियोजनाओं और योजनाओं पर कार्य करेंगे। फेलो तकनीकी नवाचार, नीति निर्माण और शासन के मध्य तारतम्यता स्थापित करने पर कार्य करेंगे। वे डेटा-संचालित निर्णय लेने, डिजिटल समाधानों और नवीन तकनीकों को सरकारी प्रक्रियाओं में एकीकृत करने में सहायक होंगे। इस प्रयास का उद्देश्य शासन में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देना है। ये सभी फेलो वरिष्ठ पेशेवर हैं, जिनके पास औसतन 20+ वर्षों का निजी क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव है। वे अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान का उपयोग सरकारी परियोजनाओं को मजबूत करने और नीति क्रियान्वयन में सुधार लाने के लिए करेंगे। इससे झारखंड के सर्वांगीण विकास और सभी नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने में काफी मदद मिलेगी।

लाभुकों की लग रही लंबी लाइन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बसिया। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि जिन लाभुकों के खाते में गई है, वे तो बहुत खुश हैं। वहीं, दूसरी ओर अभी तक जिनके खाते में राशि नहीं पहुंची है, वे काफी परेशान हैं।

ऐसी महिलाओं की भीड़ बसिया प्रखंड कार्यालय में देखी जा रही है। वे जानकारी लेने को आतुर हैं कि आखिर उनके खाते में राशि अभी तक क्यों नहीं आई। उनके आवेदन या बैंक खाते में कहीं कोई त्रुटि तो नहीं या अगर सबकुछ ठीक है तो फिर कब तक राशि प्राप्त होगी।

खास कर होली के बाद प्रखंड कार्यालय में महिलाओं की लंबी कतार लग रही है। कई कठिनाई के समना करते हुए दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से महिलाएं मुख्यालय पहुंच रही हैं।प्रखंड में कुल लगभग 17 हजार 7 सौ आवेदन आए थे।जिसमें 4 हजार 7 सौ डिलीट हो गई है।वहीं लगभग पांच हजार पेंडिंग है।

साउथ बिहार एक्सप्रेस पर लोगों ने की पत्थरबाजी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल के राउरकेला क्षेत्र में एक बार फिर ट्रेन पर पत्थरबाजी की घटना सामने आई है। इस बार दुर्ग से आरा तक चलने वाली साउथ बिहार एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 13287 को अज्ञात असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात को बंडामुंडा रेलवे स्टेशन के पास इस ट्रेन पर पत्थरबाजी की गई। इस हमले में बी-4 कोच की 71 नंबर बर्थ का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही ट्रेन राउरकेला रेलवे स्टेशन से आगे बढ़ी और बंडामुंडा स्टेशन में प्रवेश करने वाली थी, तभी अचानक पत्थरबाजी शुरू हो गई।

- बाल-बाल बचे यात्री
- खिड़कियों के टूटे शीशे

इससे एसी कोच के शीशे टूट गए और अंदर बैठे यात्री डर गए। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि कुछ समय के लिए भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, थोड़ी देर बाद स्थिति सामान्य हो गई। घटना के बाद ट्रेन को सुरक्षा कारणों से कुछ देर के लिए रोका गया, लेकिन रेलवे अधिकारियों ने सतर्कता बरतते हुए ट्रेन को जल्द ही आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

जब ट्रेन चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पहुंची तो क्षतिग्रस्त कोच के शीशे की मरम्मत की गई, जिसके बाद ट्रेन को आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया।

गौरतलब है कि बीते 48 घंटों में यह दूसरी बार है जब किसी ट्रेन को निशाना बनाया गया है। इससे पहले वंदे भारत एक्सप्रेस पर भी पत्थरबाजी की घटना हो चुकी है। लगातार हो रही इन घटनाओं से यात्रियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

लगातार हो रही इन घटनाओं से रेलवे सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। अब तक न तो किसी आरोपी की गिरफ्तारी हुई है और न ही पत्थरबाजों की पहचान हो पाई है।

रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाएंगी, यह देखने वाली बात होगी।

यात्रियों की मांग है कि रेलवे प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई करे और ट्रेन के सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए, जिससे यात्री बिना किसी डर के यात्रा कर सकें।

जिले में ब्रेन मलेरिया के 84 मरीजों के मिलने से दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। जिले में ब्रेन मलेरिया का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। अब तक कुल 84 मरीज चिन्हित किए गए हैं। मंडरो प्रखंड के नगरभीट्ठा गांव से ब्रेन मलेरिया का शुरू हुआ सिलसिला अब दूसरे क्षेत्रों में फैल चुका है। इस बीच मंडरो में ब्रेन मलेरिया से हो रही मौत की जांच-पड़ताल करने एक उच्चस्तरीय टीम रांची से साहिबगंज पहुंची।

वहीं, ब्रेन मलेरिया से मंडरो में 6 बच्चों की मौत के बाद इस मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई भी शुरू हो गई है। जांच में यह बात सामने आई है कि जिस मंडरो प्रखंड के नगरभिट्ठा गांव से संक्रमण शुरू हुआ, वहां जनवरी के बाद स्वास्थ्य कर्मी गए ही नहीं।

इसके बाद सीएचओ खुशबू रानी, एमपीडब्लू डोमन मंडल, एएनएम शांतिलता मुर्मू, एमटीएस प्रवीर कुमार सिन्हा का वेतन रोक दिया गया है। सभी से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। उधर, बुधवार को मलेरिया के छह मरीज मिले।

अब तक छह बच्चों की जा चुकी है जान

मंडरो के नगरभिट्ठा व उपर चतरो में एक-एक तथा बोरियो के धपानी पहाड़ पर एक व डोलेपहाड़ पर तीन मरीज मिले। चांदी पहाड़िन नामक एक गर्भवती महिला को इलाज के लिए मंडरो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।छह नए मरीज मिलने के बाद जिले में मलेरिया मरीजों की संख्या बढ़कर 84 हो गई है।

रांची से आई उच्चस्तरीय टीम का नेतृत्व वेक्टर जनित रोग के राज्य नोडल पदाधिकारी डा. वीरेंद्र कुमार सिंह कर रहे हैं। उनके साथ मलेरिया निरीक्षक अनिल कुमार व मच्छर पकड़ने वाली तीन सदस्यीय टीम भी है। नोडल पदाधिकारी ने सुबह में सिविल सर्जन कार्यालय में सीएस व सभी एमपीडब्लू के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों अधिकारी मंडरो गए। वहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बैठक की।

पुलिस पकड़ से दूर अपराधी

जामताड़ा। जामताड़ा में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। लोगों का भरोसा पुलिस पर से उठता जा रहा है क्योंकि मिहिजाम के कानगोई स्थित झामुमो कार्यालय के सामने राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष भोला यादव के पुत्र विनय यादव को गोली मार दी गई थी। वह दुकान बंदकर दोपहर में कानगोई स्थित घर जा रहे थे। अपराधी अब भी पुलिस पकड़ से दूर है।

विदित हो कि घटना के पीछे से बदमाश ने उन्हें गोली मार दी। गोली विनय यादव के पीठ में लगी है। जख्मी हालत में उन्हें कस्तूरबा गांधी हॉस्पिटल चित्तरंजन में भर्ती किया गया था। यहां प्राथमिक उपचार के बाद दुगार्पुर हेल्थ वर्ल्ड में रेफर किया गया है। पुलिस ने घायल विनय यादव से पूछताछ की, पूछताछ में विनय ने पुलिस को एक व्यक्ति का नाम बताया है। इस आधार पर एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

शहर के विश्वकर्मा मंदिर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-419 से 44 वर्षीय व्यवसायी विनय कुमार यादव अपनी बलेट बाइक से घर जा रहे थे।

कभी करती थी बांस की स्टिक से प्रैक्टिस, अब संभाल रही हॉकी टीम की कमान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड के सिमडेगा की बेटी सलीमा टेटे हॉकी में फर्श से अर्श तक का सफर तय कर अर्जुन अवार्ड हासिल करने वाली पहली महिला खिलाड़ी होंगी। अभी वह भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान हैं। उन्हें 17 जनवरी को राष्ट्रपति के हाथों अवार्ड मिला। सलीमा सिमडेगा जिला के सदर प्रखंड के छोटे से गांव बड़कीछापर की रहने वाली हैं। वह बड़कीछापर व आसपास के गांवों में उबड़-खाबड़ मैदान में अपने पिता की अंगुली थामे हॉकी खेलने जाती थीं।

हाथ निर्मित बांस के स्टिक व बाल से हॉकी की शुरूआत करने वाली सलीमा ने ग्रामीण स्तर के टूर्नामेंट से अपनी शुरूआत की थी। राज्यस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र में चयन के बाद पहले झारखंड टीम से खेलते हुए इंडिया टीम तक पहुंचीं।

सलीमा ने साल 2014 में पहली बार झारखंड टीम, 2016 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। साल 2018 में उन्हें जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी मिली। 2024 में भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान



बनीं।

एक छोटे से गांव में खस्सी कप से पहली प्रतियोगिता खेलते हुए ओलिंपिक, विश्व कप, राष्ट्रमंडल, एशियन गेम्स, एशिया कप सहित विश्व की सभी हॉकी प्रतियोगिताओं में सलीमा भारत के लिए खेल चुकी हैं।

वह 2021 में टोक्यो ओलिंपिक के लिए चुनी गईं। इस वर्ष उन्हें अर्जुन अवार्ड के लिए चुना गया है। इसकी खबर मिलने के बाद सलीमा के घर-परिवार में खुशी का माहौल है।

सलीमा का परिवार आज भी बड़कीछापर गांव में रहता है। जब 2021 में सलीमा ओलिंपिक के लिए चुनी गई थीं, तब उनके घर में टीवी भी नहीं था। उसके पिता सुलक्सन टेटे एवं भाई अनमोल लकड़ा अब भी खेतों में हल जोतते हैं। वे हाट में दुकान लगाने के साथ ही मनरेगा में भी मजदूरी करते थे।

सलीमा की चार बहनें हैं, जिनमें इलिसन, अनिमा, सुमंती एवं महिमा टेटे शामिल हैं। सलीमा की बहन महिमा भी अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी हैं।

सलीमा के पिता सुलक्सन टेटे ने बताया कि काफी संघर्ष के बाद सलीमा इस मुकाम तक पहुंची हैं। पूर्व में वह उनके साथ हॉकी मैदान जाती और हॉकी सीखती थीं। बाद में हॉकी सिमडेगा के वर्तमान अध्यक्ष मनोज कोनबेगी की पहल से सिमडेगा स्थित राज्यस्तरीय आवासीय प्रशिक्षण के लिए चयनित हुईं।

10 वर्षों में झारखंड के तीन हॉकी खिलाड़ियों सिल्वेनस डुंग डुंग और सुमराय टेटे को मेजर ध्यानचंद अवार्ड से सम्मानित किया गया है। अब सलीमा को अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। पूर्व में माइकिल किंडो को भी अर्जुन अवार्ड मिल चुका है।

यकीन नहीं था इतनी जल्दी इतना बड़ा सम्मान मिलेगा

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे झारखंड की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी हैं, जिन्हें अर्जुन पुरस्कार मिल रहा है। वे पुणे में हॉकी इंडिया लीग की तैयारी कर रही हैं।

उन्होंने इस पुरस्कार को अपने माता-पिता कोच और झारखंड की जनता को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि यकीन नहीं था कि यह पुरस्कार इतनी जल्दी मिल जाएगा।

पुरस्कार मिलने के बाद मेरी जिम्मेदारी बढ़ गई है और आने वाले समय में मैं और बेहतर प्रदर्शन करूंगी। यह भी कहा यह पुरस्कार राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को नई ऊर्जा देगा और वह बेहतर करेंगे।

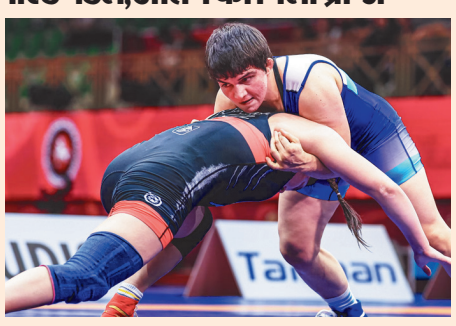
भोलानाथ हॉकी इंडिया के महासचिव और हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने कहा है कि सलीमा टेटे को अर्जुन पुरस्कार के लिए चयनित किया जाना झारखंड के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा यह पुरस्कार राज्य के सभी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।



न्यूजीलैंड ने पहला वनडे 73 रन से जीता: पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 3 मैचों वाली वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार को न्यूजीलैंड के नापियर में खेला गया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर फिल्डिंग चुनी। कीवी टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 344 रन बनाए। 345 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम 44.1 ओवर में 271 रनों पर सिमट गई।मार्क चापमैन ने खेली शतकीय पारी मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चापमैन ने शतक लगाया। उन्होंने 111 गेंदों पर 132 रन बनाएं। इसमें 13 चौके और 6 छक्के शामिल है। वे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे। उनके अलावा डेरिल मिचेल ने भी 76 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। पाकिस्तान के इरफान खान ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके।हैं के अब्बास ने लगाया सबसे तेज डेब्यू अर्धशतक पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी मोहम्मद अब्बास ने 24 गेंदों पर वनडे इतिहास में डेब्यू करते हुए सबसे तेज 50 रन बनाए। उन्होंने 52 रनों की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाएं। अब्बास से पहले यह रिकॉर्ड भारत के ईशान किशन के नाम पर था। उन्होंने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ 33 गेंदों में 50 रन बनाए थे। पाकिस्तान से बाबर-सलमान की फिफ्टी टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तान के बाबर आजम ने 93.97 के स्ट्राइक रेट से 83 गेंदों पर 78 रन बनाएं। वहीं सलमान आगा ने 48 गेंदों पर 58 रन बनाएं। न्यूजीलैंड के नाथन स्मित ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।सीरीज का दूसरा मैच 2 अप्रैल को होगा सीरीज का दूसरा मुकाबला 2 अप्रैल को न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में खेला जाएगा। मैच भारतीय समय अनुसार सुबह 3:30 से शुरू होगा। वहीं सीरीज का तीसरा और आखरी मैच 5 अप्रैल को खेला जाएगा।

मनीषा ने एशियन चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड मेडल, अंतिम को मिला ब्रॉन्ज



नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी भारतीय पहलवान मनीषा भानवाला ने एशियन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 2021 के बाद पहला गोल्ड मेडल दिलाया। शुक्रवार को 62 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में उन्होंने कड़े मुकाबले में कोरिया की ओक जे किम को 8-7 से मात देकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। मनीषा ने अपने अभियान की शुरुआत कजाखस्तान की टाइनिस डुबेक पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर आसान जीत के साथ की। इसके बाद उन्होंने कोरिया की हनबिट ली को चित कर दमदार अंदाज में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यहां भी उन्होंने अपने आक्रामक खेल को जारी रखते हुए कलमीरा बिलिमबेक काजी को 5-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। गौरतलब है कि भारत ने पिछली बार 2021 में अलमाटी में विनेश फोगाट और सरिता मोर के जरिए गोल्ड मेडल जीता था। इस बार 20 साल के अंतिम पंघाल ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, जो अपने करियर का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेल रही थीं। 53 किग्रा भार वर्ग में उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीन की जिन झांग को हराकर उम्मीदें बढ़ा दीं, लेकिन सेमीफाइनल में जापान की मो कियूका के सामने टिक नहीं सकीं और तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गईं। हालांकि, ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए ताइपे की मेंग एच सियेह को हराकर मेडल अपने नाम किया।

केएल राहुल एसआरएच मुकाबले से पहले दिल्ली कैपिटल्स की टीम में फिर से शामिल हुए

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल रविवार को आईपीएल 2025 सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच से पहले शनिवार को विशाखापत्तनम में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल हो गए। राहुल पिछले हफ्ते लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ डीसी के सीजन के पहले मैच में अपनी पत्नी अथिया शेट्टी के साथ पहले बच्चे के जन्म के कारण नहीं खेल पाए थे। अथिया ने 24 मार्च को एक बच्ची को जन्म दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने एक्स पर जाकर राहुल के आगमन का वीडियो शेयर किया और लिखा, आप प्यारे हैं। आप हमारे हैं। आप घर पर हैं। दिल्ली में आपका स्वागत है, केएलआर।

एक अन्य पोस्ट में, फ्रेंचाइजी ने डीसी की ट्रेनिंग जर्सी में राहुल की एक तस्वीर शेयर की और पोस्ट को कैप्शन दिया, खेल शुरू होने दें। राहुल के रविवार को विशाखापत्तनम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दिल्ली के लिए पदार्पण करने की उम्मीद है, पिछले साल की मेगा नीलामी में उन्हें 14 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइजी ने खरीदा था। अक्षर पटेल की अगुआई वाली टीम ने राहुल की पूर्व फ्रेंचाइजी लखनऊ पर एक विकेट से रोमांचक जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत जीत के साथ की। आशुतोष शर्मा ने 31 गेंदों में नाबाद 66 रनों की पारी खेली और पांच छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से लखनऊ से जीत छीन ली। मैच के बाद दिल्ली के खिलाड़ियों ने मदर्स



लैप बेबी स्विंग एक्शन करके राहुल को नए पिता बनने पर बधाई दी।

दिल्ली में अपने कदम के बारे में राहुल ने कहा कि पिछले साल की नीलामी के बाद यह उनके लिए रोमांचक और नर्वस करने वाला दोनों था।

राहुल ने कहा, मेरे लिए यह एक नया अनुभव है - अपनी चौथी या पांचवीं आईपीएल फ्रेंचाइज से जुड़ना। यह रोमांचक और नर्वस करने वाला दोनों है। हर नई टीम अनिश्चितता लेकर आती है - खिलाड़ी कैसे तालमेल बिठाएंगे, प्रबंधन कैसे काम करेगा और प्रशंसक कैसे प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन हमारी टीम और प्रबंधन ने जिस तरह से इस टीम को बनाया है, उसे देखते हुए लगता है कि हमने सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। उन्होंने कहा, इसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का शानदार मिश्रण है। मैं कुछ अविश्वसनीय रूप से कुशल युवाओं के साथ खेलने और उनसे सीखने के लिए उत्सुक हूं। मिशेल स्टार्क, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ियों के साथ - जिनमें से कई के साथ मैं पहले भी खेल चुका हूं - हमारी टीम एक मजबूत टीम है। मैं आईपीएल शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकता।

132 आईपीएल मैचों में राहुल ने 45.47 की औसत से 4,683 रन बनाए हैं। उन्होंने 2013 में पदार्पण करने के बाद से अब तक टूर्नामेंट में चार शतक और 37 अर्द्धशतक भी लगाए हैं।

आरसीबी से हारने के बाद कोच फ्लेमिंग की सफाई, कहा-

हमें कमतर नहीं आंके, टीम में है दम

चेन्नई , एजेंसी। फ्लेमिंग ने कहा, वह पिछले एक महीने से अभ्यास कर रहा है और ट्रेनर के साथ फिटनेस पर काफी मेहनत की है। वह हालांकि जब बल्लेबाजी के लिये आये तब जीत हासिल करना काफी कठिन हो गया था। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इन आलोचनाओं को खारिज किया कि उनकी टीम की शैली के क्रिकेट के दिन अब लद गए । उन्होंने कहा कि चेन्नई टीम में काफी आक्रामकता है और कोई उन्हें कमतर आंकने की गलती नहीं करे। यह पूछने पर कि क्या उनकी शैली के क्रिकेट के दिन अब लद गए , न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, इसके क्या मायने हैं, मेरी शैली का क्रिकेट क्या है। पहला मैच जीतना, यही सही तरीका है। हमारे भीतर काफी आक्रामकता है। मैं यह प्रश्न समझा नहीं। उन्होंने कहा, सिर्फ इसलिए कि हम पहली ही गेंद से पीटना शुरू नहीं करते। हम आखिर में देखेंगे। हम सकारात्मक क्रिकेट खेलते हैं और कोई हमें कमतर नहीं आंक सकता। यह बेवकूफाना सवाल है। फ्लेमिंग ने हालांकि स्वीकार किया कि शुक्रवार के मैच में उनकी टीम की फील्डिंग बहुत खराब थी। उन्होंने कहा, हमने दो तीन मौके गंवाए। हमने उन्हें दबाव बनाने का मौका दिया। 175 का स्कोर सही होता लेकिन हमने क्षेत्ररक्षण में गलतियां की। जोश हेजलवुड ने आरसीबी के लिये शानदार गेंदबाजी की। महेंद्र सिंह धोनी ने 16 गेंद में नाबाद 30 रन बनाये और आईपीएल के इतिहास में चेन्नई के लिये सर्वाधिक रन बनाने का सुरेश रैना का रिकॉर्ड तोड़ा। फ्लेमिंग ने कहा, वह पिछले एक महीने से अभ्यास कर रहा है और ट्रेनर के साथ फिटनेस पर काफी मेहनत की है। वह हालांकि जब बल्लेबाजी के लिये आये तब जीत हासिल करना काफी कठिन हो गया था।

आरसीबी ने सीएसके को हराया

कप्तान रजत पाटीदार के अर्धशतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 17 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स को उसके गढ़ चेपॉक पर हराया। आरसीबी ने 50 रन से जीत दर्ज की। आरसीबी के सात विकेट पर 196 रन के जवाब में पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी। आरसीबी की 2008 में आईपीएल के पहले सत्र के बाद चेपॉक पर चेन्नई के खिलाफ यह पहली जीत रही।



सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बने महेंद्र सिंह धोनी, रैना को पछाड़ा

चेन्नई, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी वीरवार को आईपीएल इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह सुरेश रैना को पछाड़कर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अब धोनी के नाम आईपीएल में 4,699 रन हो गए हैं। उन्होंने सुरेश रैना (4,687 रन) को पीछे छोड़ा है। अपने संयम और फिनिशिंग कौशल के लिए जाने जाने वाले पूर्व सीएसके कप्तान ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में प्रशंसकों को खुश करते हुए अपने खास अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की।

रैना जोकि धोनी को ही अपना गुरु मानते हैं, चेन्नई के लिए कई साल तक इस लिस्ट में नंबर एक पर रहे। बहरहाल, धोनी के इस मुकाम पर पहुंचते ही चेन्नई के प्रशंसक जश्न मनाने लगे। सोशल मीडिया पर उनकी जमकर तारीफ हुई। धोनी वैसे भी कप्तान से हटने के बावजूद अपने बल्ले और और स्टंप के पीछे काबिलियत से चर्चा में रहते हैं। वह आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक स्टंपिंग (43) का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुके हैं। बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले में



उन्होंने फिल सॉल्ट को जिस तरह से आऊट किया, उसने दिखा दिया कि अभी भी उनका मुकाबला नहीं है।



ब्राजील फुटबॉल टीम को विश्व कप क्वालिफायर में मिली शर्मनाक हार, मुख्य कोच पर गिरी गाज, पद से हटाए गए

साओ पोलो, एजेंसी। शीर्ष छह टीमें फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।ब्राजील पिछले साल कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में उरूग्वे से हारकर बाहर हो गया था। ब्राजील के कोच डोरिवल जूनियर को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और खराब नतीजों के कारण 14 महीने के भीतर ही पद से हटा दिया गया है। ब्राजील को ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना ने 4-1 से हराया जो विश्व कप क्वालिफायर मुकाबले में उसकी सबसे शर्मनाक हार है। इसके तीन दिन बाद ही ब्राजीली फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रौड्रिगेस ने जूनियर को हटाने का फैसला किया।

उन्होंने मीडिया से कहा, परिसंघ यह घोषणा करता है कि डोरिवल जूनियर का कार्यकाल पूरा हो गया। अब हम विकल्प की तलाश कर रहे हैं। ब्राजील विश्व कप 2026 दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग तालिका में पांचवें स्थान पर है। शीर्ष छह टीमें फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।ब्राजील पिछले साल कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में उरूग्वे से हारकर बाहर हो गया था। टीम का फॉर्म पिछले कुछ समय से कुछ खास नहीं रहा है। 2022 विश्व कप में ब्राजील की टीम क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। तब ब्राजील को क्रोएशिया ने अंतिम-8 के मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। उससे पहले 2021 कोपा अमेरिका फाइनल में ब्राजील की टीम अर्जेंटीना के हाथों 1-0 से हार गई थी। ब्राजील ने पिछली बार कोई मेजर खिताब 2019 में जीता था, जब उसने कोपा अमेरिका अपने नाम किया था। तब उन्होंने फाइनल में पेरू को 3-1 से शिकस्त दी थी। वहीं, 2018 फीफा विश्व कप में ब्राजील की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हुई थी। अंतिम आठ के मुकाबले में बेल्जियम ने ब्राजील को 2-1 से हराया था। 2014 में ब्राजील में ही फीफा विश्व कप खेला गया था। तब टूर्नामेंट में ब्राजील की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। हालांकि, अंतिम चार के मुकाबले में जर्मनी ने ब्राजील को 7-1 से करारी शिकस्त दी थी। ब्राजील ने 2002 के बाद से कभी फीफा विश्व कप का खिताब नहीं जीता है।

टीम इंडिया के फ्यूचर को लेकर टली बैठक, रोहित शर्मा बोले- सम्मान के हकदार हैं ये खिलाड़ी



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 2024 टी20 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जिताने वाले कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि भारतीय टीम ने पिछले नौ महीनों में क्रिकेट के उतार-चढ़ाव को झेला है, लेकिन इसने सफलता हासिल करने के लिए सामूहिक संघर्ष किया। मुंबई इंडियंस की ओर से एक्स पर पोस्ट वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीम का हर सदस्य सम्मान का हकदार है। समाचार एजेंसी के अनुसार रोहित शर्मा का यह वीडियो ऐसे दिन आया जब बीसीसीआई के शीर्ष पदाधिकारियों को टीम के भविष्य का रोडमैप तय करने के लिए बैठक करनी थी। किसी कारणवश यह बैठक स्थगित कर दी गई। भारत ने पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंट में 24 मैचों में से केवल एक में हार का सामना किया है। वह अहमदाबाद में 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हारा था। भारतीय टीम ने पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप और फरवरी मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीता। इस दौरान भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप झेलनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज हार का समाना करना पड़ा। इसके कारण टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह नहीं बना पाई।

तीन आईसीसी टूर्नामेंट में अपराजित रहना गजब होता

भारतीय कप्तान के तौर पर अपने बेहतरीन कार्यकाल पर विचार करते हुए रोहित ने कहा, देखिए इस टीम ने इन तीन बड़े टूर्नामेंट में क्या हासिल किया है। टूर्नामेंट में किस तरह खेला है और केवल एक बार हारने झेली है और वह भी फाइनल (2023 वनडे विश्व कप) में। लेकिन कल्पना कीजिए कि अगर हम वह भी जीत जाते तो तीन आईसीसी टूर्नामेंट में अपराजित रहना गजब होता। कभी नहीं सुना लेकिन मैं यह मानूंगा 24 खेलों में 23 जीत अनसुनी है। यह बाहर से बहुत अच्छा लगता है, लेकिन टीम बहुत सारे उतार-चढ़ाव से गुजरी है।

फाइनल मैच में अकेले गेंदबाज ने गिराए 11 विकेट, टीम ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ ऑस्ट्रेलिया की टीम ने शेफील्ड शील्ड का खिताब जीतकर इतिहास रचा है. उसने इस टूर्नामेंट के फाइनल में क्वींसलैंड को हराकर 29 साल बाद खिताब पर कब्जा किया. टूर्नामेंट का फाइनल साउथ ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट से जीता, जिसमें 11 विकेट चटकाने वाले गेंदबाज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. फाइनल में 11 विकेट लेने वाले गेंदबाज का नाम ब्रेंडन डॉगेट है. 30 साल के ब्रेंडन दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं और साउथ ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाड़ी हैं.मुकाबले में क्वींसलैंड ने पहले बल्लेबाजी की. लेकिन, साउथ ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट के टूटे कहर के आगे उसकी पहली पारी सिर्फ 95 रन पर सिमट गई. ब्रेंडन डॉगेट ने पहली पारी में 6 विकेट चटकाए. उन्होंने ये विकेट 11.2 ओवर में 31 रन देते हुए लिए.



क्वींसलैंड को 95 रन पर समेटने के बाद साउथ ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 271 रन बनाए, जिसमें जेक लेहमन के शतक का बड़ा योगदान रहा. लेहमन ने मिडिल ऑर्डर में 152 गेंदों का सामना करते हुए 102 रन बनाए. साउथ ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 176 रन की बढ़त मिली.

क्वींसलैंड ने दूसरी पारी में हालांकि पहली इनिंग की तरह गलती नहीं की. इस बार उसने बड़ा स्कोर बनाया. जैक ग्लेटॉन और जैक विल्डरमुथ की शतक की बदौलत क्वींसलैंड ने दूसरी पारी में 445 रन बनाए. जैक ग्लेटॉन ने 249 गेंदों का सामना करते हुए 100 रन बनाए. वहीं विल्डरमुथ ने 140 गेंदों में 111 रन की पारी खेली.

ब्रेंडन डॉगेट ने फाइनल मैच में लिए 11 विकेट

क्वींसलैंड की दूसरी पारी के दौरान भी साउथ ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट अपना असर छोड़ने में कामयाब रहे. उन्होंने इस बार भी 5 विकेट लिए. इस तरह फाइनल मैच की दोनों पारियों को मिलाकर ब्रेंडन डॉगेट ने कुल 11 विकेट अपने नाम किए.

29 साल बाद जीता शेफील्ड शील्ड

अब साउथ ऑस्ट्रेलिया को 176 रन की बढ़त तो पहली पारी में हासिल ही थी. ऐसे में उसके सामने 270 रन का लक्ष्य था, जिसे उसने 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया. और 4 विकेट की जीत के साथ 29 साल बाद अपने पहले शेफील्ड शील्ड खिताब पर कब्जा किया. साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में जेसन सांघा ने 126 रन जबकि एलेक्स कैरी ने 105 रन की पारी खेली.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के अलीपुर में हिस्ट्रीशीटर का मर्डर, पुलिस को निजी दुश्मनी का संदेह

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अलीपुर में एक हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने निजी दुश्मनी के कारण हत्या का संदेह जता रही है। उसके खिलाफ उसके खिलाफ हत्या के प्रयास और जबरन वसूली के मामले दर्ज थे। हमलावरों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम बाहरी उत्तरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में एक हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस को संदेह है कि निजी दुश्मनी के चलते उसकी हत्या की गई। पुलिस को गोलीबारी की घटना के बारे में शाम करीब साढ़े सात बजे पीसीआर कॉल मिली। उन्होंने बताया कि पीड़ित की पहचान उसी इलाके के निवासी करण थापा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि उसे गोली लगी थी और उसे हरिश्चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि थापा की आपराधिक पृष्ठभूमि थी। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास और जबरन वसूली के दो मामले दर्ज हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को हत्या के पीछे व्यक्तिगत दुश्मनी का संदेह है। ससुराल वालों के साथ लंबे समय से उसका पारिवारिक विवाद चल रहा था। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हमलावरों की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

सीएम रेखा गुप्ता के निर्देश पर शुरू हुआ नया अभियान, दिल्ली भर के मेट्रो पिलर से हटाए जा रहे पोस्टर



नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता लगातार ऐक्शन मोड में नजर आ रही है। वह खुद सड़कों पर उतर सभी कार्यों का जायजा ले रही हैं। हाल ही में उनके निर्देश पर एक नया अभियान शुरू किया गया है जिसके तहत मेट्रो पिलर पर लगाए गए पोस्टर को हटाए जा रहे हैं। दिल्ली भर में इसको लेकर एक अभियान चलाया जा दरअसल पिछले गुरुवार को पीतमपुरा में एक दौर के दौरान रेखा गुप्ता ने मेट्रो पिलर्स पर लगे पोस्टर पर आपत्ति जताई थी और खुद एक पिलर को साफ किया था। उन्होंने कहा था, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं है। मुख्यमंत्री से लेकर किसी भी अन्य व्यक्ति तक को नहीं है। मेरा सबसे अनुरोध है कि दिल्ली को गंदा न करें। मेट्रो के खंभे हमारी दिल्ली की खूबसूरती हैं। यहां होर्डिंग, पोस्टर, बैनर नहीं लगाए जाने चाहिए। इस दौरे के दौरान ही पीतमपुरा ब्लॉक के नगर निगम वार्ड नंबर 57 में सफाई सुनिश्चित करने और क्षेत्र की प्रभावी निगरानी करने में विफल रहने पर स्वच्छता निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने इस चूक को 'घोर कदाचार और कर्तव्य की उपेक्षा' करार दिया था। इसके अलावा, डीईएमएस के वार्ड नंबर- 55, केशवपुरम जोन से एसआई और अपर स्वच्छता निरीक्षक (एएसआई) तथा पीतमपुरा के वार्ड नंबर- 57 से आरएसके का प्रशासनिक आधार पर तबादला कर दिया गया था। मुख्यमंत्री पीतमपुरा के अलग-अलग में पहुंचीं और लोगों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने लोगों द्वारा उठाई गई समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। गुप्ता ने पीतमपुरा में एसडी (सी) ब्लॉक, एचपी ब्लॉक, एलपी ब्लॉक, आरयू ब्लॉक, एमयू ब्लॉक और जी एंड जेयू ब्लॉक में पूरे हुए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इन कार्यों में नई गलियों, नालियों, सीवेज लाइन और सुरक्षा द्वारों के निर्माण शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि इनमें एलपी ब्लॉक में गोपाल मंदिर मार्ग और सिटी पार्क होटल के सामने 36 लाख रुपये की लागत से नालियों का निर्माण; आरयू ब्लॉक में 12.86 करोड़ रुपये की लागत से जल निकासी प्रणाली में सुधार और बाहरी रिंग रोड का सुदृढ़ीकरण; एमयू ब्लॉक में नई सीवेज लाइन और जी और जेयू ब्लॉक में दो सुरक्षा द्वारों का निर्माण शामिल हैं।

खाने के बिल पर सर्विस चार्ज नहीं वसूल सकते होटल-रेस्टोरेंट

दिल्ली हाईकोर्ट का ग्राहकों के हक में फैसला





नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि खाने के बिल पर सर्विस चार्ज का भुगतान स्वैच्छिक है। रेस्टोरेंट इसे ग्राहकों पर जबरन नहीं लगा सकते। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने फैसला सुनाते हुए केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाली रेस्टोरेंट्स बॉडी की दो याचिकाओं को खारिज कर दिया।

याचिकाओं में होटलों और रेस्टोरेंट को खाने के बिल पर अनिवार्य रूप से सर्विस चार्ज लगाने से रोक दिया गया था। बेंच ने कहा कि खाने के बिल पर सर्विस चार्ज का अनिवार्य संग्रह उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन और कानून के विपरीत है। ग्राहकों को स्वेच्छा से टिप देने से नहीं रोका जा सकता है। बेंच ने कहा कि खाने के बिल पर सर्विस चार्ज का अनिवार्य संग्रह भ्रामक है, क्योंकि इससे ग्राहकों को यह आभास होता है कि यह सर्विस टैक्स या जीएसटी के रूप में लगाया गया है। इस तरह की प्रथा अनुचित व्यापार व्यवहार के बराबर है। राशि को अनिवार्य रूप से बिल में नहीं जोड़ा जा सकता है। समाज के हित को सर्वोपरि बताते हुए बेंच ने कहा कि एक वर्ग के रूप में उपभोक्ताओं के अधिकार रेस्टोरेंट के अधिकारों पर हावी होंगे।

बेंच ने माना कि सीसीपीए केवल एक सलाहकार निकाय नहीं है, बल्कि अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोकथाम और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशानिर्देश जारी करने का अधिकार रखता है। अदालत ने कहा कि सीसीपीए एक प्राधिकरण है, जिसे सीपीए 2019 के तहत दिशा-निर्देश पारित करने का अधिकार है। दिशानिर्देश जारी करना सीसीपीए का एक आवश्यक कार्य है। सभी रेस्तरां को इसका अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। अदालत ने 13 दिसंबर, 2024 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। फेडरेशन ऑफ होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) और नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने वर्ष 2022 में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर करके अदालत का रुख किया था। हाईकोर्ट ने दिशानिर्देशों को बरकरार रखा और याचिकाकर्ताओं पर उपभोक्ता कल्याण के लिए सीसीपीए में जमा करने के लिए 1-1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि खाद्य एवं पेय पदार्थों के बिल पर सर्विस चार्ज स्वैच्छिक है। उन्होंने इस संबंध में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए इसे उपभोक्ताओं की जीत करार दिया।

दिल्ली में फ्लैट से आ रही थी बदबू, दरवाजा खोला तो बैग में महिला का शव

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा जिले के विवेक विहार इलाके में एक घर में शुक्रवार को करीब 35 वर्षीय एक महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। घर का दरवाजा बाहर से बंद था और शव एक कमरे के अंदर बेड पर रखे एक ट्रॉली लिस में रखा हुआ था। शव को किसी तरह क्षत विक्षत नहीं किया गया था और दरवाजा बाहर से बंद था। घर से बाहर शव के सड़ने की बदबू और खून बहकर आने के बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई।

सूचना के बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम और एफएसएल की टीमों ने भी मौके से जरूरी सुराग जुटाए हैं। खबर लिखे जाने तक महिला की पहचान नहीं की जा सकी थी। वहीं, पुलिस मकान मालिक विवेकानंद मिश्रा को पकड़कर उससे पूछताछ कर रही है। इसके अलावा पुलिस घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालते हुए मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक, सत्यम एन्क्लेव स्थित एक घर में से दुर्गंध और दरवाजे से खून बहकर आने की सूचना मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को घर का दरवाजा बाहर से बंद मिला। पुलिस टीम ने बाहर से बंद दरवाजे को खोलकर तत्काल शव को कब्जे में लिया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। इसके बाद महिला की पहचान के लिए जांच शुरू की गई। हालांकि महिला की पहचान नहीं हो सकी। जांच में पता चला कि इस घर में बच्चों को ट्यूशन और कोचिंग पढ़ाने का काम किया जाता है। घर में कोई रहता नहीं था। वारदात के बाद से ही मकान का मालिक फरार है। शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला सत्यम एन्क्लेव इलाके की रहने वाली नहीं है और न ही स्थानीय लोगों को महिला के बारे में कोई जानकारी है। ऐसे में पुलिस आशंका जता रही है कि महिला की हत्या कहीं और की गई है। हत्या के बाद महिला के शव को बैग में रखकर वहां लाया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि यहीं से शव को ठिकाने लगाने की तैयारी थी।

दिल्ली में राशन से पेंशन तक सब्सिडी वाली सभी योजनाओं से फर्जी नाम हटाए जाएंगे: रेखा गुप्ता

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जन लाभकारी योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन इनसे फर्जी नाम हटाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'हिन्दुस्तान' के साथ खास बातचीत में शुक्रवार को बताया कि सब्सिडी वाली लाभकारी योजनाओं का सत्यापन कराया जाएगा। फर्जी नाम हटाए जाएंगे और नए नाम जोड़े जाएंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की सभी लाभकारी योजनाएं जारी रहेंगी। इनके सत्यापन की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा, बिजली-पानी पर सब्सिडी, मुफ्त राशन, संकटग्रस्त महिलाओं को पेंशन, बुजुर्ग और दिव्यांग पेशन इस श्रेणी में शामिल हैं। इन योजनाओं का लाभ लेने वालों का वर्षों से सत्यापन नहीं हुआ है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि 10 वर्ष पहले जितने लोग राशन लेते थे, आज भी वहीं लोग हैं। सवाल है कि क्या इन दस वर्षों में उन लोगों की आय नहीं बढ़ी होगी। क्या उसमें कुछ लोग कम या ज्यादा नहीं हुए होंगे। वर्षों से कोई नाम नहीं जुड़ा और न ही कोई नाम हटा है। कई पात्र लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसलिए उनको सत्यापित करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आज भी मानती हूं कि बहुत से ऐसे लोग होंगे जो कार्ड रखकर बैठे हैं, लेकिन राशन नहीं ले रहे।



पेंशन लाभार्थियों की संख्या तय है, उससे ज्यादा लोगों को पेंशन नहीं दे सकते। पेंशन लेने वालों का सत्यापन किया जाएगा कि क्या वो जीवित है या नहीं। पता लगा कि खाते में पैसा आए जा रहा है और परिजन ले रहे हैं। हम ये नहीं होने देंगे। ऐसे नामों को हटाकर पात्र नामों को जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वर्ष में एक बार लाभकारी योजनाओं के पात्रों का सत्यापन होगा। पता तो चले कि योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं। सरकार की कोशिश है कि कोई गलत आदमी लाभ न ले सके। हमारी चिंता है कि जो लोग लाभ के हकदार हैं, वह छूट न जाएं।

दिल्ली के वजीराबाद में बिजली कटौती पर भड़के लोग, 3 घंटे जाम किया आउटर रिंग रोड; बढ़ी सियासत

नईदिल्ली, एजेंसी। वजीराबाद इलाके में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आपूर्ति ठप किए जाने के विरोध में गुरुवार रात ग्रामीणों ने आउटर रिंग रोड को जाम कर दिया। तकरीबन तीन घंटे तक प्रदर्शनकारी सड़क डटे रहे। इस कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। विद्युत आपूर्ति बहाल होने के बाद ही ग्रामीण सड़क से हटे। इस बीच बिजली के मुद्दे पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भाजपा सरकार के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद आमने-सामने आ गए हैं।

यमुना के किनारे जगतपुर और जगतपुर एक्सटेंशन गांव है। ग्रामीणों के मुताबिक, गुरुवार सुबह विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारी गांव में जांच करने आए थे। इस दौरान उनकी ग्रामीणों से तीखी नोकझोंक हो गई। ग्रामीणों का गुस्सा देख बिजली कंपनी के कर्मचारी को बिना जांच के ही लौटना पड़ा। इसके बाद दिन में करीब 11 बजे बिजली आपूर्ति ठप हो गई। पहले ग्रामीणों को लगा कि यह सामान्य कटौती होगी, लेकिन जब रात तक आपूर्ति बहाल नहीं हुई, तो दोनों गांव के लोग रिंग रोड के किनारे जमा होने लगे। इस दौरान वजीराबाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।



ग्रामीणों ने विद्युत वितरण कंपनी पर जानबूझकर कटौती करने का आरोप लगाते हुए रिंग रोड जाम कर दी। इसका असर कश्मीरी गेट से लेकर मुकरबा चौक, बुराड़ी और मुखर्जी नगर तक देखा गया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने। तकरीबन तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की बिजली कंपनी से बातचीत होती रही। रात करीब 11 बजे बिजली आपूर्ति बहाल होने पर लोग सड़क से हटे। राजधानी में बिजली कटौती को लेकर सियासत गरम गई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाते हुए कहा कि आप सरकार ने बड़ी मुश्किल से दिल्ली में बिजली की व्यवस्था को ठीक किया था, लेकिन भाजपा सरकार ने डेढ़ महीने में बिजली का बुरा हाल कर दिया है।

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने जगतपुर गांव में बिजली कटौती पर विपक्ष के आरोपों पर पलटवार किया है। सूद ने कहा कि अरविंद केजरीवाल झूठी बयानबाजी करके सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। जगतपुर गांव एक्सटेंशन में बिजली व्यवस्था सुधार दी गई है। यह बिजली कट किसी एक इलाके की बहुत ही छोटी सी घटना थी।

जॉय बांग्ला ब्रिगेड पर बांग्लादेश में गृह युद्ध की साजिश का आरोप

शेख हसीना समेत 73 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है। ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पुलिस ने यह मामला दर्ज कराया है। शेख हसीना के अलावा 72 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। इन सभी पर बांग्लादेश में गृह युद्ध भड़काने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने का आरोप है।

बांग्लादेश के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आपराधिक जांच विभाग ने अंतरिम सरकार को गिराने की साजिश के आरोप में ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश पर मामला दर्ज किया है। अदालत ने मामले का संज्ञान लिया और गुरुवार को सीआईडी को जांच शुरू करने को कहा। सीआईडी ने 19 दिसंबर 2024 को हुई एक ऑनलाइन बैठक की जानकारी मिलने के बाद मामला दर्ज किया है। आरोप है कि बैठक में शामिल लोगों ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक एक मंच बनाया है। इसके माध्यम से गृह युद्ध भड़का कर हसीना को दोबारा सत्ता में लाने का प्लान है। पुलिस ने बताया कि बैठक में बांग्लादेश और विदेश से कुल 577 लोगों ने हिस्सा लिया था। अवामी लीग के अमेरिकी चैप्टर के उपाध्यक्ष आलम ने यह बैठक बुलाई थी। मामले में उन्हें दूसरे नंबर का आरोपित बनाया गया है। बैठक में सभी ने शेख हसीना के निर्देश का अनुशरण किया। राज्य संचालित बीएसएस ने जानकारी दी कि बातचीत की आवाज रिकॉर्डिंग से पता चला है कि बैठक में मौजूद लोगों ने कसम खाई है कि वे वैध सरकार को शांतिपूर्वक चलने नहीं देंगे।



पिछले साल छात्रों के हिंसक आंदोलन के बाद शेख हसीना को अपना देश छोड़ना पड़ा था। तब से हसीना भारत में हैं। सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही उन पर सामूहिक हत्या और भ्रष्टाचार समेत 100 से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। अवामी लीग के अधिकांश नेताओं के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए हैं। कई नेताओं ने विदेश में शरण ले रखी है। हसीना की सत्ता गिरने के बाद मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार की कमान संभाली थी।

खुद को ही खाना शुरू कर देता है दिमाग: रिसर्च में हुआ खुलासा

लंदन , एजेंसी। अगर कोई व्यक्ति अधिक समय तक और लगातार कड़ी मेहनत करता है, तो उसका मस्तिष्क ऊर्जा की कमी को पूरा करने के लिए अपने कुछ हिस्सों को तोड़ने लगता है। एक शोध में यह पाया गया कि जब शरीर में ग्लूकोज का स्तर बहुत कम हो जाता है, तो मस्तिष्क अपनी सुरक्षा परत (मायलिन) को ऊर्जा के रूप में उपयोग करने लगता है। मायलिन एक चिकनी परत होती है, जो तंत्रिका कोशिकाओं को सुरक्षित रखती है। स्पेन के न्यूरोसाइंटिस्टों ने एक शोध के दौरान 10 मैराथन धावकों के मस्तिष्क का स्कैन किया। उन्होंने दौड़ से पहले और बाद में उनके मस्तिष्क का एमआरआइ स्कैन किया। इस शोध में पाया गया कि दौड़ पूरी करने के बाद धावकों के मस्तिष्क में मायलिन की कमी हो गई थी। खासकर दौड़ के बाद मस्तिष्क के वे हिस्से अधिक प्रभावित हुए जो गति, संवेदनशीलता और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से जुड़े होते हैं। यह प्रक्रिया मेटाबोलिक मायलिन प्लास्टिसिटी कहलाती है, जो एक जीवित रहने की रणनीति है। जब मस्तिष्क में ऊर्जा कम होती है, तो वह काम करना बंद करने की बजाय अपनी सुरक्षा परत (मायलिन) को छोड़ देता है। यही कारण है कि धावक दौड़ के बाद धीमी प्रतिक्रिया और स्मृति से जुड़ी समस्याओं का अनुभव करते हैं। हालांकि, यह प्रभाव अस्थायी होता है। जब शरीर को पर्याप्त पोषण और आराम मिलता है, तो मस्तिष्क अपनी सामान्य स्थिति में वापस लौट आता है। शोध में यह भी पाया गया कि दो हफ्तों बाद मस्तिष्क में मायलिन की मात्रा बढ़ने लगी और दो महीने में यह पूरी तरह से सामान्य हो गया।

हिटलर के डर से सालों तक जमीन में दफना रखा था खजाना, संदूक खुलते ही मिली 855 करोड़ रुपये की चीज; अब होगी नीलामी

बर्लिन , एजेंसी। ट्रैवलर कलेक्शन की कहानी केवल एक सिक्कों को इक्टठा करने की नहीं बल्कि एक ऐसी अद्भुत कहानी है जो सदियों की इतिहास की झलक प्रस्तुत करती है। यह संग्रह 15,000 दुर्लभ सिक्कों से भरा हुआ है, जो दुनिया भर के 100 से अधिक देशों से लाए गए हैं। इन सिक्कों का सबसे खास पहलू यह है कि इनमें से अधिकांश 50 साल से भी ज्यादा समय तक जमीन के नीचे दफन रहे थे। इस संग्रह के पहले मालिक का नाम आज भी गुप्त है, लेकिन उनकी कहानी बहुत रोचक है। 1929 में वॉल स्ट्रीट क्रैश के बाद उन्होंने सोने में निवेश करने की शुरुआत की, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति खराब न हो। समय के साथ उन्हें सिक्कों की कला, दुर्लभता और ऐतिहासिक महत्व का एहसास हुआ और उन्होंने सिक्कों को इकट्ठा करना शुरू किया। 1930 के दशक में वो और उनकी पत्नी ने यूरोप और अमेरिका के कई देशों का दौरा किया और सिक्के इकट्ठा करते रहे।



लेकिन जब नाजी सत्ता का खतरा बढ़ा तो उस आदमी ने अपने सिक्कों को सिगार बॉक्स में पैक किया और उन्हें एल्युमिनियम कंटेनरों में सील किया और फिर गहरे जमीन में दफन कर दिया। इस स्थान के बारे में केवल वह और उनकी पत्नी जानते थे। हालांकि, नाजी कब्जे के बाद कुछ ही समय के बाद उस व्यक्ति की हार्ट अटैक की वजह से निधन हो गया और उनका खजाना वर्षों तक छिपा रहा।

1990 के दशक के मध्य में उस व्यक्ति की विधवा ने निर्णय लिया कि अब समय आ गया है कि वह दफनाए गए खजाने को बाहर निकाले। इसके लिए उन्होंने न्यूमिसमेटिका अर्स क्लासिका की मदद ली। हालांकि, इस संग्रह को पूरी दुनिया के सामने लाने में 2022 तक का समय लग गया। जब एनएसी ने इसका निरीक्षण किया तो जो चीजें सामने आईं। एनएसी के निदेशक आर्टुरो रूसो के अनुसार, यह प्रक्रिया हर दिन एक कैंडी स्टोर में रहने जैसा अनुभव था। उस व्यक्ति के कलेक्शन में कई अद्भुत सिक्के हैं। इनमें से एक सिक्का 1629 का 100 डुकट सोने का सिक्का है जो हंगरी, क्रोएशिया और बोहेमिया के राजा फर्डिनेंड द्वितीय द्वारा मिंट किया गया था। इस सिक्के का वजन 348.5 ग्राम है और यह यूरोप का सबसा बड़ा सोने का सिक्का माना जाता है। इसके अलावा, क़जर साम्राज्य के अघा मोहम्मद खान द्वारा 18वीं और 19वीं शताब्दी में तेहरान और इस्फ़हान में मिंट किए गए पांच टॉमन के सिक्कों का एक दुर्लभ सेट भी इस संग्रह में शामिल है। इस संग्रह की विशालता और मूल्य को देखते हुए एनएसी ने चार सालों तक चलने वाली नीलामी श्रृंखला की योजना बनाई है।

टेक्सास में बाढ़ से हाहाकार, तीन लोगों की मौत और 200 का हुआ रेस्क्यू; टॉर्नेडो की चेतावनी जारी

टेक्सास एजेंसी। टेक्सास के दक्षिणी हिस्से में गुरुवार और शुक्रवार को भारी तूफान के बाद तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इन तूफानों ने कई घरों को जलमग्न कर दिया और वाहन फंसे रहे। हर्लिंजन शहर में सप्ताहभर में 21 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे शहर में भीषण बाढ़ आ गई।



हर्लिंजन के मेयर नॉर्मा सेपुलवेडा ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह शहर के लिए एक चुनौतीपूर्ण घटना रही है, लेकिन हर्लिंजन मजबूत है और हम इससे उबरेंगे। पाम वैली में जियोनी ओचोआ और पोल्यान ओचोआ अपने घर में जलमग्न होकर फंसे रहे। उन्होंने बताया कि उनके घर में पानी भर गया और बिजली के सॉकेट से भी पानी आ रहा था। अलामो में 100 से अधिक जल बचाव ऑपरेशन किए गए, जिसमें फंसे हुए लोगों को बचाया गया। अलामो में लगभग 200 घरों को बाढ़ ने प्रभावित किया। वेस्लाको में भी करीब 14 इंच बारिश हुई, जिससे लगभग 30 से 40 जलमग्न बचाव ऑपरेशन किए गए। लगभग 3,000 लोग कई काउंटी में बिजली कटौती से प्रभावित हुए। दक्षिण टेक्सास के कुछ काउंटी में बाढ़ की चेतावनी जारी है।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत प्लॉगिंग का आयोजन















बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल में जारी स्वच्छता पखवाड़ा के तहत 29 मार्च को सिटी पार्क, पिकनिक एरिया में प्लॉगिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बी के तिवारी की अगुवाई में अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी, मुख्य महाप्रबंधक व वरीय अधिकारी, बीएसएल कर्मी सहित अन्य ने हिंसा लिया. निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना, स्वच्छता की संस्कृति विकसित करना और जन सहभागिता से इस मुहीम को आगे ले जाना है. कार्यक्रम में शामिल अन्य अधिकारियों ने भी स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और सभी को इस अभियान से जुड़कर इसे सार्थक बनाने का आह्वान किया.

एचआरसीएफ के अमृत पार्क में ओपन जिम का उद्घाटन

बीएसएल के एचआरसीएफ विभाग के अमृत उद्यान में आंतरिक संसाधनों से निर्मित ओपन एयर जिम का उदघाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बी के तिवारी ने अधिशासी निदेशकों एवं अन्य वरीय अधिकारीयों की उपस्थिति में किया. एचआरसीएफ विभाग के समीप खाली पड़े स्थान को साफ कर अमृत उद्यान के तौर पर विकसित किया गया है. यहाँ मुख्यतः स्क्रैप मैटेरियल का उपयोग कर कर्मियों द्वारा उसे कलाकृतियों का रूप देकर आकर्षक ढंग से स्थापित किया गया है. इसके अलावा उद्यान में विभिन्न प्रकार के फूल के पौधे एवं वृक्ष भी लगाए गए हैं. इसे विकसित करने में विभागाध्यक्ष श्री के के पांडेय के मार्गदर्शन में एचआरसीएफ के महाप्रबंधक श्री राम निवास, श्री एन के साव, वरीय प्रबंधक श्री अमित रंजन, श्री हर्ष पुंज, श्री ओम कुंजार सिंह, सहायक प्रबंधक श्री उत्पल कुमार, कनीय प्रबंधक श्री ओम प्रकाश सिंह, ओ सी टी श्री संजीत कुमार सिंह, श्री भवानी महतो, श्री आलोक मिश्रा एवं श्री राकेश कुमार का अहम योगदान रहा.

बोकारो स्टील प्लांट से सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गई विदाई

बोकारो स्टील प्लांट से मार्च '2025 माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी इंचार्ज डॉ बी बी करुणामय विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से संबंधित जानकारी दी और प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मी का संक्षिप्त बायोडाटा प्रस्तुत किया। अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी इंचार्ज डॉ बी बी करुणामय ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किए। मार्च 2025 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 06 अधिशासी एवं 37 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी द्वारा किया गया।



बोकारो स्टील प्लांट में 'सुझाव मेला' से नवाचार और दक्षता को बढ़ावा

बोकारो स्टील प्लांट द्वारा मार्च माह के दौरान विभिन्न विभागों में 'सुझाव मेला' का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों से 1,200 से अधिक सुझाव प्राप्त हुए। यह पहल कर्मचारियों को नवाचार और प्रक्रिया सुधार में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने एवं दक्षता, सुरक्षा और उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। अब तक बीएसएल के प्रमुख विभागों जैसे स्टील मेल्टिंग शॉप-वक्र एवं कंटीन्यूअस कास्टिंग शॉप, कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स, हॉट स्ट्रिप मिल, स्टील मेल्टिंग शॉप-कऔर कोल्ड रोलिंग मिल-III इत्यादि में ह्यसुझाव मेलाह्ल का सफल आयोजन किया गया। इन सत्रों के दौरान संबंधित विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और परिचालन, कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। प्राप्त सुझावों का बीएसएल के औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा गहन मूल्यांकन किया जा रहा है, ताकि उनके कार्यान्वयन की संभावनाओं का अध्ययन कर उन्हें प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। यह पहल बीएसएल में सतत विकास, नवाचार और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 'सुझाव मेला' का आयोजन महाप्रबंधक (आईईडी) श्री हिमांशु गुप्ता, वरीय प्रबंधक (आई ई डी) प्रीति प्रिया तथा सम्बंधित विभागों के वरीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

बीएसएल द्वारा सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 25 लाख की राशि प्रदान की गई

बीएसएल द्वारा बोकारो स्टील सामुहिक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत भूतपूर्व ट्रेनी कर्मचारी स्वर्गीय बुलु किसन के माता-पिता को 25 लाख रुपए बीमा की राशि प्रदान की गई. इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सह अध्यक्ष (बोकारो स्टील सामुहिक दुर्घटना बीमा समिति) श्री हरि मोहन झा, महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीण कुमार गुप्ता, वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) सह प्रबन्ध समिति की सचिव श्रीमती कल्पना इत्यादि उपास्थि थे. स्वर्गीय बुलु किसन ने दिनांक 26 नवंबर 2022 को बीएसएल ज्वाईन किया था तथा एक दुर्घटना में इनकी मृत्यु दिनांक 22 अप्रैल 2024 को हो गई थी. आकस्मिक दुर्घटना में मृत्यु के पश्चात, उनके परिवार को न केवल मानसिक सदमा पहुँचा बल्कि उन्हें आर्थिक कठिनाई का सामना भी करना पड़ा. बीएसएल में बोकारो स्टील सामुहिक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत बीमीत सदस्य या उनके आश्रितों को दुर्घटना के कारण मृत्यु या पूर्ण स्थायी अशक्तता के मामले में बीमा राशि रुपए 25,00,000/-, बीमा कम्पनी द्वारा भुगतान की व्यवस्था है. स्व. बुलु किसन इस योजना के सदस्य थे एवं उन्होंने 'ऑप्ट आउट' नहीं किया था, अतः स्व0 बुलु किसन के माताझपिता को बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत रुपए 25,00,000/- की धनराशि प्रदान की गई. समिति के अथ्यक्ष ने एक बार पुनः सभी कर्मचारियों से इस योजना का सदस्य बनने की अपील की है.

संक्षिप्त समाचार

सपा सांसद रामजी लाल सुमन का पुतला फूंका

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के द्वारा राणा सांगा के खिलाफ दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर उत्तर प्रदेश के बाद अब बोकारो में भी इसका विरोध शुरू हो गया है। बोकारो करणी सेवा में आज संसद का विरोध करते हुए पुतला जलाकर विरोध किया। बोकारो के नया मोड़ बिरसा चौक में करणी सेवा के सभी सदस्य संसद का पुतला लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए पुतले को जलाने का काम किया। गया करणी सेवा के बोकारो जिला अध्यक्ष लाल सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से आगरा के सांसद ने राणा सांगा के खिलाफ लोकसभा में खड़े होकर बयान दिया है वह कहीं से भी माफी योग्य नहीं है। हम लोगों ने आज इसका विरोध करते हुए पुतला जलाया है। हमारा उद्देश्य है कि किसी भी देश के महापुरुष के खिलाफ कोई भी बयान इस तरह का ना दे ।हम चाहते हैं कि इस संसद में खड़ा होकर संसद माफी मांगने का काम करें।



खनन विभाग ने की छापेमारी, 18 टन अवैध कोयला जब्त



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन द्वारा लगातार अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में उपायुक्त बोकारो विजया जाधव के निर्देशानुसार जिला खनन पदाधिकारी के नेतृत्व में शनिवार को जिले के बोकारो थर्मल थाना अन्तर्गत बोड़िया बस्ती कथारा क्षेत्र में लगभग 18 टन अवैध रूप से कोयला खनिज का भण्डार किया हुआ पाया गया। टीम ने विधिवत सभी अवैध कोयला जप्त कर बोकारो थर्मल थाना को सुपुर्द किया। साथ ही, मामले में संलिप्त आरोपितों जुगनू यादव, पिता केदार यादव, मनोज महतो, पिता-नामालूम एवं राजीव महतो, पिता स्व. सगिया महतो के नाम प्राथमिकी दर्ज कराई। उक्त अभियान में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार, खान निरीक्षक सीताराम टुडू, एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद थे। इसकी जानकारी जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार सिंह ने दी।

आजसू के धनबाद जिला संगठन का विस्तार प्रभारी बनने पर गिरिधारी महतो को दी बधाई



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल अंतर्गत जिला उपाध्यक्ष एवं अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ जोनल अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि धनबाद गिरिधारी महतो को धनबाद जिला संगठन विस्तार हेतु प्रभारी बनाए जाने पर बधाई दी गई। बधाई देने वालों में आजसू के केंद्रीय महासचिव संतोष कुमार महतो, योगेश कुमार महतो,बीरेन्द्र निषाद, सुनील शर्मा, संजय महतो, पप्पू मंडल अमरेंद्र कुमार,शिवा प्रसाद, जुनैद आलम, भोला प्रामाणिक,नरेश महतो, सुखदेव प्रसाद शर्मा,मंडल अध्यक्ष जगन्नाथ महतो,गीता देवी,लक्ष्मी देवी, मंजू देवी,यशोदा देवी,आशा देवी,ममता देवी,पुष्पा देवी मुख्य हैं।

स्कूल के बच्चों संग मनाया अपना जन्म दिन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्कूली बच्चों के साथ जन्मदिन मनाना एक बहुत ही खूबसूरत और यादगार अनुभव है। यह न केवल खुशी और उत्साह का माहौल बनता है,बल्कि बच्चों के साथ समय बिताने से उनकी मासूमियत और ऊर्जा का भी अनुभव करवाता है। यह बातें रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कही है। सामाजिक कार्यकर्ता डिंपल कौर में अपना जन्मदिन स्थानीय सरकारी स्कूल के बच्चों के साथ मना कर समाज सेवा का अनूठा उदाहरण पेश किया। डिंपल कौर ने अपने इस विशेष दिन पर स्कूल में पढ़ने वाले 80 से अधिक बच्चों के बीच बेग,स्टेशनरी का सामान, स्वादिष्ट नाश्ता एवं अमूल की लस्सी का वितरण किया। इस अभिनव पहल से न केवल बच्चों के चेहरे खिल उठे बल्कि स्कूल के शिक्षक भी इस सराहनीय कदम से अभिभूत हुए। डिंपल कौर ने कहा की कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को महसूस कराना था कि वे भी विशेष है। संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता डिंपल कौर ने अपने जन्मदिन को अर्थपूर्ण बनाते हुए समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया जिससे अन्य लोग भी सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में मंजीत सिंह, पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, श्वेता रस्तोगी, सुमी कौर, हरबंस सिंह आदि उपस्थित थे।



भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय का जैनामोड़ में स्वागत

जैनामोड़ (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय का आज जैनामोड़ स्थित भाजपा किसान मोर्चा कार्यालय में प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह ने स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनका अंगवस्त्र देकर अभिनंदन किया। बालमुकुंद सहाय रांची से धनबाद जा रहे थे, जहाँ वे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम पर आयोजित बिहार गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने कहा कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का लक्ष्य हमारे सांस्कृतिक और राष्ट्रीय मूल्यों को मजबूत करने से पूरा होगा। उन्होंने बिहार गौरव दिवस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह आयोजन हमारी विरासत को सहेजने का अवसर है। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सुरेश प्रसाद, उत्तम मिश्रा, मनोज महतो, गोविंद महतो इत्यादि।



आचार्यों के कौशल विकास को आयोजित कार्यशाला संपन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9, बोकारो में तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के सचिव एवं प्रांतीय प्रतिनिधि सिद्धेश नारायण दास ने आचार्य एवं दीदी को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या भारती योजना में आचार्य पद बहुत ही महत्वपूर्ण है जिसमें शिक्षक अपने आचरण के द्वारा बालको के सर्वांगीण विकास हेतु कृत संकल्पित होते हैं। साथ ही आचार्य का भी स्किल डेवलपमेंट कैसे हो इस पर भी गहन चिंतन होता है। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने बताया कि पूरे झारखंड में मार्च के अंतिम सप्ताह में में तीन दिवसीय इस प्रकार की कार्यशाला सभी विद्यालयों में होती है। जिसमें विद्यालय के अंदर वर्ष भर में प्रत्येक माह कौन-कौन से क्रियाकलाप होने हैं । वह पहले से ही तय कर लिया जाता है और इसमें ही सभी आचार्य दीदी जी के बीच विभागों का बंटवारा होता है। ताकि सुगमता से वह कार्य संपन्न हो सके। कुछ नवाचार प्रयोग भी करने का विचार इस कार्यशाला में रखा गया है। जिसका प्रतिपादन वर्ष में कभी न कभी विद्यालय के शैक्षणिक विकास हेतु किया जाता है । अपने अध्यक्षीय आशीर्वचन में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष अभय श्रीवास्तव ने सभीआचार्य एवं दीदी जी को कार्यशाला संपन्न होने पर शुभकामना दी एवं नई ऊर्जा के साथ विद्यालय एवं बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु लग जाने के लिए प्रोत्साहित किया । कार्यशाला में आचार्यों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं जिसमें विजयी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना के साथ किया गया ।मंच संचालन विद्यालय के आचार्य जितेंद्र मिश्र ने किया। इस अवसर पर सभी आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित रहे।



अवैध बालू लदे पांच ट्रैक्टर जब्त, एफआइआर दर्ज



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज पदार्थों के अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने बराकर नदी से अवैध तरीके से निकाला गया बालू लदा पांच ट्रैक्टर जब्त किया है। दरअसल, उपायुक्त के निदेर्शानुसार अनुमंडल पदाधिकारी श्री राजेश कुमार, जिला खनन पदाधिकारी श्री रितेश राज तिग्गा एवं जिला परिवहन पदाधिकारी श्री दिवाकर सी द्विवेदी के नेतृत्व में शनिवार की सुबह लगभग 9 बजे, खान निरीक्षक श्री सुमित प्रशाद, श्री बरांत उराँव एवं आवंटित पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से सरायढेला थानान्तर्गत गोल बिल्डींग, बालाजी पेट्रोल के समीप औचक छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान बालू लदे 5 ट्रैक्टरों को रोकने का इशारा किया गया, परंतु खनन टास्क फोर्स को देखते ही सभी ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को छोड़कर भाग गये। स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि सभी ट्रैक्टरों में लदा बालू पूर्वी टुंडी थानांतर्गत बराकर नदी से अवैध खनन कर लाया गया है। इसके बाद टीम ने पाँचों बालू लदे ट्रैक्टरों को घटना स्थल पर ही विधिवत जब्त कर लिया तथा सरायढेला थाना को सुपुर्द करते हुए सभी वाहन मालिकों, चालकों तथा इसमें संलिप्त अन्य सभी लोगों पर सरायढेला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व इसी घटना स्थल पर राजेन्द्र सिंह एवं उसके अन्य साथियों द्वारा खनन टास्क फोर्स पर हमला किया गया था। लेकिन इस तरह के हमले से खनन टास्क फोर्स का मनोबल टूटा नहीं है, बल्कि लगातार कार्रवाई की जा रही है। उक्त सभी ट्रैक्टर किसके द्वारा लाया गया था और इसका मालिक एवं चालक कौन है, इसकी सघन जांच चल रही है। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि जांच के बाद पाये गये दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जायेगी। जिससे बालू सहित अन्य खनिजों के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन करने वालों पर पूर्णतः लगाम लग सके।

हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन करेगा बच्ची की पैरवी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बच्ची से बलात्कार के प्रयास के एक मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर तीखी टिप्पणियों के साथ सुप्रीम कोर्ट की रोक को गैरसरकारी संगठन सहयोगिनी बोकारो ने बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण की दिशा में अहम कदम करार दिया है। शीर्ष अदालत ने इस फैसले के खिलाफ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की विशेष अनुमति याचिका को स्वीकार करते हुए उसे पीड़िता की पैरवी की इजाजत दी है। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों का नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) इस कानूनी लड़ाई की अगुआई करेगा ताकि पीड़िता की गरिमा और अधिकारों की रक्षा हो सके और उसके साथ न्याय सुनिश्चित हो। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि 'अगर देश में एक भी बच्चा अन्याय का शिकार है तो जेआरसी उसके साथ है। न्यायपालिका बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील है जो सुप्रीम कोर्ट के मामले का स्वतः संज्ञान लेने से स्पष्ट है। जेआरसी अब इस बच्ची को न्याय दिलाने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। जेआरसी बच्चों के लिए एक न्यायपूर्ण दुनिया बनाने की लड़ाई लड़ रहा है और हम जिले से बच्चों के खिलाफ बाल विवाह, बाल यौन शोषण और बाल मजदूरी जैसे अपराधों के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध हैं।' शीर्ष अदालत ने भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस जारी किए हैं। मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की खंडपीठ ने हाई कोर्ट के फैसले में जाहिरा तौर पर नजर आने वाली असंवेदनशीलता पर कड़ी आपत्ति जताई और उसकी टिप्पणियों को 'चौंकाने वाला और कानून की किसी भी समझ से रहित' करार दिया। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन और पीड़िता के परिवार की ओर से अधिवक्ता रचना त्यागी ने कहा, "इस मामले में साढ़े तीन साल से अधिक समय तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मेन) को लेकर धारा 163 लागू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मेन) सत्र- 02 का आयोजन आगामी 02 अप्रैल से 04 अप्रैल एवं 07 से 09 अप्रैल तक प्रथम पाली पूर्वा० 09.00 बजे से मध्या० 12.00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अप० 03.00 बजे से अप० 06.00 बजे तक चास अनुमण्डल अन्तर्गत कुल 02 (दो) परीक्षा केन्द्र पर आयोजित किया जायेगा। विधि-व्यवस्था को लेकर व्यापक लोकहित में निरोधात्मक कार्रवाईयों की आवश्यकता सर्वथा नितांत है। अतः बीएनएसएस की धारा 163 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा ने परीक्षा केन्द्र परिसर के 300 मीटर की परिधि के अंतर्गत निम्नांकित कार्यों एवं गतिविधियों को निषिद्ध किया है। पाँच या पाँच से अधिक की संख्या में व्यक्तियों के एक साथ किसी भी स्थान विशेष पर एकत्रित होने, भ्रमण करना अथवा भीड़ लगाना इत्यादि ।

बलात्कार मामले में सबूत के अभाव में आरोपित बरी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के अपर एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ गरिमा मिश्रा की अदालत ने बलात्कार के एक मामले में सबूतों के अभाव में आरोपी विकास कुमार को बाइज्जत रिहा कर दिया। यह फैसला सत्र बाद संख्या 353/24 के तहत सुनाया गया, जो माराफारी थाना कांड संख्या 27/24 से संबंधित था। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 354 (महिला की लज्जा भंग करने का प्रयास) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप दर्ज किए गए थे।अदालत में आरोपी की ओर से विद्वान अधिवक्ता रणजीत गिरि ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को अपर्याप्त माना गया, जिसके आधार पर न्यायाधीश ने यह निर्णय सुनाया। विकास कुमार को सभी आरोपों से मुक्त करते हुए बाइज्जत रिहा करने का आदेश दिया गया।

सपा राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन को निलंबित करने की मांग



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रणधीर वर्मा चौक में राजपूत समाज के बैनर तले राजपूत समाज द्वारा राज्यसभा सपा सांसद रामजीलाल सुमन के द्वारा संसद में अभद्र टिप्पणी का विरोध प्रदर्शन कर पुतला फूंका। धरना प्रदर्शन में समाजसेवी उदय प्रताप सिंह ने कहा सपा के राज्यसभा सांसद का राणा सांगा के प्रति टिप्पणी घोर निंदनीय है राणा संग महाराणा प्रताप सिंह जैसे महापुरुष राजपूतों ने देश के लिए हमेशा बलिदान दिया है देश के लिए हर लड़ाई में राजपूत समाज काफी चढ़ बढ़ाकर आगे रहा है कोई हमें छेड़ेगा तो हम छोड़ेंगे नहीं। इस अभद्र टिप्पणी के लिए सपा राज्य सभा सांसद रामजीलाल सुमन को राज्य सभा संसद से निलंबित करने की मांग की।राजपूत समाज से क्षमा मांगे नहीं तो राजपूत समाज का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। विरोध प्रदर्शन करते हुए राजपूत समाज के लोगों ने कहा हमारे क्षत्रियों के सिरमौर अमर विभूति राणा सांगा जी (राणा संग्राम सिंह)को गद्दार कहने की अभद्र टिप्पणी का राजपूत समाज तब तक विरोध करेगा और उग्र प्रदर्शन करता रहेगा जब तक रामजीलाल जैसे अपराधी छवि वाले नेता को संसद सदस्य से निलंबित नहीं किया जाता है। जिन्होंने हमारे शिरोमणि राणा सांगा का अपमान किया है। उसकी जड़ खोदने का काम करेंगे उनके सपोर्ट करने वाले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी उनके इस करनी का दंड राजपूत समाज अवश्य देगा। इस शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में राजपूत समाज के बैनर तले अनेक राजपूत संगठनों ने शिरकत किया। जिसमें करनी सेना, राजपूत एकता मंच भूली, एवं राजपूत एकता मंच निरसा शाखा, राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना, वीर कुंवर सिंह सेवा समिति धनबाद, राजपूत विचार मंच चैरिटेबल ट्रस्ट, राजपूत विचार मंच धनबाद, भारतीय राजपूताना सेवा संगठन धनबाद ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं कार्यक्रम को सफल रूप से संचालित किया। जिसमें समाजसेवी उदय प्रताप सिंह,राजपूत एकता मंच के पदाधिकारी भोला सिंह, पंकज सिंह, राजपूत कल्याण मंच के पवन सिंह, रविंद्र सिंह, अशोक सिंह,करणी सेना के वरिय उपाध्यक्ष अमन सिंह, राजपूत विचार मंच के अध्यक्ष अरुण सिंह, सुधीर सिंह, राजपूत विचार मंच चैरिटेबल ट्रस्ट के डॉक्टर नीलेश सिंह, कौशल सिंह, भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के राजेंद्र सिंह, वीर कुंवर सिंह सेवा समिति के उमेश सिंह, राजेश सिंह, अरविंद सिंह, राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के संजीव सिंह और नीरज सिंह उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com